

माननीय अध्यक्ष महोदय,

1. आपकी अनुमति से मैं, वर्ष 2018-19 के बजट अनुमान प्रस्तुत करता हूँ।

सबसे पहले, मैं हिमाचल प्रदेश की जनता को नवम्बर, 2017 के विधानसभा चुनाव में हमें निर्णायक बहुमत देने के लिए दिल की गहराईयों से धन्यवाद देता हूँ। प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की प्रगतिशील नीतियों तथा कार्यक्रमों में पूरा विश्वास व्यक्त किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व एवं भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के गतिशील नेतृत्व के कारण ऐसा सकारात्मक परिवर्तन सम्भव हो सका है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में यह मेरा पहला बजट है। मुझे इस पद पर पहुँचाने के लिए मैं हिमाचल प्रदेश की जनता का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं सिराज विधानसभा की जनता का भी हृदय से धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मुझे लगातार पांचवीं बार हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए चुनकर, प्रदेश की सेवा करने का अवसर प्रदान किया है।

अध्यक्ष महोदय मैं यहाँ पर कहना चाहूँगा कि:

**“मुझे उँचाईयों पर देख कर, हैरान हूँ कुछ लोग।
पर उन्होंने, मेरे पैरों के छाले नहीं देखे।।”**

2. मैं हिमाचल प्रदेश के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि हमारी सरकार पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करेगी तथा **“सब का साथ, सब का विकास”** की नीति पर चलेगी। हमने भारतीय जनता पार्टी के **“दृष्टि पत्र”** को वर्तमान सरकार की विकास नीतियों को लागू करने के लिए मार्गदर्शक अभिलेख माना है।

कार्यग्रहण के पश्चात् हमारा पहला निर्णय ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को जिन्हें कोई अन्य पेंशन नहीं मिल रही है, की वृद्धावस्था पेंशन के

लिए आयु सीमा को, बिना किसी आयु सीमा के, 80 वर्ष से घटाकर 70 वर्ष करना था। इससे इस आयु वर्ग के एक लाख 30 हजार वरिष्ठ नागरिकों को ₹195 करोड़ की वार्षिक वृद्धावस्था पेंशन मिलेगी।

3. अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के हृदय में हिमाचल के लिए सदैव एक विशेष स्थान रहा है। UPA सरकार ने राष्ट्रीय बजट 2012-13 से 2014-15 के तीन वर्षों में हिमाचल प्रदेश को ₹ 28,552 करोड़ प्रदान किये जबकि NDA की सरकार ने 2015-16 से 2017-18 में ₹ 46,793 करोड़ प्रदान किये। इससे हमारे प्रिय प्रधानमन्त्री का हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए लगाव एवं स्नेह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है।

मैं माननीय सदन को सूचित करना चाहता हूँ कि 14वें वित्तायोग ने सिफारिश की थी कि विशेष दर्जा प्राप्त राज्य एवं सामान्य दर्जा प्राप्त राज्यों में राशि आवंटन में कोई अन्तर नहीं होगा। परन्तु मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्रीय सरकार ने 28 अक्टूबर, 2015 के आदेश द्वारा सभी पहाड़ी राज्यों को सभी मूल केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं में 90:10 के अनुपात में राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है। यू0पी0ए0 सरकार के कार्यकाल में हमें सर्वशिक्षा अभियान (SSA) में 65 प्रतिशत अनुदान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) में 75 प्रतिशत, National Rural Drinking Water Programme (NRDWP) में 50 प्रतिशत एवं ICDS के विशेष पोषण कार्यक्रम (Special Nutrition Programme) में 50 प्रतिशत अनुदान मिल रहा था। अब हमें सभी केन्द्र प्रायोजित योजनाओं में समान रूप से 90 प्रतिशत अनुदान मिल रहा है। हम हिमाचल प्रदेश को विशेष लाभ देने के लिए केन्द्रीय सरकार के आभारी हैं।

4. अध्यक्ष महोदय, मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्रीय सरकार ने हिमाचल को न केवल उदार आर्थिक सहायता प्रदान की है अपितु प्रत्यक्ष निवेश के माध्यम से विकास की नई प्रेरणा दी है। केन्द्रीय सरकार ने हिमाचल प्रदेश के लिए 69 नए राजमार्ग स्वीकृत किये हैं। 221 ग्रामीण सड़कों एवं पुलों के लिए इस वित्त वर्ष में ₹ 782 करोड़ की

सहायता; बिलासपुर में अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान की स्थापना की स्वीकृति; चम्बा, नाहन एवं हमीरपुर में चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना हेतु धन राशि का आवंटन; 6 ट्रॉमा केन्द्रों के लिए ₹ 29 करोड़ की सहायता; "उड़ान" के अन्तर्गत वायु सेवा तथा इन्दिरा गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल शिमला में अति विशिष्ट चिकित्सा खण्ड तथा Tertiary केयर सैन्टर कुछ ऐसी सौगातें हैं, जिसके लिए हिमाचल प्रदेश के लोग केन्द्रीय सरकार के सदैव आभारी रहेंगे।

मैं प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का इस छोटे से पहाड़ी राज्य को इतनी उदार सहायता देने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

5. अध्यक्ष महोदय, NDA सरकार के उदार अनुदानों के बावजूद भी पिछली काँग्रेस सरकार ने लापरवाही भरा अनुत्पादक व्यय किया तथा राज्य के संसाधनों को विकसित करने का कोई प्रयास नहीं किया। मैं माननीय सदन को सूचित करना चाहता हूँ कि जब पिछली भाजपा सरकार ने दिसम्बर, 2007 में कार्यभार ग्रहण किया था तब राज्य पर ₹ 19,977 करोड़ का ऋण था जो 31 दिसम्बर, 2012 को पद छोड़ते समय ₹ 27,598 करोड़ हो गया। परन्तु 18 दिसम्बर, 2017 को यह ऋण बढ़कर ₹ 46,385 करोड़ हो गया। अतः 2008 से 2012 के बीच केवल ₹ 7,621 करोड़ का अतिरिक्त ऋण लिया गया तथा 2013 से 2017 तक ₹ 18,787 करोड़ का अतिरिक्त ऋण लिया गया जोकि पहले 5 वर्षों की तुलना में 246 प्रतिशत अधिक था। अतः पिछली काँग्रेस सरकार की नीति **"ऋणम कृत्वा घृतम पीवेत"** की थी। इन ऋणों के कारण राज्य पर ₹ 3,500 करोड़ के वार्षिक ब्याज का बोझ है।

राजकोषीय मुद्दे

अध्यक्ष महोदय,

**"चादर से पैर तभी बाहर आते हैं।
उसूलों से बड़े जब ख्वाब हो जाते हैं।।"**

इसके अतिरिक्त पिछली काँग्रेस सरकार ने कर्मचारियों एवं पेंशनरों को देय वेतन व पेंशन बकाया की देनदारियां भी वर्तमान सरकार के लिए छोड़ दी हैं।

6. हमने **“गुड़िया”** हेल्पलाइन नम्बर 1515 एवं **“होशियार सिंह”** हेल्पलाइन नम्बर 1090 का भी शुभारम्भ किया है। “होशियार सिंह” हेल्प लाईन से प्राप्त सूचना से ड्रग, वन एवं खनन माफिया के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

हमारी सरकार ने वायदानुसार महिला सुरक्षा हेतु **“शक्ति ऐप”** का शुभारम्भ किया है। कोई भी महिला संकट के समय उपरोक्त मोबाईल ऐप पर जैसे लाल बटन दबाएगी इस की सूचना तुरन्त पुलिस बल तक पहुँच जाएगी। उपकरण के हिलाने से GPS द्वारा भौगोलिक स्थिति को जाना जा सकेगा तथा ऐप नजदीकी पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना भेज देगा। इन कार्यों से सुशासन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता पूरी तरह प्रदर्शित होती है।

मैं यहाँ कहना चाहता हूँ:

**“परवाह नहीं चाहे जमाना जितना भी खिलाफ हो,
चलूंगा उसी राह पर जो सीधी और साफ हो।”**

7. अध्यक्ष महोदय, मादक पदार्थों के दुष्परिणामों से निपटने हेतु हम इन मादक पदार्थों की माँग एवं आपूर्ति नियन्त्रित करने के लिए कदम उठाएंगे। आपूर्ति के नियन्त्रण के लिए हम नारकोटिक्स फसलों को नष्ट करेंगे तथा NDPS कानून को सख्ती से लागू करेंगे। मैं मादक पदार्थों के बारे में जानकारी देने तथा जब्त करवाने के लिए सूचना देने वाले/पुलिस बल को उचित ईनाम राशि देना भी प्रस्तावित करता हूँ। माँग को नियन्त्रित करने के लिए हम मादक पदार्थों के दुष्परिणाम बारे जानकारी प्रिन्ट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रसारित करेंगे। शैक्षणिक संस्थाओं में जागरूकता अभियान द्वारा मादक पदार्थों के घातक परिणाम की जानकारी दी जाएगी। मनोवैज्ञानिक परामर्श के माध्यम से मादक पदार्थों के आदी लोगों को इससे दूर रहने की सलाह दी जाएगी तथा नशा मुक्ति के लिए कैंप, उपचार एवं पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी।

8. अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर कई नीतिगत सुधार हुए हैं। केन्द्रीय सरकार द्वारा लाए गए सुधार के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) बढ़ा है। व्यापार सुगमता सूचकांक में देश की श्रेणी बेहतर हुई है। संयुक्त माल एवं सेवा कर लागू होने से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली बहुत सरल हो गई है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से कल्याण योजनाओं का लाभ सीधा पात्र लोगों को मिल रहा है। उच्च मूल्यवर्ग के नोटों के विमुद्रीकरण के कारण मुद्रा के कम विनिमय से कर का आधार बढ़ गया है। Insolvency & Bankruptcy Code के कारण ऋणदाता एवं कर्जदार के बीच का सम्बन्ध सदभावनापूर्ण बन गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था, विश्व की 7वीं सब से बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है जिस का कुल आकार 2.5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर है। IMF की भविष्यवाणी के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था अगले वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। विनिर्माण क्षेत्र में पुनः बढ़ौतरी एवं सेवा क्षेत्र के बढ़ने से राष्ट्रीय आर्थिकी भविष्य में 8 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान है।

9. अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के अविवेकपूर्ण वित्तीय प्रबन्धन से राज्य की जनता पर न केवल भारी ऋण बोझ बढ़ गया है बल्कि हमारी आर्थिक विकास दर भी धीमी हो गई है।

वर्ष 2015-16 में हिमाचल की विकास दर 8.1 प्रतिशत रही वह 2016-17 में घटकर 6.9 हो गई। चालू वर्ष 2017-18 में भी प्रदेश की विकास दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इन 3 वर्षों में हिमाचल की विकास दर राष्ट्रीय विकास दर से कम रही है। वर्ष 2017-18 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार राज्य का सकल घरेलू उत्पाद ₹1,35,914 करोड़ मापा गया तथा प्रति व्यक्ति आय ₹1,58,462 रहने का अनुमान है।

10. हिमाचल प्रदेश ने भी संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य अंगीकृत किए हैं। इन 17 लक्ष्यों के 169 गणना योग्य लक्ष्य है। सतत्

विकास लक्ष्यों को राज्य के बजट एवं योजना प्रक्रिया में संस्थागत किया गया है। लगभग सभी योजनाएं सतत् विकास के विभिन्न लक्ष्यों की प्राप्ति के उद्देश्य से तैयार की गई हैं। राज्य सरकार सतत् विकास के अधिकतर लक्ष्यों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 2030 की समय सीमा से पहले वर्ष 2022 तक प्राप्त कर लेगी।

वार्षिक योजना

11. अध्यक्ष महोदय, योजना तैयार करना किसी भी बजट प्रक्रिया का अविभाज्य अंग है। राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश के लिए वर्ष 2018-19 के लिए ₹ 6,300 करोड़ की वार्षिक योजना तैयार की है। यह वर्ष 2017-18 की वार्षिक ₹ 5,700 करोड़ योजना से ₹ 600 करोड़ अधिक है। ₹ 6,300 करोड़ के प्रावधान में से ₹ 1,587 करोड़ की राशि अनुसूचित जाति योजना, ₹ 567 करोड़ की राशि जन-जातीय उप-योजना तथा ₹ 75 करोड़ की राशि पिछड़ा क्षेत्र उप-योजना के लिए प्रस्तावित है।

12. बाह्य सहायता प्राप्त योजनाएं प्रदेश के साधनों को अनुपूरक करने में काफी मददगार साबित हुई हैं। बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय एजेंसियों के साथ साझेदारी से हमें राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का पता चलता है। वर्तमान में राज्य में ₹ 15,320 करोड़ की लागत वाली 13 बाह्य सहायता प्राप्त योजनाएं (EAP) लागू की जा रही हैं। दो अन्य बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए एजेंसियों से संवाद जारी है। मैं इस अवसर पर केन्द्रीय सरकार को इन परियोजनाओं में हिमाचल को 90:10 के अनुपात में राशि प्रदान करने के लिए धन्यवाद करता हूँ।

मार्गदर्शक
सिद्धान्त

13. अध्यक्ष महोदय, आर्थिक चुनौतियों के बावजूद मैं हिमाचल प्रदेश के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि केन्द्रीय सरकार की सहायता से हिमाचल में विकास की रफ्तार तीव्रगति से बढ़ेगी। हमारी सरकार निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुसार कार्य करेगी:-

- सुशासन के माध्यम से लोगों को बेहतर सेवा प्रदान करना।

- ग्रामीण खेती/बागवानी आर्थिकी का रूपान्तरण जिससे कृषकों की आय दुगुनी हो सके।
- युवा वर्ग के लिए रोजगार सृजन।
- प्रभावी कानून व्यवस्था की बहाली।
- सभी बेघरों को घर।
- ड्रग, खनन एवं वन माफिया पर नियन्त्रण।
- प्रभावी एवं सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना।
- गुणवत्ता आधारित शिक्षा प्रदान करना।
- महिला सशक्तिकरण।
- निवेश बढ़ाने के लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण।
- अधोसंरचना के अन्तर को समाप्त करना।
- पन-बिजली, पर्यटन एवं उद्योगों को पुनर्जीवित करना।
- वृद्ध, महिला एवं दिव्यांगों की सामाजिक सुरक्षा।
- कमजोर लोगों का उद्धार।
- प्रदेश के सभी घरों में सुरक्षित पीने का पानी।
- सभी पंचायतों का वाहनयुक्त सड़क से संपर्क।

हमारी सरकार पूरे उत्साह एवं समर्पण भाव से उपरोक्त सिद्धान्तों पर कार्य करेगी जिससे हिमाचल में **"राम राज्य"** आ सके और यहाँ सभी लोग शांतिपूर्वक वातावरण में अच्छा जीवन जी सके।

14. अध्यक्ष महोदय, प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने **“न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन”** की परिकल्पना की है। यह दृष्टिकोण हमारी सरकार की नीतियों एवं प्रक्रियाओं में सुधार के लिए हमें प्रेरित करेगा।

अध्यक्ष महोदय, जो मापा जाता है, वह किया जाता है। इस को देखते हुए जिला स्तर सुशासन सूचकांक विकसित किया जाएगा जिसमें हिमाचल के सभी जिलों की सुशासन में तुलना की जा सके।

हमारी सरकार राज्य के सभी अधिनियमों, नियमों तथा योजनाओं की उनके प्रभावों, प्रासंगिकता तथा सरलीकरण की कसौटी पर समीक्षा करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को सरकारी कार्यालयों में आने में कमी लाना होगा। प्रदेश के सभी विभाग इनके सरलीकरण के बारे में प्रस्ताव आगामी 6 महीनों में मन्त्रीमण्डल के समक्ष लाएंगे।

सरकारी योजनाओं के कुशल कार्यान्वयन हेतु विश्वसनीय डाटा होना अपरिहार्य है। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग **“ऑन लाईन”** डाटा एकत्रित करने की प्रणाली विकसित करेगा जिससे समय पर डाटा उपलब्ध हो सकेगा।

हमारी सरकार, विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, व्यय के विभिन्न मदों की निरन्तर समीक्षा करेगी ताकि अपव्यय को रोका जा सके।

“सरकार लोगों के द्वार” में हमारा विश्वास है। अतएव मैं घोषणा करता हूँ कि राज्य सरकार के सभी मन्त्री नियमित रूप से हर जिले के दूर-दराज क्षेत्रों में **“जन मंच”** का आयोजन करेंगे जहाँ मौके पर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। सभी विभाग के अधिकारी भी वहाँ उपस्थित रह कर निर्णय लेने तथा शिकायत निवारण में सहायक होंगे।

15. अध्यक्ष महोदय, मेरी यह राय है कि लोगों को उन के कल्याण हेतु प्रारम्भ की गई योजनाओं की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। अतः हर वर्ष बजट के उपरान्त राज्य सरकार **"जन अधिकार पुस्तिका"** तैयार करेगी जिसमें, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा उनमें क्या लाभ दिया जाएगा, की जानकारी होगी। इन पुस्तिकाओं को पंचायत/राशन की दुकान पर जनता के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

16. अध्यक्ष महोदय, यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न कार्यों को समय पर पूर्ण किया जाए ताकि जनता को इसका लाभ शीघ्र मिल सके।

मैं घोषणा करता हूँ कि लोक निर्माण विभाग तथा सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग के कार्य प्रबन्धन हेतु Works Management Information System (WMIS) लागू किया जाएगा जिसमें निविदा से कार्य पूर्ण होने तक सभी जानकारियों को वास्तविक समय आधार पर Update किया जाएगा। मेरे तथा सम्बन्धित मन्त्री के डैश बोर्ड पर कार्यों की Update स्थिति समीक्षा हेतु उपलब्ध रहेगी।

17. वर्तमान में स्टाम्प पेपर कोष अथवा अधिकृत बैंक शाखा द्वारा जारी किये जाते हैं। मेरी सरकार गैर न्यायिक स्टैम्प पेपर के लिए एक नई **"ई-स्टैम्पिंग"** योजना आरम्भ करेगी। नई प्रणाली में नागरिक अपने गृह/कार्यालय में ही ऑनलाईन प्रणाली से स्टाम्प पेपर प्राप्त कर उसका भुगतान कर देगा तथा उन्हें कोष अथवा बैंक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इन स्टाम्प को प्राप्त करने वाला अधिकारी चालान को ऑनलाईन सत्यापित कर सकेगा।

18. प्रदेश सरकार, सभी ग्राम पंचायतों को, ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से भारत नेट फेज-2 के अन्तर्गत तीव्र गति की इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

सूचना प्रौद्योगिकी

हमारा लक्ष्य **"कागज रहित"** कार्यालय वातावरण तैयार करना है। वर्तमान में 5 विभागों में ई-ऑफिस लागू किया गया है। वर्ष

2018–19 में 5 अतिरिक्त विभागों को इससे जोड़ा जाएगा। आगामी 5 वर्षों में सभी सरकारी विभागों को ई-ऑफिस के अन्तर्गत लाने का प्रयत्न करेंगे।

19. सरकारी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं दक्षता लाने के उद्देश्य से 5 लाख से ज्यादा की निविदाओं को e-procurement Portal के माध्यम से जारी किया जाएगा। जो वस्तुएं Government e-Market (GeM) पर उपलब्ध है उन्हें वहीं से क्रय किया जाएगा।

रोजगार सृजन एवं निवेश को आकर्षित करने के लिए काँगड़ा जिले में लगभग ₹ 12 करोड़ की लागत से आईटी0 पार्क पर शीघ्र कार्य होगा जिससे लगभग 400 कौशलपूर्ण लोगों को रोजगार मिलेगा।

उप योजना

20. अध्यक्ष महोदय, राज्य में ऐसे सामुदायिक भवनों की आवश्यकता है जिसमें एक बड़ा हॉल हो ताकि विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम उसमें सम्पन्न हो सके। अतः मैं एक नई योजना **“मुख्यमन्त्री लोक भवन”** शुरू करने की घोषणा करता हूँ जिसमें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ₹ 30 लाख की लागत से एक सामुदायिक भवन 2 वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। विधानसभा सदस्य व माननीय संसद सदस्य अपनी निधि से इसे और बड़ा करवा सकते हैं। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि यदि माननीय सदस्य अपने क्षेत्र में एक या दो अतिरिक्त सामुदायिक भवन बनवाना चाहते हैं तो उनकी निधि के ₹15 लाख पर सरकार द्वारा भी ₹15 लाख दिए जाएंगे। इस योजना के लिए मैं ₹ 12 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मैंने वर्ष 2018–19 के लिए, विकास की प्राथमिकता को निर्धारित करने के लिए 12 एवं 13 फरवरी, 2018 को माननीय विधान सभा सदस्यों के साथ बैठकें की। माननीय विधायकों ने **“विधायक क्षेत्र विकास निधि योजना”** की राशि तथा विवेक अनुदान राशि को बढ़ाने की माँग की थी। मैं **“विधायक क्षेत्रीय विकास निधि”** की राशि को ₹ 1.10 करोड़ से ₹ 1.25 करोड़ तथा **“विवेक अनुदान”** राशि को ₹ 5 लाख से ₹ 7 लाख बढ़ाने की सहर्ष घोषणा करता हूँ।

मुझे विश्वास है कि इससे माननीय सदन के सदस्यों के चेहरों पर मुस्कान आएगी।

अध्यक्ष महोदय, मैं यहाँ कहना चाहता हूँ:

**“बस दिल जीतने का मकसद है,
दुनिया जीत कर तो सिकंदर भी खाली हाथ गया था।”**

21. अध्यक्ष महोदय, हम खाद्य उपदान योजना के अन्तर्गत 3 दालें, 2 लीटर खाद्य तेल तथा 1 किलो आयोडीन युक्त नमक सभी राशन कार्ड धारकों को उपदान पर उपलब्ध कराएंगे। हम सभी राशनकार्ड धारकों को चीनी भी उपदान पर उपलब्ध करवा रहे हैं। मेरा हिमाचल प्रदेश के APL कार्डधारकों से अनुरोध रहेगा कि यदि वे उपरोक्त दोनों उपदानों को स्वेच्छा से छोड़ना चाहते हैं तो वे खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को अपना विकल्प भेज सकते हैं। मैं माननीय सदन को यह सूचित करना चाहता हूँ कि मैंने और मेरे मन्त्रिमण्डल के सभी सदस्यों ने उपरोक्त उपदान को स्वेच्छा से छोड़ने का निर्णय लिया है। मैं इस योजना के लिए वर्ष 2018-19 में ₹ 220 करोड़ बजट का प्रावधान करता हूँ।

खाद्य क्षेत्र में
सुधार

22. चालू वित्त वर्ष में हम स्वचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (e-PDS) के अन्तर्गत सभी उचित मूल्य की दुकानों में PoS यन्त्र लगाएंगे। इस वर्ष सभी राशन कार्डों को डिजिटिज करने की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। हम मोबाइल पर ही राशन की उपलब्धता की सूचना सभी राशन कार्डधारकों को पहुंचाने के लिए कार्यवाही करेंगे।

23. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश के 92 प्रतिशत घरों में रसोई गैस की सुविधा है। **“भारत सरकार की उज्ज्वला योजना”** के अन्तर्गत पात्र घरों को रसोई गैस की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। मुझे घोषणा करने में हर्ष हो रहा है कि महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से हम नई **“हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना”** आरम्भ कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, गृहिणी एक साधारण सा शब्द है पर इसका अर्थ बहुत गहरा है। **“सारा गृह जिसका ऋणी है,**

वही गृहिणी' है। इस योजना से महिलाओं को रसोई के लिए ईंधन की लकड़ी इकट्ठा करने से छुटकारा मिलेगा। अतः इस योजना में बचे हुए उन परिवारों की गृहिणियों को जो **"उज्वला"** योजना में शामिल नहीं है को रसाई गैस सिलेंडरों की जमा राशि तथा गैस चूल्हा के लिए आर्थिक मदद प्रदान करेंगे जिससे हिमाचल के सभी परिवारों के पास अगले दो वर्षों में रसोई गैस की सुविधा हो सके। अध्यक्ष महोदय, हिमाचल देश का **पहला राज्य** बनेगा जो प्रदेश के सभी परिवारों को यह सुविधा प्रदान करवाएगा। इस योजना के लिए मैं 2018-19 के लिए 12 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय,

**"मैं नन्हा सा दिया हूँ जलता रहुँगा द्वार पर,
आप अन्धकार को दो चुनौती मेरे ऐतबार पर।।"**

24. अध्यक्ष महोदय, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अन्तर्गत सरकार द्वारा बहुत से नियन्त्रण आदेश जारी किए गए थे। अब देश ने खाद्य सुरक्षा प्राप्त कर ली है तथा आवश्यक वस्तुएं बाजार में तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हैं। ज्यादातर नियन्त्रण आदेश अप्रासांगिक हो गए हैं तथा इनसे "इन्स्पेक्टर राज" को बल मिलता है। बजट पूर्व चर्चा में भी व्यापारी संगठनों ने इसे हटाने का आग्रह किया था। मैं हिमाचल प्रदेश Hoarding & Prevention Order के अन्तर्गत मूल्य तथा लाभ प्रतिशत निर्धारित करने के प्रावधानों को समाप्त करना प्रस्तावित करता हूँ क्योंकि ऐसे नियम अन्य राज्यों में नहीं है। मैं यह भी प्रस्तावित करता हूँ कि अन्य नियन्त्रण आदेशों को अभी abeyance में रखा जाएगा, केवल खाद्यान्नों की कमी होने पर ही इन्हें पुनः लागू किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं यहाँ प्रसिद्ध हिन्दी कवि दुष्यन्त को उद्धृत करना चाहूँगा:

**"सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।"**

25. अध्यक्ष महोदय, बागवानी का प्रदेश की अर्थव्यवस्था एवं लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण स्थान है। हम उत्पादन वृद्धि पर आवश्यक बल देते हुए बागवानी में सतत वृद्धि को सुनिश्चित करेंगे। विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित **“बागवानी विकास परियोजना”** जो ₹ 1,134 करोड़ की लागत से चल रही है के अंतर्गत वर्ष 2018–19 में लगभग ₹ 100 करोड़ की लागत से निम्नलिखित कार्य किए जाएंगे।

- 2,600 सेब के बगीचों में कौलौनल रूट स्टॉक पर उच्च पैदावार किस्मों का कल्मीकरण।
- उष्ण कटिबंधीय फल जैसे आम, लीची, अमरूद एवं नींबू प्रजाति के फलों के बगीचों को 400 हैक्टेयर में समूह के आधार पर लगाना।
- न्यूज़ीलैंड के विशेषज्ञों द्वारा विभाग के तकनीकी कर्मचारियों को Canopy and Floor Management में प्रशिक्षण प्रदान करना।
- अंगीकृत कृषकों को छंटाई, पोषण एवं फ्लोर प्रबन्धन में प्रशिक्षण।
- 3.70 लाख अधिक पैदावार वाली सेब किस्मों का कौलौनल रूट स्टॉक का आयात।
- शिलारू तथा पालमपुर में दो श्रेष्ठ केन्द्र स्थापित करना।
- सभी समूहों में सिंचाई की व्यवस्था।
- CA शीतभण्डारण केन्द्र, ग्रेडिंग तथा पैकिंग घरों का निर्माण तथा मार्केट यार्डों का विकास।

26. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश की दो तिहाई जनसंख्या कृषि तथा बागवानी क्षेत्र में कार्यरत है। माननीय प्रधानमन्त्री ने उद्घोषणा

की है कि वर्ष 2022 तक कृषकों की आय दोगुनी करनी है। हम पूर्ण निष्ठा के साथ खेती/बागवानी आर्थिकी को निम्नलिखित प्रयासों से परिवर्तित करेंगे।

27. 1. सिंचाई पर बल:—अध्यक्ष महोदय, सिंचाई कृषि से आय बढ़ाने का प्रमुख माध्यम है। सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा हिमाचल प्रदेश में कई सिंचाई योजनाएं बनाई गई हैं। परन्तु कमान्द क्षेत्र का विकास न होने के कारण पानी सभी खेतों तक नहीं पहुँच पाया है। अभी 1.30 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कमान्द विकास किया जाना शेष है। इस कार्य के लिए ₹ 500 करोड़ के निवेश की आवश्यकता है। अतः हम आगामी 5 वर्षों में शेष बचे हुए क्षेत्र में field Channels के माध्यम से अन्तिम खेत तक पानी पहुँचाएंगे। मैं इसके लिए 2018-19 में ₹130 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

“प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना” (PMKSY) के अन्तर्गत आगामी 3 वित्तीय वर्षों में 17881 हेक्टेयर क्षेत्र में ₹338 करोड़ की लागत से 111 लघु सिंचाई योजनाओं के लिए एक नई इकाई मंजूर की गई है। मुझे यह सूचित करने में हर्ष हो रहा है कि केन्द्रीय सहायता की पहली किस्त के ₹49 करोड़ प्राप्त हो गए हैं। मैं लघु सिंचाई योजनाओं के अंतर्गत 2018-19 में ₹ 277 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मध्यम सिंचाई योजना का नादौन क्षेत्र एवं फिन्नासिंह का काँगड़ा में क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन दोनों परियोजनाओं के लिए मैं ₹ 85 करोड़ का बजट प्रस्तावित करता हूँ।

मैं Efficient Irrigation through Micro Irrigation System योजना के तहत 2018-19 में ₹15 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। मैं बोरवेल निर्माण हेतु 2018-19 में ₹ 10 करोड़ का बजट का प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। मुझे माननीय सदस्यों को बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारी सरकार सिंचाई के लिए एक नई योजना **“जल से कृषि को बल”** शुरू करेगी जिसमें आगामी 5 वर्षों में ₹ 250

करोड़ खर्च किए जाएंगे। इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश में चेक डैम एवं तालाबों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त हम एक और नई “Flow Irrigation Scheme” भी प्रारम्भ करेंगे जिसमें आगामी 5 वर्षों में ₹150 करोड़ का व्यय प्रस्तावित है। इस योजना के अन्तर्गत कूहल के स्रोत का नवीनीकरण तथा सामुदायिक क्षेत्रों में कूहल को सुदृढ़ करने का कार्य किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, उपरोक्त के अतिरिक्त मैं 5 वर्षों के लिए ₹ 200 करोड़ की लागत से नई **“सौर सिंचाई योजना”** को शुरू करने की भी घोषणा करता हूँ। इस योजना के अन्तर्गत सौर पम्पों से सिंचाई हेतु जल को उठाया जाएगा तथा आवश्यक अधोसंरचना भी स्थापित की जाएगी।

अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरी आशा है कि इन तीन नई सिंचाई योजनाओं व कमान्द क्षेत्र के विकास से किसानों/बागवानों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

अध्यक्ष महोदय यहाँ मैं कहना चाहूँगा:

**“मेहनत अच्छी हो तो रंग लाती है,
मेहनत गहरी हो तो सबको भाती है।
मेहनत हिमाचली किसान करें,
तो इतिहास बनाती है।।”**

28. 2. “उत्पाद की लागत को कम करने पर बल”:— वर्ष 2018-19 में सभी कृषकों को पोषकों के संतुलित उपयोग के लिए “Soil Health Card Scheme” के अन्तर्गत लाया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश की जलवायु गैर-मौसमी सब्जियों के लिए उपयुक्त है। प्रदेश सरकार किसानों को उच्च उत्पादकता वाले बीज वितरित करेगी। अच्छी किस्म वाले अनाज के बीज भी उपदान पर वितरित किए जाएंगे। इसी प्रकार बागवानी विभाग द्वारा बागवानों को अच्छी किस्म की पौध अनुदान पर दी जाएगी।

मैं हर्ष के साथ घोषणा करता हूँ कि कृषकों को सिंचाई के लिए बिजली की वर्तमान दर ₹ 1 प्रति युनिट से घटाकर 75 पैसे प्रति युनिट की जाएगी, इससे लाखों किसान लाभान्वित होंगे।

अध्यक्ष महोदय, वर्तमान में सेब, अन्य फल तथा सब्जियों पर H.P. Certain Goods Carried by Roads कर लगाया जाता है। यह कर आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा ट्रकों/बागवानों से बैरियर पर वसूला जाता है। इससे यातायात भी अवरूद्ध होता है तथा बागवानों पर कर बोझ भी पड़ता है। मैं हर्ष के साथ घोषणा करता हूँ कि 2018-19 से सेब, अन्य फलों तथा सब्जियों को H.P. Certain Goods Carried by Roads कर से पूर्ण रूप से छूट दी जाएगी। इससे प्रदेश के लाखों बागवान लाभान्वित होंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं यहाँ गौतम बुद्ध को उद्धृत करना चाहता हूँ:

**“मैं कभी नहीं देखता कि क्या किया जा चुका है,
मैं हमेशा देखता हूँ कि क्या किया जाना बाकी है।”**

29. अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के लगभग 39,790 कृषकों ने 21,473 हैक्टेयर क्षेत्र में जैविक कृषि को अंगीकृत किया है।

अब, हमारी सरकार **“जीरो बजट प्राकृतिक कृषि”** को प्रोत्साहित करेगी जिससे फसलों की लागत को कम किया जा सके। हम महामहिम राज्यपाल महोदय का इस विषय पर हमारा मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद करना चाहते हैं। प्रदेश के मन्त्रियों एवं अधिकारियों के एक दल ने कुरुक्षेत्र स्थित गुरुकुल जा कर प्राकृतिक कृषि प्रणाली समझने का काम किया। सभी इस बात से सहमत थे कि कृषि/बागवानी में लागत कम करने एवं लोगों तक स्वस्थ भोजन पहुँचाने का यह सर्वोत्तम तरीका है। हम जैविक खेती एवं **“जीरो बजट”** प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहन देने के लिए निम्नलिखित पग उठाएंगे:—

1. कृषकों तथा कृषि, बागवानी तथा पशुपालन विभाग के विस्तार अधिकारियों को इस नई प्रणाली में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रणाली के बारे में विस्तृत जागरूकता कार्यक्रम प्रारम्भ किए जाएंगे।

2. विश्वविद्यालयों द्वारा इसके लिए Package of Practices तैयार किए जाएंगे।
3. रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग को हतोत्साहित किया जाएगा।
4. कृषि एवं बागवानी विभाग को जो बजट कीटनाशक दवाईयों के लिए दिया जाता है, उसे अब जैविक कीटनाशकों के लिए उपयोग किया जाएगा।
5. देसी गाय की नस्ल सुधार व संवर्धन के लिए नीति बनाकर उसे कार्यान्वित किया जाएगा।
6. सरकार द्वारा जैविक उत्पादों के विपणन तथा प्रमाणीकरण को प्रोत्साहित किया जाएगा।
7. जैविक खेती के प्रोत्साहन हेतु तथा जैविक कीटनाशक संयन्त्र की स्थापना के लिए 50 प्रतिशत निवेश उपदान दिया जाएगा।
8. मुझे यह जानकारी देते हुए हर्ष हो रहा है कि हम एक नई योजना **“प्राकृतिक खेती, खुशहाल किसान”** प्रारम्भ करेंगे, जिसके अन्तर्गत कृषकों को आवश्यक प्रशिक्षण, जरूरी उपकरण तथा जैविक कीटनाशक उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए मैं 2018–19 में ₹ 25 करोड़ का बजट प्रावधान करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मैं हर्ष के साथ घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त एकीकृत कदमों के द्वारा हम आगामी 5 वर्षों में हिमाचल को **“जैविक कृषि”** राज्य बनाने की परिकल्पना को साकार करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूँ कि :

**“सफलता एक दिन में नहीं मिलती,
मगर ठान लो तो एक दिन जरूर मिलती है।।”**

30. **3. "विस्तार कार्यों पर बल":**—अध्यक्ष महोदय, खरीफ़ एवं रबी की बिजाई के पहले पूरे राज्य के सभी ब्लॉकों में तथा उसके पश्चात् उपयुक्त समय पर **"कृषक मेले"** आयोजित किए जाएंगे। इन मेलों में बैंक व विभाग के कर्मचारी भाग लेंगे जिससे कृषकों को कृषि सम्बन्धी तकनीकी जानकारी तथा ऋण सम्बन्धी जानकारी एक ही समय में मिल सके।

31. पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग, पशुपालन सहायता, प्रजनन सुधार, टीकाकरण तथा विस्तार गतिविधियों जैसी नियमित सेवाओं के अतिरिक्त 2018-19 में कई अन्य क्षेत्रों में भी पहल करेगा। हम राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के अन्तर्गत दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य, पोषण तथा उत्पादक स्थिति का ध्यान रखने हेतु लगभग 7.78 लाख **"नकुल स्वास्थ्य पत्र"** जारी करेंगे।

32. **4. "तकनीकी सुधार पर बल":**—सुरक्षित खेती को बढ़ाने के लिए पॉली हाउस के निर्माण हेतु **"वाई0एस0 परमार किसान स्वरोगार योजना"** में 2018-19 के लिए ₹ 23 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

Mukhya Mantri Green House Renovation Scheme के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त पॉलीशीट्स बदलने पर 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। अब मैं इसे बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने की सहर्ष घोषणा करता हूँ।

33. मजदूरों की कमी के कारण कृषि का यन्त्रीकरण समय की माँग है। ऊँचे दाम के कारण बहुत से कृषक ट्रैक्टर, पॉवर वीडर, पॉवर टिलर जैसे उपकरण नहीं खरीद पा रहे हैं। इसके लिए प्रदेश में **"कृषि उपकरण सुविधा केन्द्र"** स्थापित किए जाएंगे, जिनमें किसान/बागवान किराए पर उपकरण प्राप्त कर सकेंगे। इन केन्द्रों की स्थापना के लिए हिमाचल के किसानों/युवा उद्यमियों को ₹ 25 लाख की राशि तक की मशीनरी पर 40 प्रतिशत उपदान दिया जाएगा।

मैं 2018–19 में बागवानी विभाग को कृषकों को पॉवर स्प्रेयर, पॉवर टिलर उपदान पर देने के लिए ₹ 12 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। मैं कृषि विभाग को कृषकों की पॉवर वीडर तथा पॉवर टिलर की भारी माँग को पूरा करने के लिए ₹ 20 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। इसके अतिरिक्त ₹ 29 करोड़ के बजट प्रावधान से National Mission for Extension and Technology के अन्तर्गत कृषकों को कृषि यन्त्र भी दिए जाएंगे।

34. ओलावृष्टि से बागवानी फसलों को बचाने के लिए 30 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में संरक्षित खेती के लिए “Anti Hailnet” प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 2017–18 में “Anti Hailnet” पर उपदान प्रदान करने के लिए केवल ₹ 2.27 करोड़ का प्रावधान था। मैं इसे बढ़ाकर 2018–19 में ₹ 10 करोड़ प्रस्तावित करता हूँ।

35. अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने, पिछले कार्यकाल में एन्टी हेलगन लगाने का कार्य शुरू किया था। उसकी सफलता को देखते हुए अब बागवानों ने बहुत सी जगह पर स्वयं एन्टी हेलगन लगाई है। अतः अब मुझे यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि भविष्य में सरकार बागवानों को नई **“बागवानी सुरक्षा योजना”** के अन्तर्गत एन्टी हेलगन लगाने के लिए 60 प्रतिशत उपदान प्रदान करेगी। इसके लिए मैं ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

36. कृषि में बन्दरों, जंगली जानवरों व बेसहारा पशुओं की समस्या से निपटने हेतु **“मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना”** के अन्तर्गत सौर बाड़ लगाई जा रही है। इसकी अब बहुत अधिक मांग आ रही है। यदि आस-पास के किसान मिलकर इसे लगाएं तो इस पर लागत कम आती है। अतः मैं यह घोषणा करता हूँ कि यदि तीन या इससे अधिक किसान सामूहिक तौर पर सोलर बाड़ लगाने का प्रस्ताव देते हैं तो सरकार इस पर 85 प्रतिशत अनुदान प्रदान करेगी। इस योजना के लिए मैं ₹ 35 करोड़ का बजट प्रस्तावित करता हूँ।

37. 5. **“कटाई/तुड़ाई उपरान्त प्रबन्धन पर बल”**: राज्य सरकार द्वारा विश्व बैंक **“बागवानी विकास योजना”** के अन्तर्गत विभिन्न सी0ए0 केन्द्रों तथा ग्रेडिंग एवं पैकिंग घरों का निर्माण/उन्नयन किया जाएगा। हम बागवानों एवं सब्जी उत्पादकों को 50 प्रतिशत उपदान पर प्लास्टिक क्रेट उपलब्ध करवाएंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में, कृषकों की आय को दोगुना करने तथा रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए भारत सरकार ने **“प्रधानमन्त्री कृषि सम्पदा योजना”** आरम्भ की है। इस योजना में एकीकृत शीत भण्डारण, खाद्यान्न प्रसंस्करण (Processing) तथा संरक्षण क्षमताओं को बढ़ाने तथा कृषि प्रसंस्करण (Processing) समूह की अधोसंरचना के विकास का कार्य किया जाएगा। इस योजना में ₹ 5 करोड़ तक के खाद्यान्न प्रसंस्करण (Processing) तथा ₹ 10 करोड़ तक के शीत भण्डारण में Plant and Machinery पर 50 प्रतिशत उपदान दिया जाएगा।

राज्य सरकार विभिन्न संस्थाओं से प्रस्ताव आमन्त्रित करेगी जो वर्ष 2018–19 में भारत सरकार से इस योजना में सहायता लेगी। इन उद्योगों के लिए राज्य सरकार औद्योगिक भूमि को सामान्य से 50 प्रतिशत कम की दर पर आवंटित करेगी।

राज्य सरकार ने खाद्यान्न विधायन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए State Mission on food processing को प्रारम्भ किया है। इस योजना के लिए मैं ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। प्रदेश सरकार खाद्यान्न विधायन से जुड़े उद्योगों को Potato Chips का उद्योग काँगड़ा व कुल्लू जिले में स्थापित करने के लिए आमन्त्रित करेगी।

प्रदेश में कटाई उपरान्त Processing अधोसंरचना के निर्माण के लिए राज्य सरकार, सरकारी भूमि को 1 प्रतिशत की दर से पट्टे पर देगी। ऐसे उद्यमी जो निजी भूमि पर उपरोक्त कार्य करना चाहते हैं, उन्हें मात्र 3 प्रतिशत स्टैम्प ड्यूटी देय होगी। इस कदम से राज्य में कृषि उत्पादों के विपणन में मदद मिलेगी।

38. 6. "फसल विविधिकरण पर बल":—कृषकों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार फल एवं सब्जी उत्पादन के अन्तर्गत अतिरिक्त क्षेत्र लाएगी। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के 5 जिलों में ₹ 300 करोड़ की लागत से JICA फसल विविधिकरण योजना लागू की जा रही है। मुझे यह घोषणा करने में हर्ष का अनुभव हो रहा है कि ₹ 1,000 करोड़ की लागत से इस योजना के द्वितीय चरण को, वित्त मन्त्रालय द्वारा संस्तुति कर दी है। इसके अन्तर्गत प्रदेश के सभी जिलों को शामिल किया जाएगा।

39. सरकार द्वारा प्रदेश के निम्न ऊँचाई वाले क्षेत्रों में आम, लीची, अमरूद, नींबू, पपीता, सपोटा, अनार, परसीमन तथा किवी फलों की बेहतर खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

40. राज्य में उच्च मूल्य वाले फूलों की संरक्षित खेती की बहुत सम्भावना है जो कि पारम्परिक खेती की तुलना में उत्पादकों को अधिक मूल्य देती है। मैं उच्च मूल्य वाले फूलों की संरक्षित खेती को बढ़ावा देने के लिए **"हिमाचल पुष्प क्रान्ति योजना"** का शुभारम्भ करने की घोषणा करता हूँ। इस योजना के अन्तर्गत पुष्प उत्पादन के लिए उच्च तकनीक वाले पॉलीहाऊस, किसानों को प्रशिक्षण और अन्य साधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके फलस्वरूप प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे तथा हिमाचल एक पुष्प राज्य के रूप में विकसित होगा। मैं वर्ष 2018-19 में इस योजना के लिए ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। हम निजी क्षेत्र को भी पुष्प विपणन क्षेत्र में सहभागिता के लिए तथा कृषि सम्पदा योजना के अन्तर्गत CA कोल्ड चेन स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, पुष्प उत्पादक हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों द्वारा बाजार में अपने फूलों के पैकेट भेजते हैं। राज्य सरकार फूलों की खेती हेतु, फूलों के परिवहन के लिए माल भाड़े के शुल्क को 25 प्रतिशत तक कम करने के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम को निर्देशित करेगी जिससे फूल उत्पादक लाभान्वित होंगे।

41. 7. "जोखिम कम करने पर बल":—कृषकों को प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा दिलाने की दृष्टि से "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना" के अंतर्गत सभी फसलों को, "मौसम आधारित बीमा योजना" के अंतर्गत सभी फलों व क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाएगा। मैं "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना" तथा "मौसम आधारित बीमा योजना" के लिए ₹ 29 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। इन योजनाओं से विभिन्न आपदाओं में कृषकों का जोखिम कम करने में मदद मिलेगी।

42. 8. "बेहतर मूल्य प्राप्ति पर बल":—राज्य सरकार ने किसानों को अच्छे पारिश्रमिक दिलाने के लिए 59 मार्केट यार्डों का निर्माण किया है। विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत राज्य में नई मण्डियों का उन्नयन करने एवं खोलने हेतु ₹ 150 करोड़ का उपयोग किया जाएगा। मार्केट यार्डों को राष्ट्रीय कृषि बाजार से साथ जोड़ा जाएगा ताकि कृषकों को बेहतर मूल्य मिल सके। सब्जी एकत्रीकरण केन्द्रों को सुदृढ़ किया जाएगा तथा उन्हें ग्रामीण कृषि बाजार में परिवर्तित किया जाएगा।

मुझे यह सूचित करने में हर्ष हो रहा है कि राज्य सरकार "Himachal Pradesh Agriculture Produce and Livestock Marketing (Promotion and Facilitation Bill) 2018" लाएगी जिससे ई-कृषि, विपणन, पशु-धन विपणन तथा कृषि उत्पादों के सीधे विपणन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

43. 9. "आय विविधिकरण पर बल":—जन-जातीय भेड़ पालकों की आर्थिकी में सुधार करने के लिए 60 प्रतिशत उपदान के साथ 1,000 प्रजनन भेड़ें दी जाएगी। हम "कृषक बकरी पालन योजना" के अन्तर्गत 60 प्रतिशत अनुदान के साथ 11 बकरियों की एक ईकाई प्रदान करेंगे जिसमें हिमालयन प्रजाति का एक बकरा भी होगा।

मैं, 5,000 ब्रॉयलर योजना में मुर्गीपालन संवर्धन योजना के लिए 60 प्रतिशत उपदान पर 50 नई इकाईयाँ भी स्थापित करना प्रस्तावित करता हूँ।

44. हमारी सरकार प्रदेश में श्वेत क्रान्ति लाने के लिए तथा दुग्ध सहकारी संघों को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सहकारी दुग्ध संघ ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मैं इन सहकारी दुग्ध संघों को प्रोत्साहित करने के लिए इनके द्वारा दुग्ध एकत्रीकरण एवं वितरण की प्रतिपूर्ति हेतु ₹1 प्रति-लीटर की दर से भाड़ा उपदान देने की भी घोषणा करता हूँ। यह भाड़ा उपदान प्रदेश में सहकारी दुग्ध संघों को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादक सहकारी संघों द्वारा स्थापित किए जाने वाली दुग्ध विधायन व अभिशीतन इकाईयों पर 75 प्रतिशत उपदान भी देगी।

हिमाचल प्रदेश मिल्कफैड इस वर्ष लगभग 245 लाख लीटर दूध एकत्रित करेगा। मैं सहर्ष दूध खरीद मूल्य को ₹1 प्रति-लीटर बढ़ाने की घोषणा करता हूँ। मिल्कफैड को 2018-19 में ₹17 करोड़ का सहायता अनुदान दिया जाएगा।

45. अध्यक्ष महोदय, प्रदेश सरकार "उत्तम चारा उत्पादन योजना" के अन्तर्गत 50 प्रतिशत उपदान पर कृषकों को उन्नत प्रकार के चारा, बीज व भूसा काटने की मशीनें देगी। इस योजना में अजोला घास को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। मैं वर्ष 2018-19 में इस पर ₹ 7 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

46. अध्यक्ष महोदय, दुग्ध उत्पादन किसानों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार भी प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार बढ़ाने तथा दुग्ध उत्पादों का प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य दिलाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा **"डेरी उद्यमी विकास योजना"** प्रारम्भ की गई है जिसमें 25 प्रतिशत नाबार्ड उपदान, 25 प्रतिशत किसान का योगदान तथा बैंकों द्वारा 50 प्रतिशत ऋण दिया जाता है। इस योजना को प्रदेश में बढ़ावा देने हेतु प्रदेश सरकार 10 प्रतिशत अतिरिक्त उपदान प्रदान करेगी जिससे ऋण केवल 40 प्रतिशत ही रह जाएगा। अच्छी नस्ल की देसी गाय खरीदने पर अतिरिक्त उपदान 20 प्रतिशत दिया जाएगा जिससे उनका ऋण केवल 30 प्रतिशत रह जाएगा।

47. पशुपालन विभाग अनुसूचित जाति व अनुसूचित जन-जाति के परिवारों को 50 प्रतिशत उपदान पर दुधारू पशुओं के लिए पशु आहार प्रदान करता है। मुझे यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि प्रदेश में पहली बार इस योजना को सामान्य वर्ग के बी0पी0एल0 परिवारों के लिए भी लागू किया जाएगा। अच्छी नस्ल की देसी गाय को पालने वाले बी0पी0एल0 परिवारों को यह सहायता प्रदान की जाएगी। इन कदमों से जीरो बजट प्राकृतिक कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा। इस उद्देश्य के लिए मैं ₹ 4 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

48. प्रदेश में विभिन्न किस्म का बी-फ्लोरा उपलब्ध होने से किसान लम्बे समय से मधुमक्खी पालन का व्यवसाय कर रहे हैं। बागवानी फसलों के परागण में मधुमक्खियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मधुमक्खी पालन को बड़े स्तर पर अपनाने के लिए तथा इसके आधुनिकीकरण के लिए मैं नई **“मुख्यमंत्री मधु विकास योजना”** को शुरू करने की घोषणा करता हूँ। इस योजना में 80 प्रतिशत उपदान दिया जाएगा। मैं इसके लिए ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

49. गुणवत्ता आधारित ऊन खरीद योजना काफी भेड़पालकों को लाभान्वित कर रही है। मैं सहर्ष ऊन खरीद मूल्य को 2018-19 के लिए 10 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा करता हूँ।

50. अध्यक्ष महोदय, कृषि व बागवानी विभाग उपदान वाली समान योजनाएं लागू कर रहे हैं जैसे कि ग्रीनहाऊस निर्माण, पॉलीहाऊस नवीनीकरण तथा कृषि/बागवानी यन्त्रीकरण इत्यादि। मैं इन योजनाओं में समान सहायता ढांचे तथा आपूर्तिकर्ताओं के चयन हेतु इन विभागों की संयुक्त समिति बनाना प्रस्तावित करता हूँ।

मत्स्य पालन

51. अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में जलाशय प्रबन्धन में मत्स्य बीज संग्रहण तथा प्रभावी संरक्षण पर जोर दिया जाएगा। हम 100 ट्राउट रेसवेज में 5 लाख ट्राउट बीज का भण्डारण करेंगे। प्रदेश में 11 नई ट्राउट हैचरियों तथा 100 ट्राउट इकाईयों की स्थापना की जाएगी।

मछुआरों को उत्पादों के उचित दाम सुनिश्चित करने हेतु मत्स्य बाजार सूचना प्रणाली को केन्द्रीय समुद्री मत्स्य संस्थान कोच्चि के सहयोग से लागू किया जाएगा।

मछुआरों को उचित दाम पर Fish Feed उपलब्ध कराने की दृष्टि से Fish Feed इकाई की स्थापना प्रोत्साहित की जाएगी। इसके लिए ऐसे उद्योगों को सरकारी भूमि 1 प्रतिशत पट्टे पर दी जाएगी तथा यदि इस उद्देश्य के लिए निजी भूमि क्रय की जाती है तो उस पर 6 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत की दर से स्टाम्प शुल्क वसूला जाएगा। साथ ही, यन्त्र तथा मशीनों पर 50 प्रतिशत की दर से निवेश उपदान दिया जाएगा।

52. अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार गौवंश के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु कृतसंकल्प है। सरकार की पहली मन्त्रीमण्डल बैठक में मन्त्रीमण्डल उप-समिति का गठन किया गया जो कि गौवंश संवर्धन के उपाय सुझाएगी। मैं सहर्ष घोषणा करता हूँ कि हिमाचल प्रदेश में **“गौ-सेवा आयोग”** का गठन किया जाएगा। यह आयोग गौवंश संरक्षण की उपयुक्त नीतियाँ तथा इसके विकास के कार्यक्रमों की अनुशंसा करेगा। प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए देसी गाय की नस्ल सुधार व इसके पालन के लिए विशेष प्रोत्साहन देगी। गोमूत्र आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 50 प्रतिशत निवेश अनुदान देगी।

गौवंश संरक्षण

53. अध्यक्ष महोदय, हम बेसहारा पशुओं को रखने व पोषण हेतु वर्तमान गौसदनों के सुदृढीकरण तथा नए सदनों को स्थापित करने के लिए स्थानीय लोगों, गैर-सरकारी संस्थाओं, पंचायतों, मन्दिर न्यासों तथा कल्याणकारी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी प्रोत्साहित करेंगे। मैं गौसदनों के निर्माण, रख-रखाव तथा परिचालन के लिए **“हिमाचल प्रदेश धार्मिक संस्थान तथा मंदिर न्यास अधिनियम”** में समुचित संशोधन प्रस्तावित करता हूँ ताकि चढ़ावे का कम से कम 15 प्रतिशत

इस उद्देश्य के लिए उपयोग हो सके। इससे लगभग ₹17 करोड़ प्रतिवर्ष गौवंश के विकास के लिए उपलब्ध होगा। मुझे यह घोषणा करते हुए भी प्रसन्नता है कि प्रदेश में बिकने वाली शराब पर प्रति बोतल ₹ 1 का गौवंश विकास Cess लगाया जाएगा उससे प्रतिवर्ष लगभग ₹ 8 करोड़ की प्राप्ति होगी। इससे मिलने वाली धनराशि का उपयोग भी गौशालाओं के रख-रखाव इत्यादि पर किया जाएगा। पशुओं के पंजीकरण व टैगिंग को सख्ती से लागू किया जाएगा ताकि बेसहारा पशुओं के मालिकों की पहचान हो सके।

गाँव की सार्वजनिक चरागाहों की पहचान की जाएगी ताकि गौसदनों के पंजीकृत पशुओं को बारी-बारी से वहाँ पर चराया जा सके। सरकार गौसदन स्थापित करने के लिए सरकारी भूमि ₹ 1 पट्टे पर देगी। इन पशुओं की स्वास्थ्य सम्बन्धी देखभाल उस क्षेत्र के पशुपालन विभाग के कर्मियों निशुल्क करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं घोषणा करता हूँ कि प्रदेश सरकार बेसहारा पशुओं को महिला मण्डलों द्वारा देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। महिला मण्डलों को इसके लिए समुचित अनुदान भी दिया जाएगा। प्रत्येक विकास खण्ड की एक सर्वोत्तम पंचायत, जहाँ शत-प्रतिशत पशु पंजीकृत हैं व उन पर टैगिंग कायम है, तथा जहाँ पशु मालिक, पशुओं को नहीं त्यागते हैं, को विकास कार्यों के लिए ₹ 10 लाख का पुरस्कार दिया जाएगा।

ग्रामीण विकास
तथा पंचायती राज

54. अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज संस्थाओं का सुदृढीकरण भारतीय जनता पार्टी सरकारों की सदैव प्राथमिकता रही है। मैं इस माननीय सदन को याद दिलाना चाहूँगा कि वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही थी जिसने महिलाओं को पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया था।

55. भारत सरकार ने हिमाचल प्रदेश को बाह्य शौच मुक्त राज्य घोषित किया है। अब हम ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस तथा तरल कचरा प्रबन्धन को लागू करने पर ध्यान देंगे। अब मनरेगा में बेहतर पानी

निकासी के लिए सड़क के साथ नालियों व मकानों के साथ छोटे पिट का निर्माण किया जाएगा। अगले पाँच सालों में मनरेगा तथा स्वच्छ भारत के संसाधनों के उपयोग से हम पूरे प्रदेश में ठोस तथा तरल कचरा प्रबन्धन की प्रभावी व्यवस्था स्थापित करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण क्षेत्रों में कागज, प्लास्टिक तथा धातु का कचरा खुले में फेंक दिया जाता है क्योंकि इसको एकत्रित करने का कोई प्रावधान नहीं है। मैं कचरा एकत्रित करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके पिकअप वाहन खरीद पर 33 प्रतिशत उपदान जिसकी उपरी सीमा ₹1.50 लाख होगी, देने की घोषणा करता हूँ।

56. मनरेगा के अन्तर्गत अकुशल कामगार को 100 दिनों का रोजगार दिया जाता है। प्रदेश में सूखे की स्थिति को देखते हुए मैं 2018-19 में रोजगार की संख्या को 100 दिनों से बढ़ाकर 120 दिन करने की घोषणा करता हूँ ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को अतिरिक्त रोजगार मिल सके। अतिरिक्त दिनों पर आए व्यय का वहन प्रदेश सरकार करेगी।

57. मैं स्वयं सहायता समूहों को और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उनके Revolving Fund को ₹ 25,000 से बढ़ाकर ₹ 40,000 करना प्रस्तावित करता हूँ।

58. अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री आवास योजना में ₹42 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ जिसके अन्तर्गत सामान्य श्रेणी के BPL परिवारों को आवास सहायता प्रदान की जाती है। प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं के कारण प्रायः लोगों के आवास पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। मैं सहर्ष घोषणा करता हूँ कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण क्षतिग्रस्त आवासों के पुनर्निर्माण हेतु धन राशि इस योजना के अन्तर्गत तुरन्त दी जाएगी। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना तथा कल्याण विभाग द्वारा भी आवास योजनाएं लागू कर रही है। मैं विभिन्न आवास योजनाओं के लिए 2018-19 में ₹ 150 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय,

**“उन घरों में जहां मिट्टी के घड़े रहते हैं,
कद में छोटे हों, मगर लोग बड़े रहते हैं।”**

59. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में हर पंचायत का अनूठा इतिहास है और उसमें प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने जन्म लिया है। मैं यह प्रस्तावित करता हूँ कि हर पंचायत में चरणवद्ध एक पंचायत **“ग्राम गौरव पट्ट”** लगाया जाएगा जिसमें उस पंचायत का इतिहास तथा वहाँ पैदा हुए प्रतिष्ठित व्यक्तियों का नाम/योगदान होगा। इन गौरव पट्टों का रख-रखाव स्थानीय पंचायतों द्वारा किया जाएगा।

मैं यह भी प्रस्तावित करता हूँ कि प्रदेश की प्रत्येक पंचायत में **“मोक्ष धाम”** चरणवद्ध तरीके से बनाए जाएंगे ताकि दिवंगत आत्माओं को गरिमा प्रदान की जा सके।

60. 13वें वित्तायोग ने जिला परिषद्, पंचायत समितियों तथा ग्राम पंचायतों को अनुदान आवंटित किया। परन्तु 14वें वित्तायोग ने जिला परिषद् तथा पंचायत समितियों का अनुदान बन्द कर दिया। मुझे घोषणा करने में प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2018-19 में प्रदेश सरकार द्वारा ₹ 45 करोड़ का अतिरिक्त बजट प्रदान किया जाएगा जिससे जिला परिषद् एवं पंचायत समिति के सदस्य अपने क्षेत्र में विकास कार्य कर सकें।

पाँचवें राज्य वित्तायोग ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि राज्य सरकार ने उसकी अनुशंसा स्वीकार कर ली है। आयोग की अनुशंसा अनुसार पंचायती राज संस्थाओं को ₹ 194 करोड़ 2018-19 में हस्तान्तरित किए जाएंगे।

61. अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज प्रतिनिधियों को दी गई जिम्मेदारियों बारे मेरी सरकार पूरी तरह से सजग है। अतः मैं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा करता हूँ।

जिला परिषद् अध्यक्ष के मानदेय को ₹ 8,000 से बढ़ाकर ₹ 11,000 उपाध्यक्ष का ₹ 6,000 से बढ़ाकर ₹ 7,500 तथा जिला परिषद् सदस्य का ₹ 3,500 से बढ़ाकर ₹ 4,000 प्रतिमाह किया जाएगा। पंचायत समिति के अध्यक्ष का मानदेय ₹ 5,000 से बढ़ाकर ₹ 6,500, उपाध्यक्ष का ₹ 3,500 से बढ़ाकर ₹ 4,500 तथा सदस्य का ₹ 3,000 से बढ़ाकर ₹ 3,500 प्रतिमाह किया जाएगा। ग्राम पंचायत के प्रधान का मानदेय ₹ 3,000 से बढ़ाकर ₹ 4,000 तथा उप प्रधान का ₹ 2,200 से बढ़ाकर ₹ 2,500 प्रतिमाह किया जाएगा। बैठक में भाग लेने आए सदस्यों का प्रति बैठक भत्ता ₹ 240 किया जाएगा। इस वृद्धि से पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को प्रतिवर्ष ₹45 करोड़ मानदेय के रूप में प्राप्त होंगे।

62. मैं वर्ष 2018–19 में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के लिए ₹1,894 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

63. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रफल का 66.5 प्रतिशत क्षेत्र वन क्षेत्र वर्गीकृत है।

वन संरक्षण एवं वनों से रोजगार

हम राज्य CAMPA की निधि से अगले 3 वर्षों में 22 वन विहार/इको पार्क स्थापित करेंगे। प्रदेश में इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2018–19 में कम से कम 25 नए इको पर्यटन स्थान आवंटित किए जाएंगे।

प्रदेश के बड़े भू-भाग पर चीड़ के जंगल हैं जिनमें आग लगने की बहुत सम्भावनाएं रहती हैं। अतः इन वनों को आग से बचाने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा चीड़ पत्तियों पर आधारित उद्योगों को 50 प्रतिशत निवेश उपदान देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, प्रदेश सरकार अपनी आय बढ़ाने की दृष्टि से सभी वन उत्पादों तथा उखड़े पेड़ों के एकत्रीकरण व नीलामी के लिए एक नीति बनाएगी। मुझे यह बताते हुए भी खुशी है कि सर्वोच्च

न्यायालय ने पायलट आधार पर 3 फॉरेस्ट रेंजों में सिल्वीकल्चर एक्सट्रैक्शन (Silviculture extraction) की अनुमति दे दी है।

64. गत कुछ समय में वन माफिया द्वारा वन कर्मियों पर आक्रमण की घटनाएं हुई हैं। वन कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें उपयुक्त शस्त्र देने की योजना सरकार के विचाराधीन है तथा इसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा।

65. अधिकांश ग्रामीण वनों से जड़ी-बूटियाँ इत्यादि एकत्रित करते हैं जिससे उनको अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। इनको आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य से एक नई योजना **“वन समृद्धि, जन समृद्धि”** लाई जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य इन लोगों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध इस प्रकार के उत्पादों के एकत्रीकरण, प्रसंस्करण (Processing), मूल्य वृद्धि तथा विपणन में प्रशिक्षण प्रदान करना है।

66. अध्यक्ष महोदय, मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि 2018–19 में वन विभाग में 3 बाह्य सहायता प्राप्त योजनाएं लागू की जाएंगी। JICA द्वारा वित्तपोषित ₹ 800 करोड़ की लागत वाली HP Forest Eco System Management & Livelihood Improvement परियोजना जिसमें लोगों की आजीविका आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। ₹ 665 करोड़ की लागत वाली विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित “Integrated Development Project for Source Sustainability & Climate Resilient Rainfed Agriculture” जिसमें कृषि आय बढ़ाने के लिए जल स्रोतों को विकसित किया जाएगा। “HP Forest for Prosperity” जिसके अन्तर्गत ईंधन लकड़ी का वृक्षारोपण तथा वन उत्पादों से आय वृद्धि के स्रोत बढ़ाए जाएंगे।

अगले वित्तीय वर्ष में बाह्य सहायता प्राप्त योजनाओं के लिए ₹ 125 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

67. अध्यक्ष महोदय, मेरा यह मानना है कि वनों के संरक्षण तथा विकास में स्थानीय भागीदारी अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। हम युवक मण्डलों

तथा महिला मण्डलों की भागीदारी सुदृढ़ करने के लिए उन्हें वन क्षेत्रों में उपयोगी वृक्षों के वृक्षारोपण के लिए भूखण्ड आवंटित करेंगे। इसके लिए मैं एक नई योजना **“सामुदायिक वन संवर्धन योजना”** प्रस्तावित करता हूँ। इसी प्रकार वन भूखण्डों को वृक्षारोपण के लिए स्कूलों को दिया जाएगा जिसके लिए मैं एक नई **“विद्यार्थी वन मित्र योजना”** प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय मैं यहाँ कहना चाहता हूँ:

**“इक पेड़ ऐसा मोहब्बत का लगाया जाए,
जिसका पड़ोसी के आँगन में भी साया जाए।”**

मैं वन विभाग के लिए वर्ष 2018-19 में ₹ 651 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

68. हमारी सरकार राज्य में पर्यावरण प्रबन्धन सुविधा के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड की एक नई प्रयोगशाला सुन्दरनगर में भी स्थापित करेगी।

पर्यावरण विज्ञान
एवं प्रौद्योगिकी

हिमाचल प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, स्वास्थ्य विभाग को बायो मैडिकल कचरा शोधन संयन्त्र लगाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। बोर्ड जनता को प्रदूषण स्तर के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रदेश के 12 स्थानों पर इलेक्ट्रॉनिक डिसप्ले स्क्रीन भी लगाएगा। हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड शहरी ठोस कचरा प्रबन्धन के लिए 10 शहरी स्थानीय निकायों को तकनीकी उपाय भी सुझाएगा।

69. अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार सन्तुलित आर्थिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करेगी। राज्य में संचालित उद्योगों का पर्यावरण ऑडिट करवाया जाएगा ताकि पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सके। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत 2 जिलों में जलवायु परिवर्तन की संवेदनशीलता को कम

करने हेतु ज्ञानवर्धक योजना भी बनाएंगे। ब्यास नदी बेसिन में स्थित कुल्लू, मण्डी, हमीरपुर तथा काँगड़ा की 1,200 पंचायतों के लगभग 7,000 गाँवों में जलवायु परिवर्तन की संवेदनशीलता का आकलन भी करेंगे।

सरकार द्वारा आर्यभट्ट जियो इन्फॉर्मेटिक केन्द्र को वर्ष 2011 में प्रारम्भ किया था। हम इस केन्द्र के माध्यम से लोक प्रशासन व नागरिक सेवा को प्रभावशाली बनाने के लिए प्रथम चरण में लोक निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास एवं पर्यटन विभागों के लिए ऑनलाईन निगरानी प्रणाली विकसित करेंगे।

70. प्रदेश सरकार प्रदेश में विज्ञान ग्राम स्थापित करेगी। विज्ञान ग्राम में स्थानीय कृषकों तथा अन्य समूहों को प्रशिक्षण देकर उनका क्षमता विकास किया जाएगा, जिससे वे कम लागत की वैज्ञानिक, पहाड़ी तकनीकें अपना सकें। चम्बा, कुल्लू, मण्डी, शिमला तथा सिरमौर जिलों के एक-एक गाँव को इसके लिए चयनित किया जाएगा।

हमारी सरकार ने प्रदेश के युवा छात्र एवं छात्राओं में विज्ञान के प्रति रूची बढ़ाने के उद्देश्य से **“युवा विज्ञान पुरस्कार”** प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है। इसके अन्तर्गत राज्य शिक्षा बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं परीक्षाओं में विज्ञान संकाय में प्रथम 10 उत्कृष्ट छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

सहकारिता

71. अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार सहकारिता आन्दोलन द्वारा कृषकों को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि मण्डी तथा सोलन जिलों में “राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम” द्वारा “एकीकृत सहकारिता विकास परियोजना” के द्वितीय चरण का शुभारम्भ किया जाएगा।

शहरी विकास

72. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में कस्बे बहुत तेजी से विकसित हो रहे हैं जिससे इन क्षेत्रों में जन सेवाओं की आवश्यकता में भी वृद्धि हो रही है। शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं बढ़ाने के लिए

केन्द्र द्वारा प्रायोजित कई महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की जा रही हैं जैसे कि स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत (Atal Mission for rejuvenation & Urban Transformation) प्रधानमंत्री आवास योजना—सभी को घर (PMAY-HFA), दीन दयाल अन्त्योदय—राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) तथा स्वच्छ भारत मिशन (SBM)।

अध्यक्ष महोदय, यह हर्ष का विशय है कि भारत सरकार ने मई, 2016 में धर्मशाला तथा जून, 2017 में शिमला को **“स्मार्ट सिटी मिशन”** के अन्तर्गत चयनित किया है। भारत सरकार ने धर्मशाला **“स्मार्ट सिटी मिशन”** के लिए ₹2,110 करोड़ के प्रोजेक्ट स्वीकृत किए हैं जिसमें से ₹190 करोड़ पहली किस्त के रूप में प्राप्त हो चुके हैं। इस मिशन के अन्तर्गत शहरी जल आपूर्ति, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग, सीवरेज मैनेजमेंट इत्यादि की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसी प्रकार शिमला स्मार्ट सिटी के लिए भी ₹ 2,905 करोड़ के प्रोजेक्ट का अनुमोदन केन्द्र सरकार से प्राप्त हो चुका है। प्रदेश सरकार ने पहली किस्त के लिए प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेज दिया है जिसकी राशि शीघ्र ही प्राप्त होने की उम्मीद है।

अध्यक्ष महोदय, शहरी स्थानीय निकायों में सफाई व उत्तम जनसेवाएं प्रदान करने हेतु प्रतिस्पर्धा प्रोत्साहित करना आवश्यक है। सफाई तथा जनसेवाओं में बेहतर सेवा प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकायों को नई **“श्रेष्ठ शहर योजना”** के अन्तर्गत पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अन्तर्गत सर्वश्रेष्ठ नगर परिषद को ₹ 1 करोड़ का तथा नगर पंचायत को ₹ 75 लाख का पुरस्कार देने की घोषणा करता हूँ।

बद्दी, मण्डी, धर्मशाला, काँगडा तथा मनाली में क्लस्टर आधार पर ठोस कचरा संयन्त्र लगाए जाएंगे।

शहरी सुशासन सुधार के लिए प्रदेश के सभी 54 शहरी स्थानीय निकायों में लोगों के गृह निर्माण प्रस्तावों के अनुमोदन के लिए ऑनलाईन गृहनिर्माण प्रस्ताव अनुमोदन प्रणाली लागू की जाएगी।

पार्क शहरी क्षेत्रों में नागरिकों के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक हैं। नगरपालिका क्षेत्रों में पार्क विकसित करने के लिए मैं शहरी निकायों को 60 प्रतिशत अनुदान देने की घोषणा करता हूँ। मैं इसके लिए ₹ 10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

यातायात की भीड़-भाड़ कम करने के लिए पार्किंग का निर्माण निजी जन सहभागिता (PPP) आधार पर किया जाएगा। पार्किंग के निर्माण के लिए हम शहरी स्थानीय निकायों को 50 प्रतिशत का अनुदान भी देंगे। इसके लिए मैं ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

5वें राज्य वित्तायोग की अनुशंसा अनुसार, 2018-19 में शहरी स्थानीय निकायों को राज्य सरकार द्वारा ₹ 122 करोड़ प्रदान किए जाएंगे।

73. शहरी स्थानीय निकायों के चुने हुए प्रतिनिधियों के विविध उत्तरदायित्वों के दृष्टिगत मैं नगर पंचायत अध्यक्ष का मानदेय ₹ 3,500 से बढ़ाकर ₹ 5,000, उपाध्यक्ष का ₹ 2,800 से बढ़ाकर ₹ 3,500 तथा सदस्यों का ₹ 1,500 से बढ़ाकर ₹ 2,000 प्रतिमाह करने की घोषणा करता हूँ। नगर परिषद के अध्यक्ष का मानदेय ₹ 4,000 से बढ़ाकर ₹ 6,000, उपाध्यक्ष का ₹ 3,500 से बढ़ाकर ₹ 5,000 तथा सदस्यों का ₹ 1,700 से बढ़ाकर ₹ 2,200 प्रतिमाह करने की घोषणा करता हूँ। शिमला व धर्मशाला के नगर निगम महापौर का मानदेय ₹ 8,000 से बढ़ाकर ₹ 11,000, उप-महापौर का ₹ 6,000 से बढ़ाकर ₹ 8,000 और पार्षदों का ₹ 4,000 से बढ़ाकर ₹ 5,000 प्रतिमाह करने की घोषणा करता हूँ।

मैं 2018-19 में शहरी विकास विभाग के लिए ₹ 487 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

नगर व
ग्राम नियोजन

74. अध्यक्ष महोदय, प्रदेश सरकार नगर व ग्राम नियोजन अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर आवासीय परिसरों, औद्योगिक क्षेत्रों तथा वाणिज्यिक विकास के लिए लैंड पूलिंग को प्रोत्साहित करेगी।

लैंड पूलिंग प्रणाली में भू-मालिक स्वेच्छा से स्वामित्व एक संस्था को हस्तान्तरित करते हैं। यह संस्था सड़क बनाकर व बिजली की सुविधा प्रदान कर भूमि विकसित करती है। यह करने के बाद, भूमि को उसके वास्तविक मालिक को वापिस कर दिया जाता है। क्योंकि भू-भाग पर अब अधिक सुविधाएं उपलब्ध होती हैं, इसका मूल्य मालिक के पहले वाले भू-भाग की तुलना में अधिक होता है। इस तरह बिना भू-अधिग्रहण के भी प्रदेश में विकास सम्भव है।

हम अभियन्ताओं व वास्तुकारों जैसे पेशेवरों की निर्देशिका बनाकर विभागीय वेबसाइट पर आम जनता की सुविधा हेतु डालेंगे ताकि वे अपने नक्शे योग्य एवं दक्ष अभियन्ताओं व वास्तुकारों से बनवा सकें।

75. अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में राजस्व रिकॉर्ड डिजिटाइज़ हो चुका है तथा अब और आगे बढ़ कर अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करने का समय है। विभाग द्वारा ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन के लिए “National Generic Document Registration System” शुरू किया जाएगा, जिससे प्रदेश के किसी भी राजस्व कार्यालय में रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध हो सके।

भू-प्रशासन

हमारी सरकार **“सरकारी भूमि”** मॉड्यूल का शुभारम्भ करेगी जिसमें जन उपयोग के लिए भूमि शीघ्रतापूर्वक उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

76. आपदा प्रबन्धन हमारे राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक तथा मानव जनित आपदाओं की सम्भावना रहती है। अगर प्रदेश में सूखे की स्थिति बनी रहती है तो हम प्रदेश आपदा प्रबन्धन निधि से पेयजल, चारा तथा किसानों के लिए खरीद उपदान देंगे। मैं 2018-19 में आपदा प्रबन्धन के लिए ₹ 273 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

77. अध्यक्ष महोदय, प्रदेश सरकार प्रदेश के सभी कुटुम्बों/घरों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है। 2011 की जनगणना अनुसार 43.5 प्रतिशत की राष्ट्रीय तुलना में प्रदेश में 89.5 प्रतिशत घरों में शुद्ध पेयजल पहुँच चुका है।

पेयजल

अध्यक्ष महोदय, वर्तमान में विभागीय जलापूर्ति Schemes से पेयजल निर्धारित समय के दौरान ही उपलब्ध करवाया जाता है। हम चयनित शहरों में पायलट आधार पर 24X7 जल उपलब्ध करवाने के लिए कदम उठाएंगे। वर्तमान में विभाग द्वारा 3,448 पेयजल तथा सिंचाई योजनाएं चलाई जा रही है। इन्हें दक्षतापूर्वक चलाने के लिए इनका चरणबद्ध रूप से ऑटोमेशन किया जाएगा। पेयजल योजनाओं के लिए मैं 2018-19 के लिए ₹ 275 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में शेष आंशिक रूप से बची बस्तियों में पेयजल प्रदान करने के उद्देश्य से एक परियोजना भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय को भेजी गई है। भारत सरकार ने अनुशंसा की है कि प्रथम चरण में इसे New Development Bank(BRICS) द्वारा 100 मिलियन डॉलर के लिए वित्तपोषित किया जाए। हमने 100 मिलियन डॉलर की लागत से 3,150 बस्तियों की जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 31 DPR बैंक को प्रस्तुत की हैं।

ऐसी 221 योजनाएं जिन में अब तक 75 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है को आगामी वर्ष में पूरा करना प्रस्तावित करता हूँ जिसके लिए ₹ 33 करोड़ का अतिरिक्त बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। इन योजनाओं से 2,040 बस्तियों के 2.76 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

78. इस माननीय सदन के सदस्य जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश में हैंडपम्प द्वारा पेयजल आपूर्ति को 1990 के प्रारम्भ में भाजपा सरकार ने ही लोकप्रिय बनाया था। अब तक कुल 36,901 हैंडपम्प लगाए जा चुके हैं। मैं इसके लिए 2018-19 में ₹ 20 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ कि व्यक्तिगत लाभार्थियों के लिए भी हैंडपम्प 75 प्रतिशत मूल्य पर लगवाए जाएंगे।

79. हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को सस्ती दरों पर पेयजल व सिंचाई सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए मैं जलापूर्ति व सिंचाई

योजनाओं के विद्युतभार वहन हेतु सिंचाई व जन स्वास्थ्य विभाग के लिए ₹ 500 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मैं सिंचाई व जन स्वास्थ्य विभाग के लिए कुल ₹ 2,572 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

80. अध्यक्ष महोदय, प्रदेश सरकार उद्योगों, बहुउद्देशीय परियोजनाओं तथा पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है क्योंकि ये विकास के इंजन हैं तथा रोजगार भी प्रदान करते हैं। लेकिन अभी निवेशकों को विभिन्न अनुमोदनों हेतु भटकना पड़ता है। हमारी सरकार हिमाचल प्रदेश में निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निम्नलिखित पग उठाएगी।

निवेश संवर्धन

- 1. पट्टे पर भूमि:**—अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में निवेश व रोजगार बढ़ाने हेतु खाली पड़ी सरकारी भूमि का सदुपयोग किया जाना चाहिए। वर्तमान हिमाचल प्रदेश पट्टा नियम बहुत जटिल हैं तथा निवेश के लिए भूमि पट्टे पर देने में बहुत कठिनाई होती है। अतः अब मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति इन नियमों को जांचेगी तथा इन्हें निवेश के लिए मैत्रीपूर्ण बनाने के लिए उपयुक्त संशोधन प्रस्तावित करेगी।
- 2. वन संरक्षण अधिनियम तथा वन अधिकार अधिनियम में अनुमतियाँ:**—ऐसा देखा गया है कि वन संरक्षण अधिनियम व वन अधिकार अधिनियमों के अन्तर्गत बहुउद्देशीय पन-बिजली तथा पर्यटन परियोजनाओं में अनुमतियाँ लेने में बहुत लम्बा समय लगता है। प्रदेश सरकार इन दोनों अधिनियमों की प्रक्रियाओं को सरल करेगी तथा अनुमतियों की नियमित परिवीक्षा भी करेगी। हम भारत सरकार से वन संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत 5 हैक्टेयर तक की शक्तियों के प्रत्यायोजन (Delegation) का मामला उठाएंगे।

3. **“अनापत्ति प्रमाण-पत्र”:**—बहुत से निवेशकों ने बताया है कि उन्हें विभिन्न विभागों से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लेने पड़ते हैं जिससे कि निवेश तथा रोजगार में विलम्ब होता है। हम अनापत्ति प्रमाण-पत्रों की आवश्यकताएं कम करेंगे तथा तय समय सीमा में न दिए जाने की स्थिति में डीम्ड अनुमति मानने का प्रावधान करेंगे।
4. **हिम प्रगति:**—अध्यक्ष महोदय, माननीय प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन Monitoring प्रणाली “प्रगति” से अधोसंरचना परियोजनाओं के नियमित Monitoring करके ₹ 9.46 लाख करोड़ की परियोजनाएं फास्ट ट्रैक की हैं। इस पहल से सीखते हुए, हिमाचल प्रदेश सरकार भी ऑनलाइन Monitoring प्रणाली **“हिम प्रगति”** लागू करेगी जहाँ बहुउद्देशीय पन-बिजली, औद्योगिक, पर्यटन तथा अन्य संरचना परियोजनाओं का मेरे द्वारा Monitoring किया जाएगा ताकि सभी विभागों से अनुमतियाँ तथा अनुमोदन शीघ्र प्राप्त हों।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ:

**“एक छुपी हुई पहचान रखता हूँ
बाहर शांत हूँ, भीतर तूफान रखता हूँ।”**

उद्योग

81. अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार चहुँमुखी, पर्यावरण हितैषी औद्योगिकरण को प्राथमिकता प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। प्रदेश सरकार प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करेगी।

82. अध्यक्ष महोदय, उद्योगों ने H.P. Additional Goods Tax को हटाने/कम करने की माँग की है ताकि उद्योगों को अन्य प्रदेशों की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जा सके क्योंकि इस प्रकार का कर अन्य राज्यों में नहीं है। मैंने उनकी इस माँग पर विचार किया तथा यह

घोषणा करता हूँ कि लोहा व स्टील, धागा तथा प्लास्टिक के सामान पर AGT को वर्तमान दर से 25 प्रतिशत कम कर दिया जाएगा।

मैं यह भी हर्ष के साथ घोषित करता हूँ कि प्रदेश सरकार नए उद्योगों को नियत वर्ष/राशि के लिए तथा वर्तमान उद्योगों को वैट के प्रोत्साहन के लिए प्रोत्साहन के बचे समय के लिए नेट State Goods and Services Tax की आंशिक अदायगी के लिए नीति लाएगी।

83. सीमेंट संयन्त्र अधिक संख्या में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करते हैं। इसलिए मैं यह घोषणा करता हूँ कि वर्ष 2018-19 में चम्बा जिले के बडोहशिंद में सीमेंट संयन्त्र तथा सिरमौर के नौहराधार में सफेद सीमेंट संयन्त्र के लिए बोली (Bidding) लगाकर उद्यमी को चयनित करने की कार्यवाही की जाएगी।

84. अध्यक्ष महोदय, औद्योगिक संरचना का निर्माण व रख-रखाव औद्योगिक विकास के लिए अपेक्षित है। कन्दरोड़ी व पंडोगा औद्योगिक क्षेत्रों का कार्य प्राथमिकता पर पूरा किया जाएगा। औद्योगिक प्लॉट के लिए भूमि वर्तमान में 30 साल के बदले 90 साल के लिए पट्टे पर दी जाएगी। मैं बद्दी बरोटीवाला नालागढ़ विकास प्राधिकरण के लिए ₹ 35 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। मैं बरोटीवाला-मंधाला-परवाणु तथा बरोटीवाला गुनाई परवाणु सड़क को चौड़ा करने के लिए ₹ 4 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

85. प्रदेश सरकार ने पहले ही खनन् माफिया को समाप्त करने लिए घोषणा कर दी है। इसे सुनिश्चित करने के लिए 2018-19 में सभी खनन् स्थानों को ऑनलाइन पारदर्शी प्रतिस्पर्धात्मक निविदाओं द्वारा आवंटित किया जाएगा।

86. अध्यक्ष महोदय, छोटे तथा मझोले उद्योग अधिक रोजगार प्रदान करते हैं। मैं वर्तमान छोटे उद्योगों पर विद्युत शुल्क को 4 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत तथा मझोले उद्योगों पर विद्युत शुल्क को

10 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करना प्रस्तावित करता हूँ। मैं हर्ष के साथ यह घोषणा करता हूँ कि सभी नए छोटे व मझोले उद्योगों को 5 वर्ष तक विद्युत शुल्क से छूट होगी।

मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि नकारात्मक सूचि में आने वाले उद्योगों को छोड़कर, बाकि सभी नए लघु उद्योगों को 5 वर्ष तक ₹ 4.50 की दर से विद्युत दी जाएगी।

मुझे यह बताते हुए भी प्रसन्ता हो रही है कि HPSEBL वर्तमान उद्योगों के substantial expansion करने पर, खपत होने वाली अतिरिक्त बिजली व सभी नए उद्योगों को रियायती दर पर बिजली देने के लिए HPERC के समक्ष याचिका दायर करेगा।

मैं कहना चाहता हूँ:

**“निकलता है हर सुबह एक नया सूरज,
यह बताने के लिए कि,
उजाले बांट देने से,
उजाले कम नहीं होते।।”**

बहुउद्देशीय
परियोजनाएं

87. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश की समृद्धि पन-विद्युत परियोजनाओं के शीघ्र दोहन में ही निहित है। प्रदेश में विकास के लिए पनविद्युत विकास अत्यावश्यक है। 27,000 मेगावाट की कुल दोहन क्षमता में से 20,912 मेगावाट पहले ही विभिन्न क्षेत्रों को आवंटित किया जा चुका है। अगले वर्ष 182 मेगावाट की पनविद्युत परियोजनाओं प्रारम्भ करने का लक्ष्य है।

88. ग्रिड से जुड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं में 15 मेगावाट की क्षमता जोड़ी जाएगी। प्रदेश सरकार ग्रिड से जुड़े छत पर लगे ऊर्जा संयन्त्रों को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाएगी जिससे उपभोक्ताओं का बिजली बिल कम हो सके। मैं इस पहल को

बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों को 10 प्रतिशत KWp अधिकतम ₹ 4,000 प्रति KWp की सहायता प्रदेश सरकार की ओर से देना प्रस्तावित करता हूँ।

89. प्रदेश में पनविद्युत परियोजनाओं का क्रियान्वयन धीमा हो गया है। प्रदेश सरकार इनके शीघ्र क्रियान्वयन के लिए उत्सुक है। प्रदेश सरकार पनविद्युत नीति में संशोधन कर इस नीति को स्वतन्त्र विद्युत उत्पादक हितैषी बनाएगी। पन विद्युत परियोजनाओं की बढ़ती लागत, अनुमतियों में देरी तथा विद्युत निकासी में आने वाली कठिनाईयों के मद्देनजर पनविद्युत नीति में संशोधन आवश्यक है। अतः प्रदेश सरकार सभी हितधारकों से चर्चा कर अगले 3 महीनों में पनविद्युत नीति में समुचित बदलाव लाएगी।

90. हिमाचल राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड ने प्रदेश के सुदूर कोनों में प्रत्येक घर में बिजली पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। मैं, ग्रामीण क्षेत्रों में वोलटेज सुधार के लिए हिमाचल राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड को ₹ 50 करोड़ ईक्विटी के रूप में देना प्रस्तावित करता हूँ।

माननीय सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में कम वोलटेज की समस्या का मुद्दा उठाया था। हिमाचल राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड इस समस्या के समाधान के लिए प्रदेश भर में प्रणाली सुदृढीकरण का कार्य करेगा।

मैं सहर्ष प्रदेश के घरेलु तथा कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत उपदान के लिए ₹ 475 करोड़ प्रस्तावित करता हूँ।

मैं बहुउद्देशीय परियोजनाएं तथा ऊर्जा विभाग के लिए कुल ₹ 1,219 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

91. हमारी सरकार पर्यटन के सतत् विकास के लिए वचनबद्ध है। वर्ष 2017 में लगभग 2 करोड़ पर्यटकों का हिमाचल में आगमन हुआ। हमारी रणनीति उच्च श्रेणी पर्यटकों को बढ़ाने की होगी न कि हम केवल प्रत्येक वर्ष बढ़ती हुई पर्यटकों की संख्या से संतुष्ट होंगे।

पर्यटन का विस्तार

पर्यटन महत्व के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के स्थलों में आधारभूत अधोसंरचना में विशेष सुधार किया जाएगा। इस उद्देश्य से हमारी सरकार एशियन विकास बैंक (ADB) परियोजना के द्वितीय चरण में नए क्षेत्रों में पर्यटन अधोसंरचना के विकास हेतु एक विशेष प्रस्ताव वित्तीय सहायता के लिए भारत सरकार को भेजेगी।

हम स्थानीय युवाओं में रोजगार बढ़ाने हेतु पर्यटकों को अनछुए क्षेत्रों में भी भेजने की योजना पर विशेष बल देंगे। मैं इसके लिए एक नई योजना **“नई राहें नई मंजिलें”** प्रारम्भ करने की घोषणा करता हूँ। इस योजना से चयनित अनछुए क्षेत्रों में सड़क, परिवहन, पार्किंग एवं मूलभूत सुविधाओं की संरचना की जाएगी। मैं वर्ष 2018-19 में इस योजना के लिए ₹ 50 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। सरकार इन स्थानों पर बड़े पर्यटक आराम/मनोरंजन रिजॉर्ट, स्की/साहसिक पर्यटन गतिविधियाँ, इको पर्यटक पार्क, रज्जु मार्ग इत्यादि स्थापित करना प्रोत्साहित करेगी। ऐसी सभी परियोजनाओं को एकल खिड़की के माध्यम से शीघ्रतापूर्वक अनुमोदित किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय मैं यहां पर आदणीय एवं परम्प्रिय पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी को उद्धृत करना चाहता हूँ:

**“टूटे हुए तारों से फूटे वासन्ती स्वर,
पत्थर की छाती में उग आया नव अंकुर,
झरे सब पीले पात, कोयल की कुहुक रात,
प्राची में अरुणिमा की रेख देख पाता हूँ
गीत नया गाता हूँ, गीत नया गाता हूँ।।”**

92. उच्च श्रेणी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कनेक्टिविटी, विशेष कर हवाई कनेक्टिविटी का हम सुधार करेंगे। हेली-टैक्सी सेवा के लिए हेली-टैक्सी मार्गों की पहचान की जाएगी। हम चण्डीगढ़ से शिमला एवं शिमला से राज्य के अन्य भागों के लिए हेली-टैक्सी सेवा प्रारम्भ करने के लिए कदम उठाएंगे। उड़ान-2 योजना के अन्तर्गत अतिरिक्त हेलीपैडों का निर्माण किया जाएगा।

93. अध्यक्ष महोदय, राज्य में धार्मिक पर्यटन को बड़े स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा क्योंकि इस क्षेत्र में अपार सम्भावनाएं हैं। हिमाचल वास्तव में सभी धर्मों को एक करने का केन्द्र है। हम धार्मिक पर्यटन स्थलों पर पार्किंग, स्वच्छ शौचालय, कैफेटेरिया तथा यात्री निवास सुविधा उपलब्ध कराएंगे। **“स्वदेश दर्शन कार्यक्रम”** के अन्तर्गत भारत सरकार को ₹100 करोड़ की परियोजना, **“धार्मिक सर्किट”** की अधोसंरचना विकसित करने के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

94. अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार प्राकृतिक तथा साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देगी। 26 वन्य जीवन अभ्यारण, तीन संरक्षण रिजर्व, अद्वितीय राष्ट्रीय पार्क तथा 400 वन विश्राम गृह के साथ राज्य में **Trekking, Rafting, बर्ड वॉचिंग, पर्वतारोहण, जल क्रीड़ा तथा सम्बन्धित खेल** की अपार सम्भावनाएं हैं। इको पर्यटन तथा होम स्टे आगे की सम्भावनाएं हैं।

प्रदेश सरकार पौंग, कोल, भाखड़ा बान्धों के जलाशयों को पर्यटक स्थलों के रूप में विकसित करेगी। जहाँ पर जल-क्रीड़ा तथा साहसिक पर्यटन गतिविधियाँ विकसित की जाएगी। पानी के नए जलाशयों को विकसित करने के लिए तथा जल-क्रीड़ाओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी योजना बनाएगी। तत्पानी में जल-क्रीड़ा, स्थान के सौन्दर्यकरण, घाट बनाने के कार्य एवं गर्म पानी के स्रोतों को विकसित किया जाएगा।

95. हम रज्जु मार्ग को बनाने पर जोर देंगे ताकि प्राकृतिक सुन्दरता वाले स्थानों में वाहनों की आवाजाही कम से कम हो। **BJP** सरकार ने पिछले कार्यकाल में पंजाब सरकार से समझौता कर आनंदपुर साहिब से नैना देवी का रोपवे प्रस्तावित किया था। परन्तु काँग्रेस सरकार ने उस समझौते को 2013 में रद्द कर कहा था कि हम शीघ्र ही स्वयं इस रोपवे को आरम्भ करेंगे। परन्तु पिछले 5 वर्ष में इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। हम अब पुनः इस रोपवे को पंजाब के साथ बनाने के लिए प्रयास करेंगे। इसके अतिरिक्त हम धर्मकोट से त्रियूँड, जंजैहली से शिकारी माता व अन्य पर्यटन स्थलों पर भी रोपवे लगाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

96. हम विभाग की वेबसाइट को विकसित और अद्यतन करेंगे और वर्ष 2018–19 में पर्यटकों के लिए सभी सूचनाओं वाला मोबाईल ऐप प्रारम्भ करेंगे।

हम युवाओं को होम स्टे, पाक कला, संचार और विपणन, व्यवहार कुशलता, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण आदि पर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। हम ट्रेकिंग गाइडों, पर्यटन गाइडों एवं टैक्सी ड्राइवरों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करेंगे। हम पर्यटक स्थलों में अधिक मनोरंजन गतिविधियों को प्रारंभ करेंगे ताकि पर्यटक अधिक दिनों तक निवास कर सकें।

रोजगार एवं
कौशल विकास

97. वर्तमान सरकार का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के बेरोजगार युवा वर्ग को आजीविका उपलब्ध कराने तथा उद्यम को बढ़ावा देने का है। स्थानीय उद्यम को बढ़ावा देने के लिए व युवाओं को स्वरोजगार के साधन उपलब्ध करवाने के मैं एक नई योजना **“मुख्यमन्त्री स्वावलम्बन योजना”** का शुभारम्भ करने की घोषणा करता हूँ। इस योजना के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश के 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी :-

1. उद्योग में ₹ 40 लाख तक के निवेश पर संयन्त्र/मशीनरी के निवेश पर 25 प्रतिशत पूँजी उपदान दिया जाएगा। युवतियों/महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए निवेश पर 30 प्रतिशत उपदान दिया जाएगा।
2. ₹ 40 लाख के ऋण पर 3 वर्ष के लिए 5 प्रतिशत ब्याज उपदान।
3. सरकारी भूमि को 1 प्रतिशत की दर पर पट्टा दिया जाएगा। पट्टे पर भूमि देने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।
4. युवा अगर निजी भूमि खरीदना चाहता है तो स्टैम्प ड्यूटी को वर्तमान 6 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत की दर से देय होगी।

अध्यक्ष महोदय मैं कहना चाहता हूँ:

**“सोचने से कहां मिलते हैं, तमन्ना के शहर।
चलने की जिद भी जरूरी है मंजिलों के लिए।।”**

इस योजना के लिए ₹ 80 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं हैं परन्तु सेवा तथा व्यापार क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए कोई योजना नहीं है। सेवा तथा व्यापार क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाएं हैं। अतः मैं इस क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक नई योजना **“मुख्यमंत्री युवा आजीविका योजना”** प्रारम्भ करने की घोषणा करता हूँ। इसमें खुदरा व्यापार/दुकान, रेस्टोरेंट, टूर ऑपरेटर, साहसिक पर्यटन, परम्परागत शिल्प इत्यादि कार्य शामिल होंगे। जिसके लिए 18 से 35 वर्ष के बीच के हिमाचली युवाओं को निम्नलिखित प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

1. ₹ 30 लाख तक की राशि तक, भूमि व मकान को छोड़कर किए निवेश पर 25 प्रतिशत उपदान दिया जाएगा जबकि महिला उद्यमियों के लिए उपदान 30 प्रतिशत होगा।
2. ₹ 30 लाख तक के ऋण पर 3 वर्षों के लिए, 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा।
3. व्यापार तथा सेवा कार्य आरम्भ करने हेतु भूमि तथा भवन के क्रय पर स्टैम्प ड्यूटी को वर्तमान 6 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत की दर से ली जाएगी।

इस योजना के लिए वर्ष 2018-19 में ₹ 75 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ:

**“वही हकदार हैं किनारों के,
जो बदल दें बहाव धारों के।”**

अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश के बेरोजगार युवाओं में उद्यमशीलता की भावना उत्पन्न करने की आवश्यकता है जिससे उन्हें अपना उद्यम स्थापित करने में आत्मविश्वास मिले। राज्य सरकार द्वारा उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए **“उद्यम विकास कार्यक्रम”** आयोजित किए जाएंगे। राज्य सरकार बैंको के साथ संयुक्त रूप से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में ऐसे पाठ्यक्रम लागू करेगी।

98. अध्यक्ष महोदय, राज्य सरकार कौशल विकास को लाभप्रद रोजगार प्राप्त करने हेतु काफी महत्त्व देती है। वर्ष 2018-19 में राज्य सरकार **“दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना”** को ₹ 77 करोड़ की लागत से लागू करेगी। राज्य सरकार, एशियन विकास बैंक द्वारा पोषित कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से 65 हजार युवाओं को कौशल प्रदान कर रोजगार दिलाएगी। मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि राज्य सरकार ने **“प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना”** में ₹ 21.56 करोड़ की पहली किस्त प्राप्त कर ली है। इस योजना के अन्तर्गत 49,500 बेरोजगार युवाओं को रोजगार सम्बन्धी कौशल प्रदान किया जाएगा।

मैं कहना चाहता हूँ:

**“वो खुद ही तय करते है मंजिल आसमानों की,
परिन्दों को नहीं दी जाती तालीम उड़ानों की।।”**

99. राज्य सरकार द्वारा हिमाचली युवाओं के कौशल विकास हेतु कौशल विकास भत्ता दिया जाता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, हिमाचल के युवाओं में बेरोजगारी का एक कारण उन का अंग्रेजी में संवाद नहीं कर पाना भी है। राज्य सरकार अंग्रेजी भाषा बोलने हेतु प्रशिक्षण के लिए अच्छी संस्थाओं को सूचीबद्ध करेगी।

मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि राज्य सरकार ऐसे सभी युवाओं को जो उद्योगों में रोजगार प्राप्त करेंगे को, 2 वर्ष तक यह कौशल विकास भत्ता देती रहेगी। मैं कौशल विकास भत्ते के लिए ₹ 100 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

100. हम अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग एकल महिला, विधवा एवं परित्यक्त नारियों को रोजगार दिलाने के लिए उन का कौशल प्रशिक्षण करवाएंगे। हम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के उन विद्यार्थियों को, जिन की पारिवारिक आय ₹ 3 लाख वार्षिक से कम है, को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के माध्यम से प्रशिक्षण एवं निशुल्क कोचिंग दिलाएंगे। हम दिव्यांगों को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं प्रशिक्षण अवसरों के लिए एक व्यापक कार्य योजना बनाएंगे।

101. अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि वे हिमाचल प्रदेश के सभी बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देंगे। लेकिन वे अपनी घोषणा पूरी करने में बुरी तरह विफल रहे। यह भत्ता केवल 21,000 युवाओं को आखिरी तीन महीनों में दिया गया।

बेरोजगारी भत्ता

102. अध्यक्ष महोदय, श्रम कानून के अंतर्गत संस्थान के पंजीकरण/नवीनीकरण की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। मैं सभी रोजगार केन्द्रों को **“कौशल पहचान केन्द्र तथा आदर्श कैरियर परामर्श केन्द्र”** के रूप में परिवर्तित करने का प्रस्ताव रखता हूँ। बेरोजगार युवाओं को परामर्श देने से रोजगार एवं प्लेसमेंट के अवसर बढ़ेंगे। कौशल युक्त लोगों को, रोजगार मेले एवं कैम्पस साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्रदान किया जाएगा। हम सभी जिलों एवं खण्डों में ऐसे रोजगार मेले एवं कैम्पस साक्षात्कार करवाएंगे।

श्रम तथा रोजगार

103. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में रेल, हवाई एवं जल परिवहन सेवा का कम विस्तार हुआ है। राज्य में सड़क ही परिवहन का मुख्य साधन है। हिमाचल पथ परिवहन निगम राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों

परिवहन

तक परिवहन की सुविधा प्रदान कर रहा है। वर्ष 2018-19 में हिमाचल पथ परिवहन निगम को अनुदान एवं इक्विटी के रूप में ₹ 300 करोड़ प्रस्तावित करता हूँ जो पिछले बजट में ₹ 265 करोड़ था।

104. अध्यक्ष महोदय, परिवहन विभाग आम जनता की सुविधा के लिए ऑनलाईन प्रणाली के माध्यम से विभिन्न लोक सेवाएं लागू करेगा। हम RTO तथा RLA कार्यालयों में PoS मशीनें स्थापित करेंगे जिससे विभिन्न करों व फीसों की अदायगी के लिए कैश लेस सुविधा उपलब्ध हो। हिमाचल पथ परिवहन निगम, बसों में **“स्वाईप/टैप मशीन”** लगवाएगी जिससे भुगतान इलेक्ट्रॉनिक कैश कार्ड के माध्यम से हो पाएगा तथा यात्रियों को भुगतान करने में कठिनाई नहीं आएगी। पास धारकों/छूट प्राप्त श्रेणियों को हिमाचल पथ परिवहन निगम द्वारा इलेक्ट्रॉनिक कार्ड जारी किये जाएंगे ताकि राज्य सरकार, कार्डों द्वारा बसों के उपयोग के आधार पर सहायता अनुदान जारी कर सके।

अध्यक्ष महोदय, सड़क द्वारा यात्रा करने वाले यात्री विशेषकर ग्रामीण इलाकों में बिना इस जानकारी के कि बस कब आएगी, बस का इन्तजार कई घण्टों तक करते रहते हैं। मैं प्रस्ताव रखता हूँ कि सभी बस अड्डों पर तथा चुने हुए बस स्टॉप पर इलेक्ट्रॉनिक डिसप्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, जहाँ उस मार्ग पर आने वाली अगली बस का समय दिखाया जाएगा।

105. अध्यक्ष महोदय, कई राज्यों में नए वाहनों का पंजीकरण डीलर प्वाइंट पर ही हो जाता है तथा उपभोक्ता को परिवहन विभाग तक नहीं जाना पड़ता। राज्य सरकार डीलर प्वाइंट पर ऑनलाइन पंजीकरण के लिए एक सॉफ्टवेयर का शुभारम्भ करेगी। टोकन कर, पंजीकरण शुल्क, ग्रीन टैक्स, डीलर द्वारा साईबर कोष के माध्यम से ऑनलाइन जमा कराया जाएगा तथा पूरे दस्तावेज पंजीकरण अधिकारी के पास डीलर द्वारा नम्बर जारी करने के लिए उपलब्ध करवाए जाएंगे।

चुने हुए नम्बरों के लिए एक निश्चित राशि तय कर e-Auction/Bidding की जाएगी।

e-way bill की तरह ऑनलाईन चेक पोस्ट जैसे समाधान प्रयोग में लाए जाएंगे जिससे प्रदेश में आने वाली पर्यटकों की गाड़ियों को Composite शुल्क के भुगतान के लिए उन्हें बैरियर पर रुकना ना पड़े।

106. अध्यक्ष महोदय, राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे स्थानीय युवाओं को परिवहन क्षेत्र, विशेषकर सड़क परिवहन में रोजगार के लिए अपार सम्भावनाएं हैं। मैं वर्ष 2018-19 में बेरोजगार युवाओं के लिए 1500 नए बस परमिट जारी करने का प्रस्ताव रखता हूँ।

हम बस अड्डों में सर्वोत्तम सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं बस अड्डों के निर्माण हेतु Bus Stand Management and Development Authority के लिए अतिरिक्त ₹ 17 करोड़ का प्रस्ताव रखता हूँ।

मैं बस अड्डों में शौचालय ब्लॉक निर्माण हेतु ₹ 3 करोड़ का बजट प्रस्तावित करता हूँ। इन शौचालय ब्लॉकों के संचालन का कार्य प्रतिष्ठित संस्थानों को दिया जाएगा।

107. हमारी सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास को उच्च प्राथमिकता देती है। भारत सरकार ने राज्य के 69 राष्ट्रीय राजमार्गों को मंजूरी प्रदान की है जिसके लिए राज्य के लोग केन्द्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। यद्यपि भारत सरकार ने वर्ष 2016 में ही राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा कर दी थी लेकिन DPR की तैयारी के लिए सलाहकारों की नियुक्ति हेतु कदम नहीं उठाए गए। दिसम्बर, 2017 तक केवल 8 सड़कों के लिए ही सलाहकार नियुक्त किए गए। हमारी सरकार यह प्रयास करेगी कि सभी सड़कों के लिए इस माह के अन्त तक सलाहकार नियुक्त हो जाए ताकि DPR तैयार करने का कार्य त्वरित गति से हो सके।

बुनियादी ढाँचे का
सुदृढीकरण

108. अध्यक्ष महोदय, ₹ 9,040 करोड़ की लागत से फोरलेन बनाने का कार्य दो राष्ट्रीय राजमार्गों परवाणु से शिमला तथा कीरतपुर से

मनाली निर्माणाधीन है। हाल में भारत सरकार ने तीन अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग बद्दी से नालागढ़, पठानकोट से मण्डी, शिमला से मटौर को NHAI को सौंप दिया है। बद्दी से नालागढ़, चक्की से सिहुनी तथा ज्वालामुखी से काँगड़ा को फोरलेन बनाने हेतु निविदाएं आमन्त्रित की जा चुकी हैं।

109. वर्ष 2000–2001 में प्रधानमन्त्री श्री अटल बिहारी वाजपेई के गतिशील नेतृत्व में **“प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना”** का शुभारम्भ किया गया था जिसके अन्तर्गत ग्रामीण बस्तियों को हर मौसम में प्रभावी सड़क से जोड़ा जाता है। इस योजना से हिमाचल प्रदेश को अत्यधिक लाभ हुआ है तथा ₹ 2,919 करोड़ की लागत से आज तक 2,238 सड़कें तैयार कर ली गई हैं।

110. अध्यक्ष महोदय, बजट योजना बैठक में अधिकतर विधायकों ने सड़कों की दयनीय अवस्था का मुद्दा उठाया था। मैं उन से सहमत हूँ। सड़कों की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए मैं तृतीय पक्ष निरीक्षण प्रणाली को प्रारम्भ करने का प्रस्ताव रखता हूँ। इसके अतिरिक्त मुख्यमन्त्री कार्यालय के अधीन एक स्वतन्त्र गुणवत्ता परीक्षण स्क्वैड (Independent Quality Check Squad) का गठन किया जाएगा जो सभी प्रकार के निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण कर उसकी रिपोर्ट सीधे मुख्यमन्त्री कार्यालय को प्रस्तुत करेगा। मुझे आशा है कि उपरोक्त कदम से प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो पाएगी।

इसके अतिरिक्त वर्ष 2018–19 में राज्य की वर्तमान सड़कों की टारिंग का लक्ष्य 1785 किलोमीटर से बढ़ाकर 2,500 किलोमीटर करता हूँ जो लगभग 40 प्रतिशत अधिक है। सड़कों के रख-रखाव के लिए वर्तमान सरकार ने हाल ही में ₹100 करोड़ की अतिरिक्त राशि दी है तथा वर्ष 2018–19 में भी सड़कों के रख-रखाव हेतु ₹ 100 करोड़ की अतिरिक्त राशि आवंटित करने का प्रावधान है। मैं सड़कों के रख-रखाव के लिए एक अलग निधि बनाना भी प्रस्तावित करता हूँ।

राईडिंग की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार ने OPBMC (Output and Performance Based Maintenance

contract) नामक पायलट परियोजना आरम्भ की थी। इस रख-रखाव व्यवस्था के अन्तर्गत 347 किलोमीटर सड़कें हैं। अगले वित्त वर्ष में 350 किलोमीटर के अतिरिक्त मार्ग इस व्यवस्था के अन्तर्गत लाने का प्रस्ताव रखता हूँ।

जल निकास (Cross Drainage एवं Side Drainage) के अभाव में सड़कों की स्थिति खराब हो जाती है। मैं एक नई योजना “Himachal Road Improvement Scheme” आरम्भ करने की घोषणा करता हूँ जिसके अन्तर्गत वर्तमान सड़कों के Cross Drainage में कमी को दूर किया जाएगा। वर्ष 2018-19 के लिए मैं ₹ 50 करोड़ का बजट प्रस्तावित करता हूँ। सभी नई सड़कों में Cross Drainage करना अनिवार्य होगा।

111. दूरियों को कम करने के लिए सुरंगों के निर्माण की बहुत आवश्यकता है। हमारी सरकार ने राष्ट्रीय राज मार्ग-305 पर जलोड़ी दर्रे के नीचे सैज-लूहरी-औट मार्ग पर एक सुरंग बनाने हेतु भारत सरकार से मामला उठाया है इस सुरंग की लम्बाई लगभग 4.2 किलोमीटर होगी।

अध्यक्ष महोदय, बहुत से यूरोपिय देशों में हिमाचल प्रदेश से अधिक बर्फ पड़ती है। सड़कों से मशीनों द्वारा बर्फ को हटाकर खुला रखा जाता है। प्रदेश सरकार साच, जलोड़ी, खड़ापत्थर तथा सीमा सड़क संगठन की अनुमति से रोहतांग दर्रे को सर्दियों में भी खुला रखने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय निविदाएं आमन्त्रित करेगी।

112. विश्व बैंक से पोषण हेतु हिमाचल प्रदेश सरकार ने भारत सरकार को HP State Road Project-II नामक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। HP State Road Project-II के अन्तर्गत 650 किलोमीटर के प्रमुख जिला मार्गों का उन्नयन किया जाएगा तथा 1350 किलोमीटर सड़क मार्गों पर समय-समय पर रख-रखाव तथा अन्य संस्थागत विकास कार्य किए जाएंगे। प्रदेश सरकार ने वित्त मन्त्रालय, भारत सरकार से लगभग ₹ 720 करोड़ की राशि की Tranche-I of Phase-II योजना

का अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। विश्व बैंक ने परियोजना की प्रारम्भिक गतिविधियों के लिए लगभग ₹ 22 करोड़ अनुमोदित कर दिए हैं।

113. हमारी सरकार सड़क सुरक्षा को अत्यन्त प्राथमिकता देती है। हमारी सरकार ने तृतीय पक्ष निरीक्षण के माध्यम से पूरे प्रदेश में प्रमुख पुलों की सुरक्षा लेखा परीक्षण कराने का निर्णय लिया है।

राज्य सरकार को 108 एम्बुलैस सेवा चलाने वाली एजेंसी ने सूचना दी है कि राज्य में 697 दुर्घटना सम्भावित स्थल हैं। वर्ष 2018-19 में इन चिन्हित स्थलों पर सड़क की Alignment, साइन बोर्ड, रेलिंग इत्यादि लगाने के लिए ₹ 50 करोड़ के बजट राशि का प्रस्ताव करता हूँ।

मैं **मुख्यमन्त्री सड़क योजना** के अन्तर्गत गाँवों/बस्तीओं को शीघ्रता से सड़क से जोड़ने के लिए ₹ 50 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मैं 2018-19 में 600 किलोमीटर सड़कें तथा 35 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव करता हूँ। 1100 किलोमीटर सड़कों को पक्का किया जाएगा तथा 750 किलोमीटर सड़कों में जल-निकासी का कार्य पूर्ण किया जाएगा।

मैं वर्ष 2018-19 में लोक निर्माण विभाग के लिए ₹ 4,082 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

114. अध्यक्ष महोदय, रेल नेटवर्क को बढ़ाने के लिए वर्ष 2018-19 में रेलवे के बजट में ₹ 422 करोड़ का बजट प्रावधान रखा गया है। इसे चार रेलवे लाईन-नंगल डैम-तलवाड़ा, चण्डीगढ़ बद्दी, भानुपल्ली-बिलासपुर तथा ऊना-हमीरपुर रेलवे लाइन पर खर्च किया जाएगा।

115. अध्यक्ष महोदय, अधोसंरचना के निर्माण व सेवाओं के प्रदान के लिए Public Private Partnership (PPP) एक अच्छा तरीका है। हम प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध भूमि पर पार्किंग व व्यवसायिक परिसर बनाकर, नगर निकायों की आमदनी बढ़ाएंगे। हम पुलों, सुरंगों व वैकल्पिक सड़कों को भी PPP में बनवाने का प्रयास करेंगे। हम सड़क के साथ बने Bus Stop को भी PPP के तहत बनवाएंगे। अस्पतालों में अच्छी Diagnostic सुविधा देने के लिए उच्च मूल्य के उपकरणों को PPP पर लगवाने के लिए कदम उठाएंगे।

116. अध्यक्ष महोदय, VAT एवं CST के बहुत से मामले निर्धारण के लिए शेष हैं। डीलरों के हित के लिए हम “The Himachal Pradesh Settlement of Pending Assessment Cases Bill” 2018 लाएंगे जिससे VAT एवं CST इत्यादि के बचे हुए मामलों का निर्धारण किया जा सकेगा।

आबकारी एवं
कराधान

117. अध्यक्ष महोदय, राज्य सरकार ने Himachal Pradesh Beverages Limited को बन्द करने तथा शराब की बिक्री हेतु पुरानी थोक बिक्री व्यवस्था को बहाल करने का निर्णय लिया है ताकि शराब की थोक आपूर्ति में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सके। एल-1 डी और एल-13 डी लाइसेंस धारकों की अवांछित प्रणाली को बन्द कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त आबकारी कार्यों पर प्रभावी निगरानी के लिए उत्पादन से खपत तक पूरी श्रृंखला हेतु एक कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था लागू की जाएगी।

118. राज्य के व्यापारियों की GST में पंजीकरण की सीमा हिमाचल प्रदेश के लिए ₹10 लाख से ₹ 20 लाख तक करने की भारी माँग पर हमने यह मामला GST Council के समक्ष उठाया है तथा उम्मीद है कि व्यापारियों की यह माँग GST Council द्वारा शीघ्र मान ली जाएगी।

119. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में बहुत सारी शैक्षणिक संस्थाएँ हैं। सरकार के समक्ष सब से बड़ी चुनौती शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारना है।

गुणात्मक शिक्षा

इसके लिए, सरकार शैक्षणिक संस्थाओं में समुचित अधोसंरचना उपलब्ध कराएगी। 2137 सरकारी उच्च माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को स्मार्ट क्लास रूम से सुसज्जित किया गया है। अतः अब पढ़ाने के लिए Multimedia Teaching Aids का उपयोग किया जाएगा। सरकार स्कूलों में पढ़ाने/बोलचाल के कौशल को बढ़ाने के लिए 36 भाषा प्रयोगशालाएं स्थापित करेगी। प्रारंभिक कक्षाओं के छात्रों का मूल्यांकन भारत सरकार द्वारा नियत परिमाणों के आधार पर किया जाएगा। शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए DIET तथा SCERT को अधिक प्रासंगिक बनाया जाएगा। योग पाठ्यक्रम SCERT की सहायता से तैयार किया जाएगा। विभाग द्वारा विद्यालयों में “Joy of Learning” Session चलाए जाएंगे ताकि शिक्षण ज्ञान बढ़ाया जा सके।

मुझे घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरी सरकार शिक्षकों के स्थानान्तरण तथा पदभार सम्भालने हेतु एक ठोस तथा पारदर्शी स्थानान्तरण नीति बनाएगी।

भारत सरकार ने, वर्ष 2018–19 के बजट में, सभी ऐसे खण्डों में जहाँ 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जन-जाति जनसंख्या है, में “Eklavya Model Residential School” स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। राज्य सरकार, भारत सरकार से ऐसे विद्यालयों को हिमाचल में शीघ्र खोलने हेतु मामला उठाएगी।

120. अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए पाठशाला में सभी बुनियादी सुविधाएं होना आवश्यक है। हमारी सरकार एक नई योजना **“मुख्यमंत्री आदर्श विद्या केन्द्र”** प्रारम्भ करेगी। इस योजना के अन्तर्गत चरणबद्ध तरीके से सभी विधानसभा क्षेत्रों में, जहाँ नवोदय विद्यालय या एकलव्य विद्यालय नहीं हैं वहाँ पर, एक आदर्श Residential विद्यालय स्थापित करेगी। इसमें सभी सुविधाओं के साथ निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी तथा छात्रावास की भी सुविधा उपलब्ध होगी। प्रथम चरण में ऐसे 10 आदर्श विद्यालय स्थापित किए जाएंगे जिसके लिए मैं ₹ 25 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

121. अध्यक्ष महोदय, विद्यार्थी नई किताबों को खरीदने के लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं। साथ ही वे एक कक्षा में पास होने पर उस कक्षा की किताबें फैंक देते हैं तथा अगले वर्ष के लिए नई किताबें खरीदते हैं। मैं हिमाचल प्रदेश के सभी स्कूलों में परीक्षा की समाप्ति से अगले दिन को **“पुस्तक दान दिवस”** मनाने की घोषणा करता हूँ। इस दिन बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थी निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों को अपनी पुस्तकें देंगे ताकि निचली कक्षा के विद्यार्थियों का पुस्तकें खरीदने का पैसा बच सके।

122. अध्यक्ष महोदय, भाजपा सरकार ने वर्ष 2011 में **“अटल वर्दी योजना”** आरम्भ की थी जिसमें छात्रों को प्रति वर्ष 2 वर्दियाँ दी जाती थीं। मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि इस योजना के अन्तर्गत अब पहली, तीसरी, छठी तथा 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों को एक स्कूल बैग भी दिया जाएगा।

123. युवाओं की जिज्ञासा एवं रचनात्मकता बढ़ाने हेतु भारत सरकार के “अटल ईनोवेशन मिशन” के अन्तर्गत चुने हुए विद्यालयों में “Atal Tinkering Labs” स्थापित किए जाएंगे, जहाँ विद्यार्थी उपकरण एवं औजारों के माध्यम से विज्ञान, तकनीकी, अभियान्त्रिकी तथा गणित (STEM-Science Technology Engineering and Maths) को समझेंगे। राज्य सरकार माह में एक दिन **“Bag Free Day”** घोषित करेगी ताकि सभी विद्यालयों में उपरोक्त दिन में केवल सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ ही संचालित की जाएं।

124. सरकारी विद्यालयों के उन छात्रों को सम्मानित करने के लिए जिन्होंने जीवन में एक मुकाम प्राप्त किया हो एक नई योजना **“अखण्ड शिक्षा ज्योति, मेरे स्कूल से निकले मोती”** आरम्भ की जाएगी। इस योजना में स्थानीय लोगों एवं ग्राम पंचायत को शामिल किया जाएगा।

125. अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रतिभाशाली छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराना बहुत महत्वपूर्ण है। 10+2 विद्यार्थियों को JEE MAINS, NEET तथा उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश

हेतु कोचिंग की आवश्यकता होती है। साथ ही, महाविद्यालय से निकले हुए छात्रों को रोजगार आधारित प्रतियोगिता परीक्षा जैसे सिविल सेवा की तैयारी की आवश्यकता होती है। इस उद्देश्य के लिए मैं एक नई “मेधा प्रोत्साहन योजना” प्रारम्भ करने का प्रस्ताव रखता हूँ। जिसके अन्तर्गत राज्य में अथवा राज्य से बाहर कोचिंग के लिए सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। इस उद्देश्य के लिए मैं ₹ 5 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मैं कहना चाहता हूँ:

**“नहीं सी चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है,
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।।”**

126. मुझे घोषणा करने में हर्ष का अनुभव हो रहा है कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को ₹ 110 करोड़ का अनुदान देगी। यह देश के किसी भी राज्य विश्वविद्यालय को दिए जाने वाले प्रति छात्र अनुदान में सर्वाधिक है।

मैं वर्ष 2018–19 में शिक्षा विभाग के लिए ₹ 7,044 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

तकनीकी शिक्षा

127. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश के युवाओं को रोजगार उन्मुख बनाने के लिए तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक औद्योगिक प्रशिक्षण काफी महत्त्वपूर्ण हैं। हिमाचल में 124 सरकारी तथा 148 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हैं जिनमें क्रमशः 25,449 एवं 22,335 विद्यार्थियों के प्रवेश की क्षमता है।

राज्य में प्रति लाख जनसंख्या पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की 696 सीटें हैं जो कि राष्ट्रीय औसत 212 सीटों से बहुत अधिक है।

उद्योगों के कौशल आवश्यकता हेतु इस क्षेत्र का निजी क्षेत्र के साथ समन्वय आवश्यक है। कौशल में कमी को दूर करने के लिए हमारी सरकार तकनीकी पाठ्यक्रमों को इस प्रकार से परिवर्तित करेगी ताकि विद्यार्थियों को श्रम बाजार की आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण मिल सके।

आगामी कुछ महीनों में रैहन में नए बहुतकनीकी संस्थान का कार्य ₹ 25 करोड़ की लागत से आरम्भ किया जाएगा।

128. हमारी सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है। हम समृद्ध हिमाचली विरासत के बारे में अवगत कराने के लिए छोटे सांस्कृतिक स्मृति चिन्ह, बनाना प्रारम्भ करेंगे। हम प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा तैयार की गई कला-वस्तुओं की बिक्री/प्रदर्शनी हेतु प्रदेश के विभिन्न भागों में शिल्प ग्राम मेलों का आयोजन करेंगे।

भाषा कला
एवं संस्कृति

विद्यार्थियों, अनुसन्धान कर्ताओं के लाभ के लिए विभाग द्वारा विलुप्त होती पाण्डूलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों को Digitise किया जाएगा तथा एक डिजिटल पुस्तकालय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक नई योजना **“आज पुरानी राहों से”** को लागू करने की घोषणा करता हूँ। इसमें प्रदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की, स्मृतियों, ऐतिहासिक घटनाओं तथा विलुप्त/अनछुई सांस्कृतिक धरोहरों/विरासतों को सांस्कृतिक/Heritage गाईड के माध्यम से बताया जाएगा जिससे सांस्कृतिक पर्यटन को तो बढ़ावा मिलेगा और, साथ ही प्रदेश की संस्कृति को धरोहर के रूप में संजोए रखना सम्भव होगा।

मैं, ऐसे जिला मुख्यालयों में जहाँ इन्डोर सभागृह की सुविधा उपलब्ध नहीं है इन सभागृहों के निर्माण के लिए ₹ 25 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। राज्य की संस्कृति तथा साहित्य को संजोए रखने के लिए प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कलाकर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते रहते हैं। वरिष्ठ तथा कनिष्ठ कवियों/लेखकों/साहित्यकारों

को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए दैनिक भत्तों में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि वरिष्ठ नागरिकों को राज्य के विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा करने हेतु एक नई योजना **“देव भूमि दर्शन”** प्रारम्भ की जाएगी।

युवा सेवाएं
एवं खेल

129. अध्यक्ष महोदय, राज्य सरकार राज्य में राष्ट्रीय स्तर के खेल-कूद की आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे राज्य में उच्च स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएंगी ताकि उभरते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को निखारा जा सके। मैं ऐसे जिलों में जहाँ यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, बहुउद्देशीय इन्डोर कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु ₹15 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

“मुख्यमन्त्री खेल विकास योजना” के अन्तर्गत राज्य सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक खेल का मैदान विकसित करेगी। इस उद्देश्य के लिए मैं ₹ 6.80 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मैं राज्य में विद्यमान खेल-कूद सुविधाओं के पुनरुद्धार हेतु ₹ 2 करोड़ का बजट प्रावधान भी प्रस्तावित करता हूँ।

सूचना एवं
जन-सम्पर्क

130. अध्यक्ष महोदय, समाज के लिए पत्रकार, बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। **“हिमाचल प्रदेश पत्रकार कल्याण योजना”** के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 में, सेवारत एवं सेवानिवृत्त मान्यताप्राप्त पत्रकारों को आपातकालीन चिकित्सा राशि ₹ 50,000 से बढ़ाकर ₹ 2.50 लाख करना प्रस्तावित है। सभी मान्यताप्राप्त पत्रकार इस सुविधा को प्राप्त कर सकें, इसके लिए मैं वर्तमान में निर्धारित ₹1.80 लाख प्रतिवर्ष की आय सीमा को हटाना प्रस्तावित करता हूँ।

131. अध्यक्ष महोदय, मैं यह सूचित करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ कि भारत सरकार ने जिला बिलासपुर के कोठीपुरा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना के लिए ₹1,351 करोड़ की मंजूरी प्रदान कर दी है। **“प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम”** के अन्तर्गत उत्तर भारत में स्थापित किया जाने वाला सबसे बड़ा स्वास्थ्य संस्थान होगा।

132. अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में, निजी अस्पतालों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार प्रयास करेगी। मुझे एक नई **“स्वास्थ्य में सहभागिता योजना”** की घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है। इसके अन्तर्गत यदि कोई व्यक्ति/चिकित्सक, चुने हुए ग्रामीण क्षेत्र में एलोपैथिक निजी अस्पताल स्थापित करता है तो उसे ₹ 1 करोड़ तक के निवेश पर 25 प्रतिशत निवेश उपदान तथा तीन वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज उपदान दिया जाएगा।

133. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत 4,83,693 परिवार पंजीकृत हैं जिनको 30,000 तक Basic पैकेज में, ₹1,75,000 क्रिटिकल देख-रेख पैकेज तथा ₹ 2,25,000 कैंसर मरीजों के लिए कैंशलैस उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। “Mukhya Mantri State Health Care Scheme” में RSBY की तर्ज पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त Himachal Pradesh Universal Health Protection Scheme के अन्तर्गत अन्य परिवारों को भी शामिल किया गया है जिसमें प्रीमियम ₹ 365 प्रति वर्ष है।

अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने केन्द्रीय बजट में महत्वाकांक्षी **“राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना”** की शुरुआत करने का निर्णय लिया है जिसके अन्तर्गत Secondary और Tertiary देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार, ₹ 5 लाख प्रति वर्ष तक की स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जाएगी। यह विश्व की सबसे बड़ी Health Care योजना होगी।

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि राज्य सरकार **“मुख्यमंत्री राज्य स्वास्थ्य देख-भाल योजना”** के लाभार्थियों को भी,

भारत सरकार की तर्ज पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करेगी। यह योजना उपयुक्त प्रीमियम के साथ “Himachal Pradesh Universal Health Protection Scheme” के लाभार्थियों के लिए भी लागू की जाएगी।

134. अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार प्रदेश को सभी राज्यों में सबसे स्वस्थ प्रदेश बनाना चाहती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु एक **“मुख्यमंत्री निरोग योजना”** स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित की जाएगी। सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के अन्तर्गत Random Blood Sugar परीक्षण, रक्तचाप परीक्षण, दृष्टि जाँच तथा अन्य लैब परीक्षण किए जाएंगे। इससे आरम्भिक अवस्था में ही सम्भावित समस्याओं के बारे में पता लग जाएगा तथा शीघ्र निदान एवं चिकित्सा मिलने से लम्बी अवधि तक रहने वाली बीमारियों से बचाव होगा।

135. अध्यक्ष महोदय, **“निःशुल्क दवा नीति”** के अन्तर्गत हम 66 दवाएं निःशुल्क दे रहे थे। अब निःशुल्क दवाओं की संख्या को 330 तक बढ़ाया जाएगा। मैं इस उद्देश्य के लिए ₹ 50 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। हम 18 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क हेमोफिलिया तथा इन्सुलिन की दवाएं भी प्रदान करेंगे।

गत वर्ष में सम्पन्न हुआ मिज़ल और रूवेला की बीमारियों की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान एक अनुकरणीय सफलता है। वर्तमान में टीकाकरण की प्रतिशतता 95 है। इसे अगले वर्ष बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रयास किया जाएगा।

136. अध्यक्ष महोदय, बच्चे हमारे भविष्य हैं तथा उन का स्वास्थ्य हमारे लिए सर्वोपरि है। वर्तमान में सभी माताओं को Institutional Deliveries के लिए ₹ 700 की राशि दी जाती है। मुझे एक नई योजना **“मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना”** की घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है जिसके अन्तर्गत उपरोक्त राशि के अतिरिक्त, अस्पताल में जन्में सभी नवजात शिशुओं को ₹ 1,500 मूल्य का **“नव आगन्तुक”** किट भी दी जाएगी। इससे लगभग 1 लाख नए नवजातों को प्रत्येक वर्ष लाभ

मिलेगा। इस प्रयोजन के लिए वर्ष 2018-19 के लिए मैं ₹ 15 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मैं कहना चाहता हूँ:

**“तुम अपने पास रखो, अपनी रोशनी का हिसाब।
मुझे तो आखिरी घर तक दीया जलाना है।।”**

किशोरावस्था में लड़कियों के व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए सैनिटरी नैपकिन आवश्यक हैं। मुझे घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 10+2 तक की सभी छात्राओं को सैनिटरी नैपकिन पैकेट वर्तमान में ₹ 5 प्रति पैकेट से घटाकर ₹ 1 प्रति पैकेट की दर से उपलब्ध कराये जाएंगे। इन्हें आशा कार्यकर्ताओं द्वारा वितरित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए मैं ₹ 4 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

137. अध्यक्ष महोदय, IGMC प्रदेश का सर्वोच्च आयुर्विज्ञान संस्थान है परन्तु यहाँ पर गुर्दा प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके कारण मरीजों को राज्य के बाहर जा कर धन व्यय करना पड़ता है। मुझे घोषणा करने में हर्ष हो रहा है कि आगामी वर्ष में IGMC में भी गुर्दा प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वर्ष 2018-19 में इस उद्देश्य के लिए ₹ 4 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में 108 Ambulance Service रोगियों के लाने व ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन Ambulances ds Operational Expenditure की पूर्ति के लिए मैं शराब पर प्रति बोतल ₹ 1 का Cess लगाने का प्रस्ताव करता हूँ, जिससे लगभग ₹ 8 करोड़ इस कार्य के लिए उपलब्ध होंगे।

टेलीमैडीसन के माध्यम से प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में नागरिकों को स्वास्थ्य देख-भाल सेवा न्यूनतम खर्च पर उपलब्ध कराई जा सकती है। मैं प्रदेश के दूर-दराज के 50 स्वास्थ्य उप-केन्द्रों को टेलीमैडीसन के अन्तर्गत लाने की घोषणा करता हूँ।

वर्तमान में केलॉग, काजा तथा पूह में टेली-मैडिसिन कार्यक्रम चल रहा है, मैं पाँगी को भी इस योजना में लाना प्रस्तावित करता हूँ।

138. अध्यक्ष महोदय, राज्य के जरूरतमंद, गरीब लोग जो गम्भीर बीमारियों से पीड़ित हैं को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मैं **"मुख्यमन्त्री चिकित्सा सहायता कोष"** का गठन करने का प्रस्ताव रखता हूँ। इसके लिए मैं वर्ष 2018-19 में ₹ 10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। इस कोष से अनुदान देने के लिए नियम शीघ्र ही तैयार किए जाएंगे।

139. अध्यक्ष महोदय, तम्बाकू का सेवन कैंसर का प्रमुख कारण है। हम हिमाचल प्रदेश में **"तम्बाकू मुक्त संस्थान कार्यक्रम"** के द्वारा जागरूकता अभियान चलाएंगे। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय एवं सचिवालय परिसर को तम्बाकू रहित बनाना प्रस्तावित है। यह परामर्श तथा अन्य उपायों से किया जाएगा जिससे यह अन्य सार्वजनिक संस्थाओं के लिए भी मार्गदर्शक बन सकें।

मैं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए ₹ 2,302 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ। मैं सूचित करना चाहता हूँ कि हिमाचल प्रदेश का स्वास्थ्य बजट देश के सभी राज्यों में प्रति व्यक्ति सर्वाधिक स्वास्थ्य बजट है।

आयुर्वेद

140. आयुर्वेदिक औषधीय जड़ी-बूटियों की स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुत मांग है तथा इनके commercial उत्पादन से कृषकों की आय बढ़ने की बहुत सम्भावनाएं हैं। विभाग इन जड़ी-बूटियों के विपणन के लिए किसानों का देश की प्रमुख फार्मेशियों के मध्य सम्पर्क स्थापित करवाएगा।

विभाग प्रदेश के 3 चयनित ब्लॉकों करसोग, कसौली व ठियोग में अनीमिया की रोकथाम हेतु पायलट परियोजना आरम्भ करेगा। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय पोषण मिशन को इस वर्ष चम्बा, हमीरपुर, सोलन तथा शिमला में लागू किया जाएगा।

मैं आयुर्वेद विभाग के लिए ₹ 263 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

141. अध्यक्ष महोदय, पिछले कल हमने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। मैं इस अवसर पर सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देता हूँ।

महिला तथा
बाल विकास

मुझे एक नई व्यापक **“सशक्त महिला योजना”** की घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है। यह योजना महिला मण्डलों में “सशक्त स्त्री केन्द्र” स्थापित करके चलाई जाएगी। इन केन्द्रों पर ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना व उन्हें प्रशिक्षित कर सशक्त करना होगा। यह केन्द्र किशोरियों को personal hygiene तथा आत्मसम्मान बढ़ाने के विषयों पर भी जागरूक करेंगे।

हमारी सरकार लिंग-भेद को कम करने के लिए दृढसंकल्प है। इसके लिए मैं केवल एक या दो बेटियों वाले परिवारों का “स्वास्थ्य बीमा योजना” के अन्तर्गत क्रिटिकल केयर पैकेज ₹ 1,75,000 से बढ़ाकर ₹ 2,50,000 करना प्रस्तावित करता हूँ। अतिरिक्त ₹ 75,000 केवल बालिकाओं को देय होगा। इससे बालिकाओं को और अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

142. अध्यक्ष महोदय, **“मदर टेरेसा मातृ आश्रय सम्बल योजना”** के अन्तर्गत प्रदेश सरकार दो बच्चों वाली परित्यक्ता/विधवाओं को ₹ 4,000 प्रतिवर्ष प्रति बच्चा सहायता देती है। मैं इसे बढ़ाकर ₹ 5,000 करना प्रस्तावित करता हूँ। जिसके लिए ₹ 10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

प्रदेश सरकार **“बेटी है अनमोल”** के अन्तर्गत BPL परिवारों में कन्या जन्म पर ₹ 10,000 प्रदान करती है। मैं इसे बढ़ाकर ₹ 12,000 करना प्रस्तावित करता हूँ। मैं इस योजना के लिए ₹ 12 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ:

**“शर्त लगी थी खुशियों को एक लफ़्ज़ में लिखने की,
वो किताब ढूँढते रह गए, मैंने “बेटी” लिख दिया ।”**

कमजोर वर्गों
का कल्याण

143. अध्यक्ष महोदय, भाजपा सरकार समाज के सभी वर्गों विशेषकर वंचित वर्गों के उत्थान में विश्वास रखती है। हमारी पिछली सरकार ने योजना बजट में अनुसूचित जातियों की जनगणना अनुरूप अनुसूचित जाति उप-योजना आरम्भ करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। मैं 2018-19 के लिए अनुसूचित जाति उप-योजना के लिए ₹ 1,583 करोड़ का बजट आवंटन प्रस्तावित करता हूँ।

144. प्रदेश सरकार विभिन्न पेंशन योजनाओं में 4 लाख से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान कर रही है। मैं इस पेंशन को ₹ 750 प्रतिमाह करने की सहर्ष घोषणा करता हूँ। मैं 70 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले व्यक्तियों तथा 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों की पेंशन बढ़ाकर ₹1,300 करना प्रस्तावित करता हूँ।

मैं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लिए ₹ 600 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मैं यह कहना चाहूँगा:

**“ज्यादा ख्वाहिशें नहीं हैं जिन्दगी तुझ से,
बस मेरा हर कदम, पिछले से बेहतर हो।।”**

145. दिव्यांगों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, मैं दिव्यांगों की वर्तमान छात्रवृत्ति को 25 प्रतिशत की दर से बढ़ाना प्रस्तावित करता हूँ।

146. वयोवृद्ध नागरिकों के सम्मान में, मैं प्रदेश के कुछ स्थानों पर **“वरिष्ठ नागरिक सुविधा केन्द्र”** खोलना प्रस्तावित करता हूँ जिनमें

वृद्धों की देखभाल के लिए उपचर्या सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ये केन्द्र गैर सरकारी संस्थानों द्वारा चलाए जाएंगे तथा प्रदेश सरकार उन्हें अनुदान प्रदान करेगी।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ:

**“देखना कभी नम न हों घर के बुजुर्गों की आँखें,
छत से पानी टपके तो दीवारें कमजोर होती हैं।”**

147. जन-जातीय विकास हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं अगले वित्त वर्ष में जन-जातीय उप-योजना के लिए ₹ 567 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ जो कि कुल राज्य योजना का 9 प्रतिशत है। इस राशि को किन्नौर, लाहौल स्पिति, पांगी तथा भरमौर के 5 जन-जातीय क्षेत्रों की विकेन्द्रीकृत योजनाओं की प्राथमिकताओं के अनुरूप सिंचाई, बागवानी तथा सब्जी उत्पादन, सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल योजना इत्यादि पर खर्च किया जाएगा।

जन-जातीय
विकास

मैं जन-जातीय क्षेत्रों के लिए गैर योजना को सम्मिलित करते हुए ₹1620 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

148. अध्यक्ष महोदय, पूर्व सैनिकों, कार्यरत सैनिकों, सैनिकों की विधवाओं, शौर्य युद्धवीरता पुरस्कार विजेताओं का कल्याण वर्तमान सरकार का प्रमुख ध्येय है।

भूतपूर्व सैनिक तथा
स्वतन्त्रता सेनानी
कल्याण

पिछली सरकार ने भूतपूर्व सैनिकों को अनुमोदित सैन्य सेवा के लिए मिलने वाले वित्तीय लाभ बंद करने का निर्णय लिया था। हमारी सरकार ने भूतपूर्व सैनिकों को मिलने वाले इन लाभों को बहाल कर दिया है। प्रदेश सरकार सेना में शहीदों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर रोजगार प्रदान करती है। अब यह निर्णय लिया गया है कि यह लाभ अर्धसैनिक बलों में हिमाचली शहीदों के आश्रितों को भी दिया जाएगा।

149. गुड़िया प्रकरण के कारण पुलिस की साख बहुत गिर गई थी। यह प्रकरण बहुत शर्मनाक था। इसलिए हमारा ध्यान महिलाओं पर होने वाले अपराधों पर निगरानी, वन, खनन तथा ड्रग माफिया पर कठोर कार्रवाई तथा यातायात की दुर्घटनाओं में कमी पर होगा। हमारी सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी पग उठाएगी। बालिकाओं को, छेड़छाड़ करने वालों तथा असामाजिक तत्वों से निपटने हेतु, सशक्त करने तथा उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से, हम सभी सरकारी स्कूलों में आत्मरक्षा कार्यक्रम का लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

150. मैं 2018-19 में सोलन, हमीरपुर तथा चम्बा जिलों में एक-एक महिला पुलिस थाना खोलना प्रस्तावित करता हूँ।

151. हाल ही में फिंगरप्रिंट ब्यूरो को फॉरेंसिक साईंस लैब में स्थानान्तरित किया गया है जिससे इस कार्य में वैज्ञानिक कुशाग्रता आएगी तथा इस कार्य को अधिक कुशलता तथा पेशेवर तरीके से किया जा सकेगा। प्रदेश अपनी स्वचलित Finger Print Identification प्रणाली व लाइव स्कैनर खरीदेगा। इससे अपराधियों का डाटा बनाया जा सकेगा। मैं इसके लिए ₹ 2 करोड़ का बजट आवंटन प्रस्तावित करता हूँ। प्रदेश में यातायात उलंघन का मौके पर ही निपटारा /compound करने के लिए e-challan प्रणाली को पायलट आधार पर आरम्भ किया जाएगा।

वर्ष 2018-19 में पुलिस आवासों के लिए ₹ 40 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

मैं गृह विभाग जिसमें पुलिस, गृह रक्षक, अग्निशमन तथा कारागार शामिल हैं, के लिए ₹ 1,430 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

152. प्रदेश सरकार विश्व बैंक द्वारा ₹ 240 करोड़ की वित्तपोषित एकीकृत वित्तीय प्रबन्धन क्षमता वर्धन परियोजना लागू कर रही है। हम

सरकारी कार्यालयों के बिजली, पानी और टैलीफोन के बिलों के सीधे भुगतान हेतु इसे ई-बिल प्रणाली से जोड़ेंगे। हम ई-सेलरी में कर्मचारियों का आधार नम्बर भी डालेंगे ताकि कर्मचारियों के सभी भुगतान बिना गलती के नेशनल पेमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से उनके खातों में चले जाएं।

153. मेरी सरकार "अटल पेंशन योजना" के अन्तर्गत असंगठित क्षेत्र में सभी को पेंशन दिलाने का प्रयास करेगी। अटल पेंशन योजना में 31 मार्च, 2019 तक नामांकित हुए सभी अंशदायियों को प्रदेश सरकार की ओर से अंशदायी के अंश का 50 प्रतिशत या ₹ 2,000 तक का अंश, जो भी कम हो, प्रदान किया जाएगा। मैं 2018-19 में इस योजना के लिए ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

असंगठित संस्थाओं
के लिए सामाजिक
सुरक्षा

154. अध्यक्ष महोदय, कर्मचारी प्रदेश सरकार की रीढ़ हैं। राज्य सरकार ने अनुबन्ध महिला कर्मचारियों की मातृत्व अवकाश 135 दिनों से बढ़ाकर 180 दिन कर दिया है। राज्य सरकार ने 1 जुलाई, 2017 से 3 प्रतिशत मंहगाई भत्ता जारी किया है। हमने नियमित कर्मचारियों व पेंशनरों के लिए 1 जनवरी, 2016 से 8 प्रतिशत की दर से अन्तरिम राहत भी जारी की है जिससे इन्हें ₹ 700 करोड़ का अतिरिक्त लाभ हुआ है। प्रदेश में किसी भी नई सरकार ने कार्यालय के पहले 2 महीनों में कर्मचारियों को इतने वित्तीय लाभ प्रदान नहीं किए हैं।

कर्मचारी व
पेंशनर कल्याण

मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि नियमित सरकारी कर्मचारियों/पेंशनरों को उनके मूल वेतन/मूल पेंशन पर 1 जुलाई, 2017 से 4 प्रतिशत अतिरिक्त अन्तरिम सहायता प्रदान की जाएगी। इससे उन्हें ₹ 260 करोड़ का वित्तीय लाभ होगा। ये अन्तरिम राहत भविष्य में होने वाले वेतन/पेंशन संशोधन में समायोजित की जाएगी। मुझे विश्वास है कि इस निर्णय से सभी कर्मचारी व पेंशनर प्रसन्न होंगे। अनुबन्ध कर्मचारियों को वेतन में मूल+ग्रेड पे तथा ग्रेड पे का 75 प्रतिशत दिया जाता है। मैं सहर्ष यह घोषणा करता हूँ कि 2018-19 में अनुबन्ध कर्मचारियों को मूल वेतन व ग्रेड पे का दोगुना वेतन स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं पार्ट टाइम वाटर कैरियर का मानदेय ₹1,900 से बढ़ाकर ₹2,200 प्रतिमाह करना प्रस्तावित करता हूँ। Mid Day Meal Workers को भारत सरकार द्वारा ₹ 1,000 प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जा रहा है। राज्य सरकार उन्हें अतिरिक्त ₹500 की राशि दे रही है मैं उसे बढ़ाकर ₹ 800 प्रतिमाह करना प्रस्तावित करता हूँ। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि SMC अध्यापकों का पारिश्रमिक 20 प्रतिशत प्रतिमाह बढ़ाया जाएगा।

आशा कार्यकर्ताओं को उनके कार्यकलापों के आधार पर प्रोत्साहन राशि दी जाती है। मैं उन्हें राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि ₹ 1,000 को बढ़ाकर ₹ 1,250 करना प्रस्तावित करता हूँ। आँगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायकों को भारत सरकार द्वारा ICDS योजना के अन्तर्गत मानदेय दिया जाता है। अब मैं यह प्रस्तावित करता हूँ कि आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार की ओर से ₹ 1,750 अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा जिससे उनका कुल मानदेय ₹ 4,750 हो जाएगा। आँगनबाड़ी सहायक को राज्य सरकार से अब ₹ 900 अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा जिससे उनका कुल मानदेय ₹ 2,400 प्रतिमाह हो जाएगा। मैं जल रक्षकों का मानदेय ₹ 1,700 प्रतिमाह से बढ़ाकर ₹ 2,100 प्रतिमाह करना प्रस्तावित करता हूँ।

दिहाड़ीदारों की दिहाड़ी ₹ 210 प्रतिदिन है। मैं सहर्ष इसे बढ़ाकर ₹ 225 प्रतिदिन करता हूँ जिससे ऐसे कर्मियों को ₹ 450 मासिक का लाभ होगा।

मैं कर्मचारी आवासों के निर्माण के लिए ₹ 65 करोड़ तथा रख-रखाव के लिए ₹ 25 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित करता हूँ।

हमारी सरकार मन्त्री मण्डल की प्रत्येक बैठक में कार्यमूलक (Functional) पदों को भरने का निर्णय ले रही है। मैं माननीय सदन

को सूचित करना चाहता हूँ कि हम सभी सरकारी विभागों के कार्यमूलक पद भरेंगे।

बजट अनुमान

155. अध्यक्ष महोदय, अब मैं 2018–19 के बृहद् बजट अनुमानों तथा 2017–18 के संशोधित अनुमानों पर आता हूँ। वर्ष 2017–18 के संशोधित अनुमानों के अनुसार राजस्व घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 1.93 प्रतिशत तथा वित्तीय घाटा 5.46 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वर्ष 2018–19 में राजस्व घाटा 2.09 प्रतिशत तथा वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.16 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। FRBM अधिनियम की आवश्यकता के अनुरूप मैं वर्ष 2018–19 से 2021–22 की अवधि के लिए प्रदेश सरकार की मध्यावधि वित्तीय योजना अलग से प्रस्तुत कर रहा हूँ। अगले वर्ष के बजट का पूर्ण विवरण इस मान्य सदन में प्रस्तुत किए जा रहे विस्तृत बजट दस्तावेजों में उपलब्ध है।

156. वर्ष 2018–19 के लिए कुल ₹ 41,440 करोड़ का बजट व्यय अनुमानित है। वेतन पर अनुमानित व्यय ₹11,263 करोड़, पेंशन पर ₹ 5,893 करोड़, ब्याज अदायगी पर अनुमानित व्यय ₹ 4,260 करोड़, ऋणों की वापसी पर ₹ 3,184 करोड़ तथा अन्य ऋणों पर ₹ 448 करोड़ एवं रख-रखाव पर ₹ 2,741 करोड़ का व्यय अनुमानित है।

157. वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों के अनुसार कुल राजस्व प्राप्तियां ₹ 30,400 करोड़ तथा कुल राजस्व व्यय ₹ 33,568 करोड़ अनुमानित है, जिससे ₹ 3,168 करोड़ का राजस्व घाटा होगा। सरकार के पूँजी खाते में ₹ 6,540 करोड़ तथा लोक लेखा में भविष्य निधि इत्यादि में ₹ 1,225 करोड़ की प्राप्तियां अनुमानित हैं। ऋण की अदायगी सहित कुल पूँजी व्यय ₹ 7,872 करोड़ रहने का अनुमान है। वर्ष 2018–19 में वित्तीय घाटा ₹ 7,821 करोड़ रहने का अनुमान है।

158. इस प्रकार बजट अनुमानों के अनुसार, प्रति ₹ 100 व्यय के मुकाबले, ऋण को छोड़कर, केन्द्र से प्राप्त धनराशि सहित प्रदेश की कुल प्राप्तियां ₹ 73.36 होगी। ₹ 26.64 के इस अन्तर को ऋण द्वारा पूरा किया जाएगा। प्रदेश की राजस्व आय के प्रति ₹100 में से

₹ 27.13 कर राजस्व, ₹ 6.52 गैर कर राजस्व, ₹ 21.01 केन्द्रीय कर में हिस्सेदारी तथा ₹ 45.34 केन्द्रीय अनुदान द्वारा प्राप्त होंगे। व्यय किए गए प्रति ₹ 100 में से, वेतन पर ₹ 27.18, पेंशन पर ₹ 14.22, ब्याज अदायगी पर ₹ 10.28, ऋण अदायगी पर ₹ 8.76, जबकि शेष ₹ 39.56 विकास कार्यों सहित अन्य गतिविधियों पर व्यय किये जाएंगे।

159. अब मैं बजट के मुख्य सारांश प्रस्तुत कर रहा हूँ।

- भारतीय जनता पार्टी के "दृष्टि पत्र" को वर्तमान सरकार की विकास नीतियों को लागू करने के लिए मार्गदर्शक अभिलेख माना जाएगा।
- वरिष्ठ नागरिकों की वृद्धावस्था पेंशन के लिए आयु सीमा को, बिना किसी आय सीमा के, 80 वर्ष से घटाकर 70 वर्ष किया गया।
- **"गुड़िया"** और **"होशियार सिंह"** हेल्पलाइन तथा शक्ति ऐप का शुभारम्भ किया गया।
- नई **"मुख्यमंत्री लोक भवन"** योजना आरम्भ की गई जिसके अन्तर्गत प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में ₹ 30 लाख की लागत से "लोक भवन" बनेंगे।
- **"विधायक क्षेत्र विकास निधि"** के अन्तर्गत राशि को बढ़ाकर ₹1.25 करोड़ किया गया।
- विधायकों की विवेक अनुदान राशि को बढ़ाकर ₹ 7 लाख किया गया।
- लोक निर्माण व सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग में Works Management Information System (WMIS) लागू किया जाएगा।

- नई **“ई-स्टैम्पिंग”** योजना आरम्भ की जाएगी।
- ₹ 5 लाख से अधिक की निविदाओं को e-procurement Portal के माध्यम से जारी किया जाएगा।
- राज्य खाद्य उपदान योजना में ₹220 करोड़ का बजट प्रस्तावित।
- महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से नई **“हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना”** आरम्भ की जाएगी।
- ₹1,134 करोड़ की लागत वाली विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित **“बागवानी विकास परियोजना”** पर वर्ष 2018–19 में ₹ 100 करोड़ व्यय किए जाएंगे।
- अगले पांच वर्षों में कमान्द विकास के लिए ₹500 करोड़ व्यय किए जाएंगे। वर्ष 2018–19 में ₹130 करोड़ का बजट प्रावधान।
- लघु सिंचाई योजनाओं के अन्तर्गत ₹277 करोड़ व्यय किए जाएंगे।
- मध्यम सिंचाई योजनाओं पर ₹85 करोड़ व्यय किए जाएंगे।
- नई योजना **“जल से कृषि को बल”** के अन्तर्गत आगामी पांच वर्षों में ₹ 250 करोड़ खर्च किए जाएंगे।
- नई **“Flow Irrigation Scheme”** के अन्तर्गत आगामी 5 वर्षों में ₹ 150 करोड़ का व्यय किए जाएंगे।
- नई **“सौर सिंचाई योजना”** के अन्तर्गत आगामी 5 वर्षों में ₹200 करोड़ व्यय करने की घोषणा।

- कृषकों को सिंचाई के लिए बिजली की वर्तमान दर ₹ 1 प्रति युनिट से घटाकर 75 पैसे प्रति युनिट की जाएगी।
- 2018–19 से सेब, अन्य फलों तथा सब्जियों को H. P. Certain Goods Carried by Roads कर से पूर्ण रूप से छूट दी जाएगी।
- नई योजना **“प्राकृतिक खेती, खुशहाल किसान”** ₹ 25 करोड़ के बजट प्रावधान से प्रारम्भ करने की घोषणा।
- जैविक कीटनाशक संयन्त्र की स्थापना के लिए 50 प्रतिशत निवेश उपदान देने की घोषणा।
- **“कृषि उपकरण सुविधा केन्द्रों”** की स्थापना के लिए मशीनरी पर 40 प्रतिशत उपदान।
- कृषकों/बागवानों को पॉवर वीडर तथा पॉवर टिल्लर तथा अन्य उपकरणों पर उपदान हेतु ₹ 32 करोड़ का बजट प्रावधान।
- “Anti Hailnet” पर उपदान के लिए बजट ₹ 2.27 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 10 करोड़ किया गया।
- नई **“बागवानी सुरक्षा योजना”** के अन्तर्गत एन्टी-हेलगन लगाने के लिए 60 प्रतिशत उपदान प्रदान करने के लिए ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान।
- **“मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना”** के अन्तर्गत सौर बाड़ को सामूहिक तौर पर लगाने पर 85 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। ₹ 35 करोड़ का बजट प्रावधान।
- JICA फसल विविधिकरण योजना के द्वितीय चरण को ₹1,000 करोड़ की लागत से सभी जिलों में लागू किया जाएगा।

- ₹ 10 करोड़ की लागत से **“हिमाचल पुष्प क्रान्ति योजना”** का शुभारम्भ।
- **“प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना”** तथा **“मौसम आधारित बीमा योजना”** के लिए ₹ 29 करोड़ का बजट प्रावधान।
- विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित योजना द्वारा नई मण्डियों के उन्नयन करने एवं खोलने पर ₹150 करोड़ का व्यय प्रस्तावित।
- सहकारी दुग्ध संघों को दुग्ध एकरूकरण एवं वितरण की प्रतिपूर्ति हेतु ₹ 1 प्रति-लीटर की दर से भाड़ा उपदान की घोषणा।
- दूध खरीद मूल्य को ₹ 1 प्रति-लीटर बढ़ाने की घोषणा।
- **“डेरी उद्यमी विकास योजना”** के अन्तर्गत अतिरिक्त 10 व 20 प्रतिशत उपदान प्रदान किया जाएगा।
- अच्छी नस्ल की दुधारू देसी गाय के लिए पशु आहार पर सामान्य वर्ग के बीपीएल परिवारों के लिए भी 50 प्रतिशत उपदान की घोषणा।
- नई **“मुख्यमंत्री मधु विकास योजना”** के अन्तर्गत 80 प्रतिशत उपदान देने के लिए ₹10 करोड़ का बजट प्रावधान।
- Fish Feed ईकाई की स्थापना के लिए स्टाम्प ड्यूटी पर छूट तथा यन्त्र तथा मशीनों पर 50 प्रतिशत निवेश उपदान।
- **“गौसेवा आयोग”** के गठन की घोषणा।
- **“हिमाचल प्रदेश धार्मिक संस्थान तथा मंदिर न्यास अधिनियम”** में संशोधन करके चढ़ावे का 15 प्रतिशत गौ-सदनों

के निर्माण, रख-रखाव तथा परिचालन के लिए व्यय करने का प्रस्ताव।

- शराब पर प्रति बोतल गौवंश विकास Cess जिससे ₹ 8 करोड़ प्राप्त होंगे।
- गौसदन स्थापित करने के लिए सरकारी भूमि ₹ 1 पट्टे पर देने की घोषणा।
- बेसहारा पशु रहित पंचायत को ₹ 10 लाख का पुरस्कार देने की घोषणा।
- प्राकृतिक आपदाओं से क्षतिग्रस्त आवासों के पुनर्निर्माण हेतु मुख्यमंत्री आवास योजना से धन राशि प्रदान करने की घोषणा।
- ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा एकत्रित करने वालों को प्रोत्साहित करने के पिकअप वाहन खरीद पर 33 प्रतिशत उपदान।
- हर पंचायत में एक **“ग्राम गौरव पट्ट”** लगाया जाएगा।
- सूखे की स्थिति को देखते हुए मनरेगा में 100 दिनों के बदले 120 दिनों का रोजगार प्रस्तावित।
- प्रत्येक पंचायत में **“मोक्ष धाम”** चरणबद्ध तरीके से बनाए जाएंगे।
- जिला परिषद् एव पंचायत समिति के सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्र में विकास कार्य के लिए 45 करोड़ का बजट प्रावधान।
- पाँचवें राज्य वित्तायोग की अनुशंसा अनुसार पंचायती राज संस्थाओं को ₹ 194 करोड़ प्रदान किए जाएंगे।
- पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा।

- आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य से एक नई योजना **“वन समृद्धि, जन समृद्धि”** लाई जाएगी।
- वन्य क्षेत्र में बाह्य सहायता प्राप्त योजनाओं के लिए ₹ 125 करोड़ का बजट प्रावधान।
- नई **“सामुदायिक वन संवर्धन योजना”** प्रारम्भ करने की घोषणा।
- नई **“विद्यार्थी वन मित्र योजना”** प्रस्तावित।
- युवा छात्रों में विज्ञान के प्रति रुची बढ़ाने के उद्देश्य से **“युवा विज्ञान पुरस्कार”**।
- नई **“श्रेष्ठ शहर योजना”** के अन्तर्गत पुरस्कार देने की घोषणा।
- शहरी स्थानीय निकायों के चुने हुए प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा।
- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए **“National Generic Document Registration System”** द्वारा **“कहीं भी रजिस्ट्री”** सेवा का प्रस्ताव।
- व्यक्तिगत लाभार्थियों के लिए हैण्डपम्प 75 प्रतिशत मूल्य पर लगवाए जाएंगे।
- जलापूर्ति व सिंचाई योजनाओं के विद्युतभार वहन हेतु ₹ 500 करोड़ का बजट प्रावधान।
- निवेश बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं को सरल किया जाएगा।

- Investment व Infrastructure progress की monitoring के लिए **“हिम प्रगति”** आरम्भ की जाएगी।
- उद्योगों को प्रोत्साहन के लिए नेट SGST की समुचित अदायगी के लिए नीति बनाई जाएगी।
- चम्बा के बडोहशिंद तथा सिरमौर के नौहराधार में सीमेण्ट संयन्त्र लगाने की कार्यवाही।
- बद्दी बरोटीवाला नालागढ़ विकास प्राधिकरण के लिए ₹ 35 करोड़ का बजट प्रावधान।
- बरोटीवाला—मंधला—परवाणु तथा बरोटीवाला गुनाई परवाणु सड़क को चौड़ा करने के लिए ₹ 4 करोड़ का बजट प्रावधान।
- छोटे उद्योगों पर विद्युत शुल्क को 4 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत तथा मझोले उद्योगों पर 10 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत।
- औद्योगिक प्लॉट के लिए भूमि वर्तमान में 30 वर्ष के स्थान पर 90 वर्ष के लिए पट्टे पर दी जाएगी।
- सभी नए छोटे व मझोले उद्योगों को 5 वर्ष तक विद्युत शुल्क से छूट होगी।
- पनविद्युत नीति में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे।
- वोल्टेज सुधार के लिए राज्य विद्युत बोर्ड को ₹ 50 करोड़ ईक्विटी देना प्रस्तावित।
- घरेलू तथा कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत उपदान के लिए ₹475 करोड़ की राशि प्रस्तावित।
- पर्यटन के अनछुए क्षेत्रों के विकास के लिए नई योजना **“नई राहें नई मंजिलें”** 50 करोड़ के बजट के साथ प्रारम्भ करने की घोषणा।

- ADB परियोजना के द्वितीय चरण में नए क्षेत्रों में पर्यटन अधोसंरचना के विकास हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जाएगा।
- हेली-टैक्सी सेवा प्रारम्भ करने के लिए कदम उठाए जाएंगे तथा अतिरिक्त हैलीपैडों का निर्माण किया जाएगा।
- स्वदेश दर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत धार्मिक सर्किट की अधोसंरचना विकसित करने के लिए ₹ 100 करोड़ की परियोजना केन्द्र सरकार भेजी जाएगी।
- धार्मिक व साहसिक पर्यटन को बड़े स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा।
- पौंग, कोल, भाखड़ा बान्धों के जलाशयों में जल-क्रीड़ा तथा साहसिक पर्यटन गतिविधियाँ विकसित की जाएगी।
- तत्तापानी में जल-क्रीड़ा, स्थान के सौन्दर्यकरण, घाट एवं गर्म पानी के स्रोतों को विकसित किया जाएगा।
- पंजाब सरकार से समझौता कर आनन्दपुर साहिब से नैना देवी रोपवे के लिए प्रयास किए जाएंगे।
- धर्मकोट से त्रियूँड, जंजैहली से शिकारी माता व अन्य पर्यटन स्थलों पर रोपवे लगाने के प्रयास किए जाएंगे।
- पर्यटन से जुड़े लोगों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करेंगे।
- युवाओं को उद्योगों में स्वरोजगार हेतु नई **“मुख्यमंत्री स्वावलम्बन योजना”** का 80 करोड़ बजट प्रावधान के साथ शुभारम्भ।

- 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के हिमाचली युवाओं को Trade व Services में स्वरोजगार हेतु नई **“मुख्यमंत्री युवा आजीविका योजना”** का 75 करोड़ बजट प्रावधान के साथ शुभारम्भ।
- युवाओं में Entrepreneurship के विकास के लिए **“उद्यम विकास कार्यक्रम”** आयोजित किए जाएंगे।
- **“दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना”** को ₹ 77 करोड़ की लागत से लागू किया जाएगा।
- कौशल विकास भत्ते के लिए ₹100 करोड़ का बजट प्रावधान।
- हिमाचल पथ परिवहन निगम को अनुदान एवं इक्विटी के रूप में ₹ 300 करोड़ प्रदान किए जाएंगे।
- सभी बस अड्डों तथा चुने हुए बस स्टॉप पर इलेक्ट्रॉनिक डिसप्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, जहाँ प्रत्येक मार्ग पर आने वाली बस का समय दिखाया जाएगा।
- बस अड्डों व वहां पर शौचालय ब्लॉक के निर्माण हेतु अतिरिक्त ₹ 20 करोड़ का प्रावधान।
- सभी सरकारी निर्माणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तृतीय पक्ष निरीक्षण प्रणाली व मुख्यमंत्री कार्यालय के अधीन स्वतन्त्र निगरानी स्क्वैड बनेगा।
- 2,500 किलोमीटर सड़कों की टारिंग का लक्ष्य निर्धारित। रख-रखाव के लिए पिछले वर्ष से 2018-19 में 100 करोड़ का अतिरिक्त बजट प्रावधान।

- नई योजना “Himachal Road Improvement Scheme” के अन्तर्गत सड़कों के Cross Drainage के लिए ₹ 50 करोड़ बजट प्रावधान।
- साच, जलोड़ी, खड़ापत्थर तथा रोहतांग दर्रे को सर्दियों में भी खुला रखने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी।
- दुर्घटना सम्भावित स्थलों (Black Spots) पर सड़क की Alignment, साइन बोर्ड, रेलिंग लगाने के लिए ₹ 50 करोड़ का बजट प्रावधान।
- मुख्यमंत्री सड़क योजना में ₹ 50 करोड़ का बजट प्रावधान।
- डीलरों के हित के लिए “The Himachal Pradesh Settlement of Pending Assessment Cases Bill”, 2018 प्रस्तुत किया जाएगा।
- शिक्षकों के स्थानान्तरण हेतु पारदर्शी स्थानान्तरण नीति तैयार की जाएगी।
- नई योजना **“मुख्यमंत्री आदर्श विद्या केन्द्र”** की घोषणा जिसके तहत 10 आवासीय विद्यालय बनेंगे। ₹ 25 करोड़ के बजट का प्रावधान।
- **“अटल वर्दी योजना”** के अन्तर्गत वर्दी के साथ पहली, तीसरी, छठी तथा 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों को एक स्कूल बैग देने की घोषणा।
- चुने हुए विद्यालयों में “Atal Tinkering Labs” स्थापित किए जाएंगे।

- नई योजना **"अखण्ड शिक्षा ज्योति, मेरे स्कूल से निकले मोती"** आरम्भ की जाएगी।
- छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए नई **"मेधा प्रोत्साहन योजना"** प्रारम्भ करने की घोषणा।
- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को ₹ 110 करोड़ का अनुदान की घोषणा।
- विलुप्त होती पाण्डूलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों को Digitise किया जाएगा।
- नई योजना **"आज पुरानी राहों से"** आरम्भ की जाएगी।
- इन्दोर सभा गृहों के निर्माण के लिए 25 करोड़ का बजट प्रावधान।
- कवियों/लेखकों/साहित्कारों के दैनिक भत्तों में 50 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा।
- वरिष्ठ नागरिकों को राज्य के विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा हेतु नई योजना **"देव भूमि दर्शन"** आरम्भ करने की घोषणा।
- बहुउद्देशीय इन्दोर खेल कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु ₹ 15 करोड़ का बजट प्रावधान।
- **"मुख्यमन्त्री खेल विकास योजना"** के अन्तर्गत ₹ 6.80 करोड़ का बजट प्रावधान।

- **“हिमाचल प्रदेश पत्रकार कल्याण योजना”** के अन्तर्गत आपात्कालीन चिकित्सा राशि ₹ 50,000 से बढ़ाकर ₹ 2.50 लाख करने की घोषणा। इसके लिए आय सीमा को हटाया गया है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में निजी अस्पतालों को प्रोत्साहित करने के लिए नई **“स्वास्थ्य में सहभागिता योजना”** आरम्भ।
- सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए नई **“मुख्यमंत्री निरोग योजना”** आरम्भ।
- **“निःशुल्क दवा नीति”** के अन्तर्गत सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर निशुल्क दी जाने वाली दवाइयों की संख्या बढ़ाई जाएगी।
- मिज़ल और रूवेला की बीमारियों की रोकथाम के लिए 100 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य।
- नई **“मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना”** के अन्तर्गत सभी नवजात शिशुओं को ₹1,500 मूल्य की **“नव आगन्तुक”** किट दी जाएगी।
- IGMC में गुर्दा प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
- राज्य के गम्भीर बीमारियों से पीड़ित जरूरतमंद गरीब लोगों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए **“मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष”** का गठन।
- **“मदर टेरेसा मातृ आश्रय सम्बल योजना”** के अन्तर्गत सहायता राशि को बढ़ाकर ₹ 5,000 करने का प्रस्ताव।

- **“बेटी है अनमोल”** के अन्तर्गत BPL परिवारों को मिलने वाली राशि को बढ़ाकर ₹ 12,000 करने का प्रस्ताव।
- नई व्यापक **“सशक्त महिला योजना”** की घोषणा।
- **“स्वास्थ्य बीमा योजना”** के अन्तर्गत एक या दो बेटियों वाले परिवारों का क्रिटिकल केयर पैकेज ₹ 1,75,000 से बढ़ाकर ₹ 2,50,000 करना प्रस्तावित करता हूँ। अतिरिक्त ₹ 75,000 की राशि केवल बालिकाओं को देय होगी।
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर ₹ 750 प्रतिमाह तथा 70 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले व्यक्तियों तथा 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों की पेंशन बढ़ाकर ₹1,300 प्रतिमाह करने की घोषणा। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लिए ₹ 600 करोड़ का बजट प्रावधान।
- सोलन हमीरपुर तथा चम्बा जिलों में एक-एक महिला पुलिस थाना खोलना प्रस्तावित।
- नियमित सरकारी कर्मचारियों/पेंशनरों को मूल वेतन/पैन्शन पर 1 जुलाई, 2017 से 4 प्रतिशत अतिरिक्त अन्तरिम सहायता देना प्रस्तावित।
- अनुबन्ध कर्मचारियों को मूल वेतन के साथ ग्रेड पे का दोगुना वेतन स्वरूप प्रदान किया जाएगा।
- दिहाड़ीदारों की दिहाड़ी बढ़ाकर ₹ 225 प्रतिदिन किया जाना प्रस्तावित।
- पार्ट टाइम वाटर कैरियर, मिड्डे मील वर्करस, SMC Teachers, आषा कार्यकर्ता, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायक तथा जल रक्षक के मानदेय में बढ़ौतरी।

- कर्मचारी आवासों के निर्माण के लिए ₹ 65 करोड़ तथा रख-रखाव के लिए ₹ 25 करोड़ का बजट प्रावधान।
- सरकारी विभागों के कार्यमूलक पद भरे जाएंगे।
- वर्ष 2018-19 में ₹ 41,440 का बजट प्रावधान प्रस्तावित।

160. अध्यक्ष महोदय, जिस दिन से हमारी भाजपा सरकार ने कार्यग्रहण किया है, हमने एक पारदर्शी एवं कार्यकुशल प्रशासन देने की प्रतिबद्धता दिखाई है। हमने इस बजट के माध्यम से एक महत्वाकांक्षी कार्ययोजना का लक्ष्य निर्धारित किया है जो वास्तव में आसान नहीं है। यह एक लम्बी यात्रा की छोटी सी शुरुआत है।

निष्कर्ष

मैं यहाँ पर उर्दू के प्रसिद्ध कवि निदा फाज़ली को उद्धृत करना चाहूँगा:

**“सफर में धूप तो होगी चल सको तो चलो।
सभी हैं भीड़ में तुम भी निकल सको तो चलो।।”**

यह बजट समाज के सभी वर्गों को सम्मिलित करता है तथा उन्हें प्रदेश के विकास में बराबरी की साझेदारी देता है। यह सुधार एवं परिवर्तन की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह युवा वर्ग के लिए आशा की एक किरण है क्योंकि इसमें उनके रोजगार सृजन की अनेक नई योजनाएं हैं। यह बजट किसानों व बागवानों की आर्थिकी बढ़ाने के लिए पूरी रणनीति प्रस्तुत करता है। यह बजट प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए सुदृढ़ कदम भी दर्शाता है। इसमें महिला सशक्तिकरण के लिए भी बहुत से कदम हैं। यह बजट न केवल हमारे विकास की दिशा इंगित करता है, बल्कि यह हमारे प्रयासों के परिणामों का प्रतिबिम्ब भी है। समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास, प्रगति की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी एवं राज्य के चहुँमुखी विकास को सुनिश्चित करने के साथ ही, यह धरातल पर साकार होती हुई जन आकांक्षाओं का दस्तावेज है।

अध्यक्ष महोदय, श्रद्धेय अटल जी की निम्न पंक्तियों के साथ मैं इस बजट को माननीय सदन को संस्तुत करता हूँ:-

“हम पड़ाव को समझें मंजिल,
लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल
वर्तमान के मोहजाल में
आने वाला कल न भुलाएं
आओ फिर से दिया जलाएं,
आओ फिर से दिया जलाएं।।

“जय हिन्द।
जय हिमाचल।।

Hon'ble Speaker Sir,

1. With your permission, I rise to present the Budget Estimates for 2018-19.

At the outset, I would like to extend my thanks from the depth of my heart to the people of Himachal Pradesh for giving us a decisive mandate in the Vidhan Sabha elections held in November, 2017. The people of Himachal Pradesh have reposed full faith in the progressive policies and programmes of the Bhartiya Janta Party. This positive turnaround has been possible under the visionary leadership of Hon'ble Prime Minister, Mr. Narendra Modi Ji and dynamic President of Bhartiya Janta Party, Sh. Amit Shah Ji. This is my first budget as Chief Minister of Himachal Pradesh. I heartily thank people of Himachal Pradesh for blessing me to reach this post. I also thank the people of Seraj from the core of my heart for electing me continuously for the fifth time as M.L.A., to serve the State. I would like to say;

“मुझे उँचाईयों पर देख कर, हैरान हैं कुछ लोग ।
पर उन्होंने, मेरे पैरों के छाले नहीं देखे ।।”

2. I assure the people of Himachal that our Government shall function with full dedication, following the philosophy of “**Sab ka Saath Sab Ka Vikas**”. We have adopted the BJP

‘Drishtipatra’ as the policy document to guide the development policies of the present Government.

On assumption of office, our first decision was to lower the age from 80 years to 70 years for providing old age pension to all, without any income limit, who are not getting any other pension. This decision will benefit around 1.30 lakh senior citizens in this age group and they will get ₹195 crore as annual old age pension.

3. Himachal has always occupied a special place in the heart of BJP leadership at the national level. The UPA Government devolved ₹ 28,552 crore from the Union Budget of 2012-13 to 2014-15 in three years to Himachal whereas, NDA Government devolved ₹ 46,793 crore from 2015-16 to 2017-18 budget. This clearly shows the love and affection of our beloved Prime Minister toward the people of Himachal Pradesh.

I would also like to inform this August House that 14th Finance Commission recommended that there will be no distinction between the Special Category States and General Category States for devolution of funds. However, the Union Government led by Modiji, decided to give 90:10 funding pattern to Hill States under all the Centrally Sponsored Schemes vide its order dated 28th October, 2015. Earlier, during UPA Government, we were getting 65 percent grant under SSA, 75 percent under RMSA, 50 percent grant under NRDWP, and 50 percent under Special Nutrition Programme

of ICDS etc. Now, we are uniformly getting 90 percent grant under all these CSS. We are grateful to the Union Government for above special dispensation to Himachal Pradesh.

4. Speaker Sir, the Central Government led by Sh. Modi ji, not only provided liberal financial assistance to Himachal, it also provided an impetus to the development process in the State through direct interventions. The Union Government has approved 69 National Highways for Himachal Pradesh, assistance of ₹ 782 crore for 221 rural roads and bridges in current financial year, approval for establishing AIIMS in Bilaspur and medical colleges in Chamba, Nahan and Hamirpur, assistance of ₹ 29 crore for establishing six trauma centres, air services under UDAAN and assistance for establishing super speciality block and tertiary care centre at IGMCH Shimla are some of the gifts for which people of Himachal Pradesh will always be grateful to the Central Government.

I extend my heartfelt thanks to the Hon'ble Prime Minister, Sh. Modi ji for helping this tiny hill State with all the generosity on this earth.

5. Speaker Sir, despite liberal grants from the NDA Government, the previous Congress Government in the State went on reckless unproductive expenditure without raising State Government resources. I would like to inform this august House that when the earlier BJP Government came in power

Fiscal issues.

on 31st December, 2007, the State had a loan of ₹ 19,977 which increased to ₹ 27,598 when it left the office in December, 2012. However, the loan burden increased to ₹ 46,385 as on 18th December, 2017. Thus, during 2008 to 2012 additional loan of only ₹ 7,621 crore was taken, whereas, during 2013 to 2017 additional loan of ₹ 18,787 crore was taken which is 246 percent hike on additional loan taken during previous five years. Thus, the policy of previous Congress Government was “ऋणम् कृत्वा घृतम् पीवेत्”. Due to these loans, the State is having an annual interest burden of ₹ 3,500 crore.

Speaker Sir, may I say;

“चादर से पैर तभी बाहर आते हैं।
उसूलों से बड़े जब ख्वाब हो जाते हैं।।”

Not only this, the previous Congress Government has left a huge liability of pay arrears of the employees and pension arrears of pensioners to be released by the present Government.

Good Governance **6.** We have also launched the “**Gudiya**” helpline number 1515 and “**Hoshiyar Singh**” helpline number 1090. Information gathered on the ‘Hoshiyar Singh’ helpline will be used to crack down on the activities of Drug, Forests, and Mining Mafias.

As promised, Our Government has launched the **Shakti** app, for women’s safety. A woman at the time of distress can press the red button on the mobile app and an

alert will immediately reach the Police Response Team. Shaking the device will also trigger the app to send its location through GPS. Once triggered, the app will automatically send a message to the nearest police control room. These actions clearly show our resolve to provide good governance.

May I say it here;

“परवाह नहीं चाहे ज़माना जितना भी खिलाफ़ हो,
चलूंगा उसी राह पर जो सीधी और साफ़ हो।”

7. Speaker Sir, we will apply a multi pronged strategy to deal with drug menace. We will address supply side as well as demand side of the problem through concerted efforts. In order to control the supply, we will ensure destruction of narcotic crops and strict enforcement of NDPS Act. I also propose to provide prize money to informers/police force for detection and seizure of drugs. In order to control demand, the evil effects of use of drugs will be propagated through print and electronic media. Sensitization programmes about adverse effects of drugs will be organized in educational institutions. The drug addicts will be dissuaded from taking drugs through psychological counselling, De-addiction camps, treatment and rehabilitation.

8. Speaker Sir, the past few years have witnessed some of the major policy reforms at the national level. As a result of these reforms undertaken by the Union Government, Foreign Direct Investment has gone up. Country's ranking in National Economy.

the ease of doing business has improved. With the introduction of unified Goods and Service Tax, the indirect tax system has been made much simpler. The application of digital technology has resulted in the benefits of welfare schemes reaching directly to the deserving people. The demonetization of high value currency has widened the tax base by reducing the cash currency in circulation. The Insolvency and Bankruptcy Code has harmonized the relationship between lender and debtor.

The Indian economy has now become the seventh largest in the world with a total size of 2.5 Trillion U.S. Dollars. As per the forecast made by the IMF, the Indian economy is expected to grow at 7.4 percent during the next year. With the manufacturing sector getting back on the growth path, and the service sector resuming the pace, the national economy is on the path of achieving a growth rate of 8 percent plus.

State Economy

9. Speaker Sir, the lack of prudence exhibited by the previous Congress Government in managing the fiscal affairs of the State has not only resulted in heavy debt burden on people of the State, but, it has also resulted in slowing down the base of economic growth.

Growth rate of Himachal was 8.1 percent in 2015-16 which reduced to 6.9 percent in 2016-17. In current year i.e. 2017-18 the growth rate is expected to be 6.3 percent. During these three years, growth rate of Himachal Pradesh

is lower than the national growth rate. As per the advance estimates for 2017-18, the Gross Domestic Product of Himachal Pradesh has been estimated at ₹1,35,914 crore and the per capita income of the State is estimated to be ₹1,58,462.

10. Himachal Pradesh has also adopted the Sustainable Development Goals proposed by the United Nations. These 17 Goals have 169 clearly defined targets. The Sustainable Development Goals have also been institutionalized into the budgetary and planning process of the State. Almost all of the new schemes have been formulated with the aim to achieve various targets under Sustainable Development Goals. The State Government will achieve most of the targets under SDG by 2022, in place of timeline of 2030 fixed by United Nations.

Sustainable
Development
Goals.

11. Speaker Sir, the planning process is integral to any budgetary exercise. The State Government has formulated an Annual Plan for 2018-19 with a size of ₹ 6,300 crore which is an enhancement of ₹ 600 crore over the Annual Plan size of ₹ 5,700 crore for 2017-18. Out of the proposed plan size of ₹ 6,300 crore, ₹ 1,587 crore have been proposed for the Scheduled Caste Component Plan, ₹ 567 Crore for the Tribal Sub-Plan and ₹ 75 crore for the Backward Area Sub Plan.

Annual Plan.

12. The Externally Aided Projects have been of immense help in supplementing the State's resources in

meeting the development goals. Partnerships with the multilateral and bilateral agencies have also helped in gaining insight into the best practices being followed at the global and national level. Currently, 13 EAPs are being implemented in the State with a total outlay of ₹ 15,320 crore. Two more EAPs are in the pipeline and are at various stages of negotiations with the funding agencies. I take this opportunity to thank Union Government for providing funds under EAPs in the sharing ratio of 90:10 to Himachal Pradesh.

Guiding Principles. **13.** Speaker Sir, despite the fiscal challenges, I assure the people of Himachal Pradesh that with the help of Union Government the pace of development will leap in Himachal. We set the following guiding principles for ourselves:

- Good governance to the people by improved service delivery.
- Transformation of the rural farm/horticulture economy to double the farmers' income.
- Livelihood and employment generation for youth.
- Restoring Law and Order.
- Housing for all the houseless.
- Control over drug, mining and forest mafias.
- Effective and affordable Health Service Delivery.
- Providing quality education.

- Empowerment of women.
- Promotion of investment by simplification of procedures.
- Bridging the infrastructure gap.
- Re-vitalize the hydro, tourism and trade sectors.
- Social security for old age, women and disabled.
- Upliftment of vulnerable sections.
- Safe drinking water for all households in the State.
- Connectivity to all the Panchayats with motorable roads.

The State Government will work with full zeal and dedication to realise the vision to make Himachal a truly '**Ram Rajya**' where everyone leads a good quality of life, in peaceful environment.

14. Speaker Sir, Prime Minister Shri Narendra Modi Ji has articulated the vision of "**Minimum Government and Maximum Governance**". This vision shall inspire our Government in carrying out reforms in policies and programme.

Administrative
Reforms.

Speaker Sir, whatever is measured is done. With this in mind, we will develop district level good governance index so that good governance in districts could be compared.

Our Government will review all the existing Acts, Rules, Regulations and schemes for their efficacy, relevance

and simplicity. The main objective of review will be to reduce the need of people to visit the Government offices. All the State Government departments will bring the matter before cabinet in next six months.

The reliable data is sine-quo-non for effective planning and implementation of Government schemes. The Department of Economics and Statistics will develop online data collection system for timely collection of data.

Our Government will continuously evaluate the expenditure under different components to curtail wasteful expenditure without affecting the development.

Our Government believes in Government at the door step of the people. Therefore I announce that all the Ministers of the State Government will regularly organize “**Jan Manch**” in remote areas of every district to solve the problems of the people at the spot. The Officers of all departments will be present to facilitate the decision making and grievance redressal.

15. Speaker Sir, I am of the view that public should be aware of various schemes started for their welfare. Hence, it is also proposed that every year after the budget, State Government will compile a booklet “**Jan Adhikaar Pustika**” on various welfare schemes and how to avail benefit under them. These Pustikas will be made available to public through Panchayats/Ration Shops.

16. Speaker Sir, it is important to execute various public works in time, so the benefit could percolate to the beneficiaries quickly.

I propose to announce that the departments of Public Works and IPH will implement Works Management Information System where status of all the works from Tender till completion will be updated on real time basis. This will be available on dash board of the Chief Minister and concerned Minister for regular monitoring.

17. At present stamps are issued either by Treasuries or by authorized bank branches. Our Government will start "**e-stamping**" system for non-judicial stamp papers. Under new system Citizen will be able to generate the stamp on their own through the online system at home/office without need to visit treasury or banks. The Registering authority will be able to verify the challan online.

18. The State Government will take up Bharat Net Phase-II on priority to provide High Speed Internet Connectivity at Gram Panchayat level using optical fiber network.

Information
Technology.

Our motto is to ensure paperless environment. e-Office has been implemented in five departments and five more departments will be added in 2018-19. In next five years, we endeavor to bring all the Government departments under e-office.

19. In order to bring transparency and efficiency in the Government Procurement process, all the tenders having value above ₹5 lakh will be carried out online using e-Procurement portal. Moreover, items available on Government e-Market (GeM) will be procured from GeM.

I propose that the work on IT Park in District Kangra will be done expeditiously to attract investment in this sector with an outlay of ₹12 crore and create job opportunities for 400 skilled people.

Sub-Plan.

20. Speaker Sir, there is a requirement of such community Bhawans having big halls so that different social functions are held there. Therefore, I propose a new “मुख्यमन्त्री लोक भवन” Scheme under which a Community Bhawan will be constructed with an outlay of ₹ 30 lakh in every constituency in next two years. Hon’ble Members of Parliament/ Members of Legislative Assembly may use their funds to construct bigger hall. I also announce that if Hon’ble member intends to construct one or two additional community bhawans in his constituency, then Government will provide ₹ 15 lakhs in addition to ₹ 15 lakhs provided by him. I propose a budget provision of ₹ 12 crore for this purpose.

Speaker Sir, during the two day meetings taken by me with the Hon’ble Members of Legislative Assembly on 12th and 13th February, 2018, to decide their development priorities for the year 2018-19, Hon’ble MLA,s have requested to increase the amount provided to them as the local areas

development fund under Vidhayak Khsetra Vikaas Nidhi Yojana and also the discretionary grant provided to them. Speaker Sir, I am happy to raise the grant under Vidhayak Khsetra Vikaas Nidhi Yojana to ₹ 1.25 crore from the existing limit of ₹ 1.10 crore and the discretionary grant to ₹ 7 lakh from the current level of ₹ 5 lakh. I am sure this will bring smile on faces of members of this August House.

Speaker Sir, may I say;

“बस दिल जीतने का मकसद है,
दुनिया जीत कर तो सिकंदर भी खाली हाथ गया था ।

21. Speaker Sir, we will provide 3 daals, 2 liter edible oil and 1 kg iodized salt to every ration card holder on subsidized rates under food subsidy scheme. We are also providing sugar to all ration-card holders. I request APL card holders of Himachal Pradesh to forgo both the subsidies and send their option to Deptt. of Food & Supplies. I am happy to intimate this Hon'ble house that my cabinet colleagues and I have decided to forgo above subsidies. I am making a budget provision of ₹ 220 crore for implementation of this scheme in 2018-19.

Food Reforms.

22. Under automation of Public Distribution System (e-PDS) we will provide PoS devices in all fair price shops in the State in the current year. We also propose to complete the digitization process of all ration cards. We will provide information regarding availability of ration on mobile.

23. Speaker Sir, 92 percent of the households in Himachal have LPG connections. Under “Ujjawala” Scheme of Government of India, LPG connections to eligible households are being provided. I am happy to announce that for women empowerment and environment conservation, a **new** “हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना” will be launched. Speaker Sir, Grihani is a simple word but it has a deep meaning. Grihani is one whose debtor is entire household. This scheme will obviate the necessity of fuel wood collection by the women. The State Government will provide security for LPG connections and Gas stove to remaining households which are not covered under “**Ujjawala**” Scheme so that all households have gas connection within next two years. Speaker Sir, Himachal will be first State in the country which will provide this facility to all households in the State. I propose a budget provision of ₹ 12 crore for this scheme in 2018-19.

Speaker Sir,

“मैं नन्हा सा दीया हूँ, जलता रहूँगा द्वार पर,

आप अन्धकार को दो चुनौती मेरे ऐतबार पर।।”

24. Speaker Sir, Various control orders were issued under Essential Services Act, 1955 by the department. Now the Country has attained the Food Security and essential commodities are available through open market as well as through Public Distribution System. Most of the control orders

have lost their relevance and lead to Inspector Raj. During pre-budget discussion, Dealers Association also requested to remove these control orders. I propose that the provisions of fixing of prices and margin of profit under the Himachal Pradesh Hoarding and Prevention Order will be withdrawn, as such provisions are not in other States. I also propose that various control orders will be kept in abeyance and will be invoked only in case of food scarcity. Speaker Sir, may I quote famous Hindi poet 'Dushyant' here;

“सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूस्त बदलनी चाहिए।”

25. Speaker Sir, Horticulture plays an important role in the livelihood of the people and economy of the State. We will ensure sustainable growth in Horticulture by giving adequate thrust on the productivity enhancement. Under the World Bank funded Horticulture Development Project of ₹ 1,134 crore, we propose to utilize nearly ₹ 100 crore on this project in 2018-19 on following activities:

Transformation of
Farms/ Horticulture
Economy.

- Setting up of 2,600 orchards of apple with high yielding varieties grafted on colonel rootstocks.
- Setting up of orchards of fruits like Mango litchi, Guava, Citrus, in an area of about 400 hectare on cluster based approach.
- Field training to technical staff of the department by the experts from New Zealand in advanced technologies of canopy and floor management.

- Training of adopter farmers in pruning, nutrition and floor management of orchards.
- Import of 3.70 lakh plants of high yielding varieties of Apple grafted on colonel rootstocks.
- Setting up of two centres of excellence in Shilaroo and Palampur.
- Irrigation facility in all clusters.
- CA cold storage, grading and packing houses and development of market yards.

26. Speaker Sir, two third population of Himachal Pradesh works in Agriculture and Horticulture sector. Hon'ble Prime Minister has declared that the farmer's income is to be doubled by 2022. We sincerely intend to transform the farm/horticulture economy by taking the following measures;

27. 1. **Focus on irrigation:-** Speaker Sir, Irrigation is key to increase the farm income. In Himachal Pradesh large number of irrigation schemes have been constructed by the department of IPH. However, water has not reached to the fields due to non-development of Command Area. An area of 1.30 lakh hectare is yet to be covered under CAD. This requires an investment of ₹ 500 crore. Speaker Sir, I propose to complete the work of providing of field channels to this large uncovered area in next five years. I propose a budget provision of ₹130 crore in 2018-19 for this purpose.

A new shelf of 111 minor irrigation schemes for an estimated cost of ₹ 338 crore covering 17,881 hectares

within three financial years has been approved for funding under “**Pradhan Mantri Krishi Sinchai Yojna(PMKSJ)**”. I am happy to inform that first instalment of central assistance of ₹ 49 crore have been received. I propose an outlay of ₹ 277 crore for Minor Irrigation Schemes in 2018-19.

Medium Irrigation Project Nadaun area and Phina Singh in District Kangra are under execution. I propose a budget provision of ₹ 85 crore for these two schemes.

I also propose a budget provision of ₹15 crore for “**Efficient Irrigation through Micro Irrigation Systems**” in 2018-19. I also propose to provide a budget of ₹ 10 crore for construction of bore well etc.

I am happy to intimate Hon’ble members that for irrigation, our Government will launch a new Scheme called, “जल से कृषि को बल” with a budget of ₹ 250 crore for five years. Under this scheme check dams and ponds will be constructed. I also propose to start a new “**Flow Irrigation Scheme**” with an outlay of ₹ 150 crore in next five years. Under this scheme, besides renovating the source location of Kuhls, strengthening of Kuhls in common area will be undertaken. Speaker Sir, in addition to above, I also propose to start a “सौर सिंचाई योजना” with an outlay of ₹ 200 crore for five years. Under this scheme the solar pumps will be installed to lift the water for irrigation along with necessary infrastructure.

Speaker Sir, I firmly believe that these three new irrigation schemes and development of Command area will improve the economic condition of the farmers/horticulturists.

Speaker Sir, May I say here;

“मेहनत अच्छी हो तो रंग लाती है,
मेहनत गहरी हो तो सबको भाती है,
मेहनत हिमाचली किसान करें,
तो इतिहास बनाती है।।”

28. 2. Focus on lowering the cost of production:
All the farmers will be covered under ‘Soil Health Card Scheme’ in 2018-19 to ensure balanced use of nutrients.

The climate of Himachal Pradesh is conducive for off season vegetables. State Government will distribute high yield potential seeds to farmers. Good quality seeds will also be distributed for cereal crops at subsidized cost. Similarly good quality planting material at subsidized cost will be supplied by the department of Horticulture to the orchardists.

I am also happy to announce that electricity to farmers for irrigation purpose will be provided at the subsidized rate of 75 paise per unit in place of existing ₹ 1 per unit. This will benefit lakhs of farmers.

Speaker Sir, at present tax is levied on apple, other fruits and vegetables on Certain Goods Carried by Road(CGCR). This tax is collected by the department of

Excise and Taxation at the barriers. It hinders traffic and horticulturists have to pay tax. I am happy to announce that the State Government will withdraw levying of Certain Goods Carried by Roads(CGCR) on apple, other fruits and vegetables from 2018-19, benefiting lakhs of orchardists in the State. Speaker Sir, I would like to quote 'Gautam Budha' here;

“मैं कभी नहीं देखता कि क्या किया जा चुका है,
मैं हमेशा देखता हूँ कि क्या किया जाना बाकी है।”

29. Speaker Sir, about 39,790 farmers covering an area 21,473 hectares have already adopted **Organic Farming**.

Now, Our Government intends to encourage **Zero Budget Natural Farming**, so as to bring down the cost of cultivation. We are highly thankful to His Excellency, the Governor for guiding us in this matter. A team of Ministers and Officers visited Gurukul at Kurukshetra to understand the natural farming. All of them were quite convinced that this is the best way to reduce the cost of farming in Agriculture/ Horticulture and also to provide healthy food to the people. I propose to take the following actions to promote organic and zero budget natural farming in the State;

1. Farmers and extension staff of Agriculture, Horticulture and Animal Husbandry Departments will be trained in this farming. Awareness campaign will be launched .
2. Package of practice will be developed by the Universities.

3. The use of chemical fertilizers and chemical pesticides will be discouraged.
4. The budget provided for pesticides/ insecticides to the department of Agriculture and Horticulture will be used for providing bio-pesticides and bio-insecticides.
5. Policy will be framed and implemented for promotion of '**Desi Cow**'.
6. Government will facilitate certification and marketing of organic produce.
7. I propose to provide investment subsidy of 50 percent for establishment of bio-pesticides plants for promotion of organic farming in the State.
8. A new scheme called "प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान" will be launched under which farmers would be provided training, necessary equipments, bio-pesticides, bio-insecticides, etc. I propose a budget provision of ₹ 25 crore for 2018-19.

Speaker sir, I am happy to announce that by taking the above integrated approach, we aspire to make Himachal Pradesh an Organic Farming State in next five years.

Speaker Sir, मैं मानता हूँ कि,

“सफलता एक दिन में नहीं मिलती,

मगर ठान लो तो एक दिन जरूर मिलती है।।”

30. 3. Focus on Extension Activities: Departments will organize “**Farmer Festivals**” at all blocks of the State weekly during Rabi and Kharif sowing seasons and after that at appropriate time during the year. All banks and officials from departments will participate in these fairs so that farmers get credit and all technical information and agricultural inputs at right time at one place.

31. Animal Husbandry plays an important role in the strengthening of rural economy. Apart from providing regular services such as veterinary aid, breed improvement, prophylactic vaccination and extension activities, number of initiatives will be undertaken during 2018-19. We will issue 7.78 lakh health cards (Nakul Swasthya Patra) under “**Rashtriya Gokul Mission Scheme**” for maintaining and monitoring the health of cattle and their production status.

32. 4. Technological Intervention: The State Government will implement “**वाई० एस० परमार किसान स्वरोजगार योजना**” with a budget provision of ₹ 23 crore in 2018-19 for construction of poly houses for increasing protected cultivation.

Under “**Mukhya Mantri Green House Renovation scheme**” there is a provision of 50 percent subsidy on renovating damaged polysheets. I am happy to enhance this to 70 percent.

33. The farm mechanization is a need of hour because of labour shortage. However, many farmers are not able to purchase implements like tractors, power weeders, power tillers due to high cost. Therefore, the State Government will encourage establishment of Agriculture Equipment hiring centres from where farmers/horticulturists can get implements on hire basis. A subsidy at the rate of 40 percent upto ₹ 25 lakh on machinery will be provided to Himachali Farmers and young entrepreneurs for establishment of such centres.

I also propose to provide ₹ 12 crore for power sprayers, power tillers, to the department of Horticulture in 2018-19. I also propose to provide ₹ 20 crore to the Department of Agriculture for providing power weeders and power tillers keeping in view the huge demand and also to reduce the cost. Moreover, farm equipments will also be supplied to the farmers under National Mission for Extension and Technology with a budget provision of ₹ 29 crore.

34. To protect horticultural crops from hailstorms, 30 lakh square meter area shall be brought under protected cultivation including anti hail nets. There was a budget provision of ₹ 2.27 crore in 2017-18 for providing subsidy for anti- hail net. I propose to increase it to ₹ 10 crore for 2018-19.

35. Speaker Sir, our last Government started installation of anti-hail guns. Looking at its success, Horticulturists installed anti-hail guns at many places on their own. I am

happy to announce that Government will provide 60 percent subsidy for installation of anti-hail guns to horticulturists under new “बागवानी सुरक्षा योजना”. I propose to provide a budget of ₹ 10 crore for this scheme.

36. There is a menace created by monkeys, wild animals and abandoned cattle in agriculture sector. We are implementing a Scheme, “**Mukhya Mantri Khet Sanrakshan Yojna**” under which solar fencing is installed. Now there is a great demand under this scheme. The cost will be reduced if this scheme is implemented in a cluster form. I, therefore, announce that a subsidy of 85 percent will be provided if three or more farmers send a proposal for installing of the solar fencing. I propose a budget provision of ₹ 35 crore for this scheme.

37. **5. Post Harvest Management:** The State Government will upgrade various grading and packing houses and establish CA cold storage under the **World Bank Horticulture Development Scheme**. The Government will also provide plastic crates at 50 percent cost to the orchardists and vegetable growers.

As one of the major steps to double Farmers’ income and create employment opportunities in the rural areas, the Government of India has introduced a scheme – “**Pradhan Mantri Krishi SAMPADA Yojana**”. It encourages establishment of Integrated Cold Chain Creation of Food Processing and Preservation Capacities, Infrastructure for

Agro-processing Clusters, The subsidy component under the schemes is 50 percent of investment in Plant and Machinery upto ₹ 5 crore in food processing and ₹ 10 crore in Cold Chain Infrastructure.

The State Government will invite proposals from various organizations to get approved from the Government of India under this scheme in 2018-19. The State Government will allot industrial plots at 50 percent of the normal rate for these industries.

The State Government has started the '**State Mission on Food Processing**' for giving boost to the food processing. I propose an outlay of ₹ 10 crore for this mission. There is huge potential for growth of food processing in the rural areas. We will invite industries from the food processing sector to start potato chips industry in Kangra and Kullu Districts.

The State Government will also lease out Government land at 1 percent lease rate to set up post harvest processing infrastructure in the State. The stamp duty shall be charged at a rate of 3 percent if private land is purchased by the such industrialist. This will boost marketing of agro products in the State.

38. 6. Focus on Crop Diversification: The State Government will bring an additional area under fruits and vegetables to enhance the income of the farmers. At present

₹ 300 crore JICA crop diversification is being implemented in five districts of Himachal Pradesh. I am happy to announce that ₹ 1,000 crore phase-II of this project has been recommended by the Ministry of Finance to JICA to cover all the Districts of Himachal Pradesh under this project.

39. The department shall promote cultivation of improved cultivars of fruits like Mango, Litchi, Guava, Citrus, Papaya, Sapota, Pomegranate, Persimmon and Kiwi in the lower areas of the State.

40. The State has a great scope of protected cultivation of high value flowers, which give higher market returns to the growers as compared to traditional farming. Considering this, I propose to launch a new scheme, “**Himachal Pushp Kranti Yojna**” for promoting protected cultivation of high value flowers. Under the scheme, hi-tech poly houses for flower, training of farmers and other inputs will be provided. This will not only create employment opportunities in the State but will also make Himachal a “**Flower State**”. I propose a budget provision of ₹ 10 crore for this scheme in 2018-19.

Speaker Sir, the flower producers send their flower packets to market using HRTC buses. We will encourage private sector for participation in marketing of flowers and also for setting up of CA cold chain under Krishi Sampada Yojna. The State Government will instruct HRTC to reduce the freight charges for transportation of flowers by 25 percent for the benefit of floriculturists.

41. 7. **Focus on Risk Mitigation:** The State Government will cover all the crops under '**Pradhan Mantri Fasal Bima Yojna**' and all the fruit crops under Weather based Insurance Scheme to protect farmers from natural disasters. I propose a budget provision of ₹ 29 crore for Pradhan Mantri Fasal Bima Yojna and for Weather Based Insurance Scheme as State contribution under these schemes. These schemes will help the farmers to mitigate risk due to various calamities.

42. 8. **Focus on Remunerative Price Realization:** The State Government has created 59 number of market yards to ensure remunerative price to the farmers. Under the world Bank Project ₹ 150 crore will be utilized for upgradation and opening of new Mandis in the State. The market yards would also be linked with National Agriculture Market for better price realization for the farmers. The rural Haats shall also be strengthened and converted into Gramin Agri Markets.

I am also please to inform that the State Government will formulate **Himachal Pradesh Agriculture produce and live stock marketing (promotion and facilitation) Bill, 2018** to encourage e-Agriculture, marketing, live stock marketing and promoting direct marketing of agriculture produce in the State.

43. 9. **Focus on Income Diversification:** In order to boost the economy of the Tribal Sheep Breeders, it is

proposed to provide 1,000 Breeding Rams at a subsidy of 60 percent. We will provide one unit of 11 Goats including 1 male Goat of Himalayan Breeds under “**Krishak Bakri Palan Yojna**” on 60 percent subsidy.

I further announce that we will provide 60 percent subsidy for setting up of 50 units under “**5000-Broiler Scheme**” this Poultry Promotion Scheme.

44. Our Government is committed to bring white revolution and strengthen Milk Cooperative Societies. These societies are playing important role for production of milk in rural areas. I announce a freight subsidy ₹ 1 per liter to other dairy cooperatives to compensate them for collection and distribution of milk. This freight subsidy for encouraging milk co-operative is being given for the first time. The State Government will provide 75 percent subsidy for setting up of milk processing and chilling facilities by dairy cooperative societies.

Himachal Pradesh Milk Federation proposes to collect 245 lakh liters of milk during the year. I am happy to announce an enhancement of milk procurement price by ₹ 1 per liter. The Milk Federation will be provided Grant-in-Aid of ₹ 17 crore in 2018-19.

45. Speaker Sir, the State Government will provide improved fodder and chaff cutter to farmers on 50 percent subsidy under “Uttam Chara Utpadan Yojna”. Ajola grass will

also be encouraged under this scheme. I propose a budget provision of ₹ 7 crore for 2018-19.

46. Speaker Sir, Milk production is an important source of income of farmers and provide employment at local level. The government of India in order to increase self employment in rural areas and to provide competitive milk prices has launched "**Dairy Enterprises Development Scheme**" under which 25 percent subsidy is being given by NABARD, 25 percent is farmers' contribution and 50 percent loan is being given by the bank. To boost this scheme in the State, State Government will provide additional subsidy of 10 percent to reduce the loan to 40 percent. This subsidy will be 20 percent in case of purchase of Desi Cow reducing the loan to 30 percent.

47. The Department of Animal Husbandry is providing cattle feed for milch cattle at 50 percent subsidy to SC/ST families. I extend this scheme to the BPL farmers of general category. This subsidy will be given to BPL families rearing Desi cows. These steps will also encourage zero budget Prakritik Krishi. I propose a budget provision of ₹ 4 crore for this purpose.

48. The farmers are practising bee keeping since times immemorial due to availability of different types of Bee-flora in the State. Bees play an important role in pollination of horticultural crops. I propose a new "मुख्यमन्त्री मधु विकास योजना" for modernizing of bee keeping and adopting it in a

big way. A subsidy of 80 percent will be given under this scheme. I propose a budget of ₹ 10 crore for this purpose.

49. The quality linked wool pricing scheme is benefitting a large number of sheep breeders. I am happy to increase the procurement price of wool by 10 percent in 2018-19.

50. Speaker Sir, departments of Agriculture and Horticulture are implementing similar subsidy linked schemes like, green house construction, poly house renovation and for mechanization of Agriculture/Horticulture. I propose that a joint committee of these departments will be set up to fix uniform pattern of assistance and for empanelment of suppliers.

51. Speaker Sir, Fish seed stocking and effective conservation are the main thrust areas of reservoir management. We will stock 5.0 lakh of trout seed in 100 trout raceways. 11 new Trout Hatcheries and 100 trout units shall be established in the State. In order to provide remunerative prices to the fishermen, Fish Market Information System developed by The Central Marine Fisheries Institute Kochi will be rolled out.

Fisheries

Fish feed mills shall also be established by providing industrial incentives for providing low cost fish feed to the fishermen. To encourage investment in this sector, I propose that Government land will be given at one percent lease and if private land is purchased for the above purposes

then stamp duty will be charged at the rate of three percent instead of 6 percent. Further, investment subsidy at the rate of 50 percent shall be provided on plant and machinery.

52. Speaker Sir, the present Government is committed for protection and enrichment of Gau-Vansh. In the first cabinet meeting of the Government a cabinet sub-Committee was formed to propose measures for promotion of Gau-vansh. Now I am happy to announce that a Gau-Sewa Aayog will be set up in Himachal Pradesh to recommend suitable policies for protection of Gau-vansh and programmes for development of it.

The State Government will lay special emphasis to encourage development of local cows for benefit of natural farming. The State Government will also encourage Cow urine based industry by providing 50 percent investment subsidy.

53. Speaker Sir, we will also encourage active participation of local people, NGOs, Panchayats and temple trusts and charitable organizations to strengthen the existing Gau-Sadans and open new ones to house and feed the stray cattle. I propose that "**H.P. Religious Endowments and Temple Trust Act**" will be suitably amended to ear mark at least 15 percent of offerings in the temples towards construction, maintenance and running of Gau-Sadans. Through this ₹17 crore will become available every year for development of Govansh. I am happy to announce that cess of ₹1 per bottle will be levied on every bottle of liquor sold in

the State as Govansh vikas cess. This will fetch round ₹8 crore per annum. The amount realised from this will be used for maintaining these Gau-sadans. The registration and tattooing of cattle will be strictly implemented to identify their owners.

The Village Common Grazing Lands will be identified for grazing of the cattle enrolled in the Gau-Sadans in rotation basis as fixed by the Panchayat. The Government will provide Government land on token lease of ₹ 1 for setting up of Gau-Sadans. The health concerns of such animals will be taken care of by the Government veterinary staff posted in the area free of cost.

Speaker Sir, I announce that our Government will also encourage Mahila Mandals in protecting abandoned cattle. The Mahila Mandals would be provided suitable grant. Two best Panchayats in every development block where all cattle are registered & tattooed and owners do not abandon their cattle thus making the Panchayat free of abandoned cattle, will be provided a cash award of ₹ 10 lakh each.

54. Speaker Sir, Strengthening of Panchayati Raj Institutions (PRIs) has always been a priority for the BJP Governments. I would like to remind this August House that it was the BJP Government which gave 50 percent reservation to women in the Panchayati Raj Institutions.

55. Government of India has declared Himachal Pradesh as ODF State. We will now concentrate on

implementation of Solid and Liquid Waste Management (SLWM) in the rural areas. On the line of providing toilets to the houses, now small pits for waste water along with street drainage will be constructed under MGNREGA. The resources under MGNREGA and Swachh Bharat will be utilized to make Himachal liquid and solid waste managed within next five years.

Speaker Sir, in rural areas, paper, plastic and metal waste is thrown because of non-availability of collection system. I would like to encourage waste collectors and segregators by providing them 33 percent subsidy on pick-up van with a maximum limit of ₹1.5 lakh.

56. Under MGNREGA 100 days employment is provided to an unskilled worker in a year. Considering the drought condition in the State, I propose to increase number of days from 100 to 120 for the coming season to provide additional employment days to the needy persons. The additional expenditure on account of additional day will be borne by the State Government.

57. In order to further encourage the Self Help Groups, I propose to enhance their revolving fund from existing ₹ 25,000 to ₹ 40,000.

58. Speaker Sir, I propose a budget provision of ₹ 42 crore under “**Mukhya Mantri Awas Yojna**” under which BPL families of general categories have been covered. Due

to natural calamities, people's houses are damaged completely. I am happy to announce that funds will be released immediately under this scheme for reconstruction of houses destroyed due to natural calamities. The State Government is also implementing "Pradhan Mantri Awas Yojna" and Housing scheme under the Welfare Department. I propose a budget provision of ₹ 150 crore under various housing schemes during 2018-19.

Speaker Sir,

“उन घरों में जहां मिट्टी के घड़े रहते हैं,
कद में छोटे हों, मगर लोग बड़े रहते हैं।”

59. Speaker Sir, every Panchayat in Himachal Pradesh has unique history and had eminent people. I propose that a "**Gram Gaurav Patt**" will be displayed in every panchayat showing the brief history and name of distinguished person/ persons born in that panchayat. The Gram Gaurav Patt will be maintained by the Local Panchayat.

I also propose that "**Moksh Dhaam**" will be constructed in each panchayat in a phased manner to provide dignity to the departed soul.

60. The 13th Finance Commission grant was allotted to Zila Parishad and Panchayat Samiti as well as to Gram Panchayats. However, 14th Finance Commission discontinued the grant to Zila Parishad and Panchayat Samiti. I am pleased to announce that the State Government will provide additional budget of ₹ 45 crore, in 2018-19 so that

the Zila Parishads and Panchayat Samities could undertake development activities in their areas.

The 5th State Finance Commission has submitted its report and I am happy to announce that the State Government has accepted its recommendations. A devolution of ₹ 194 crore will be made to the PRIs as per the recommendations of the Commission for the year 2018-19.

61. Speaker Sir, our Government is fully aware of the responsibilities assigned to the representatives of Panchayati Raj Institutions. Therefore, I announce to increase the honorarium of the representatives of PRIs. The honorarium of the Chairperson Zila Parishad will be increased from ₹ 8,000 to ₹ 11,000, that of Vice-Chairperson from ₹ 6,000 to ₹ 7,500, and Member of Zila Parishad from ₹ 3,500 to ₹ 4,000 per month. In case of the Panchayat Samiti, the honorarium of the Chairperson will be enhanced from ₹ 5,000 to ₹ 6,500 of the Vice Chairperson from ₹ 3,500 to ₹ 4,500 and Member from ₹ 3,000 to ₹ 3,500 per month. In the Gram Panchayats, the honorarium of the Panchayat Pradhan will be enhanced from ₹ 3,000 to ₹ 4,000 that of Up-Pradhan from ₹ 2,200 to ₹ 2,500 Sitting allowance of Ward members will be enhanced to 240 per sitting. With this increase the representatives of PRIs will get an honorarium of ₹ 45 crore per annum.

62. I propose a budget allocation of ₹ 1,894 crore for Rural Development and Panchayati Raj Department for 2018-19.

63. Speaker Sir, In Himachal Pradesh, 66.5 percent of the total geographical area is classified as Forest land.

We will establish 22 Van Vihars/eco parks with funding support from State CAMPA during the next three years. In the current financial year, at-least 25 new sites will be allotted for development of eco tourism.

The Chil forests are found in large tracts in the State which are highly prone to fire. Therefore, in order to protect these forests from fire, pine needle based industries shall be encouraged by the State Government by providing investment subsidy of 50 percent for establishing such industry.

Speaker Sir, the State Government will initiate a policy in which all forest produce and uprooted salvaged trees in the forests will be collected and auctioned in a transparent manner to increase State Government income. I am happy to announce that the Supreme Court has given permission for silviculture extraction in three forest ranges on pilot basis.

64. In the recent past, some incidents of attack on forest staff by forest Mafia have taken place. A scheme to provide appropriate weapons to forest staff will be launched shortly.

65. A majority of rural population collects herbs and other non-timber forest products from the forests, which provides additional income to them. To increase the livelihood options of this population, a new scheme called “**Van**

Samridhi Jan Samridhi” will be launched with a view to focus on training of local people in collection, processing and value addition of such locally collected produce as well as marketing of these products.

66. Speaker Sir, I am happy to announce that three externally aided projects will be started in 2018-19. These include ₹ 800 crore JICA supported **HP Forest Eco System Management and Livelihood Improvement Project**, in which livelihood needs of the people will be met. ₹ 665 crore World Bank funded **Integrated Development Project for source Sustainability and Climate Resilient Rainfed Agriculture** to develop water resources for increasing farm income. **H.P. Forests for prosperity** under which fuel wood plantation and income generation from non-timber forest products will be increased.

For the next financial year a provision of ₹ 125 crore is being made for externally aided projects in forest department.

67. Speaker Sir, it is my firm belief that involvement of local communities is crucial for conservation and development of forests. We will strengthen participation of Yuvak Mandals/ Mahila Mandals by allotting plots in forest lands for plantation of useful plant species. I propose a new scheme **“Samudayik Van Samvardhan Yojna”**. Similarly, plots of forest land will also be given to schools for raising plantation under new scheme **“Vidyarthi Van Mitra”**.

Speaker Sir, may I say here;

“इक पेड़ ऐसा मोहब्बत का लगाया जाए,
जिसका पड़ोसी के आँगन में भी साया जाए।”

I propose a budget of ₹ 651 crore for Forest Department for 2018-19

68. Speaker Sir, for strengthening of ecological management facility, our Government will establish a new Laboratory of Pollution Control Board at Sundernagar.

Environment
Science &
Technology.

The HP Pollution Control Board will provide financial assistance to Health Department for setting up a new common Bio-Medical Waste Treatment facility. The Board will also install 12 Electronic Display Screens (EDS) at 12 different locations in the State to enhance awareness about pollution level among general public. Himachal Pradesh Pollution Control Board will promote robust technical solutions for urban solid waste management in 10 Urban Local Bodies.

69. Speaker Sir, our Government will ensure harmonious economic growth and environmental conservation. Environmental audit of industries in the State will be done to protect environment from pollution. Climate Change Adaption Demonstration Project will be launched in two districts under Climate Change Adaptation programme. Climate change Vulnerability Assessment will be carried out covering 7,000 villages in 1200 panchayats in Beas river basin in districts of Kullu, Mandi, Hamirpur and Kangra.

The Government started Aryabhata Geo Informatics Space Application Centre in 2011. We will develop online monitoring tools for effective administrative and public service for departments of Public Works, Health, Education, Rural Development and Tourism.

70. The State Government shall establish Vigyan Grams in the State. Vigyan Grams will train and build capacities of local farmers and other user groups and help them to adopt some of the scientific, low cost, hill specific rural technologies. One village each will be selected in Chamba, Kullu, Mandi, Shimla and Sirmour District.

Our Government will start “युवा विज्ञान पुरस्कार” scheme to encourage young students towards science. We will provide prizes to 10 best students of 10th and 12th classes of Himachal Pradesh Board of School Education in Science under this scheme.

Co-operation.

71. Speaker Sir, Our Government is committed to empowerment of farmers through co-operative movement. I am happy to announce that second phase of ICDP will be started in Mandi and Solan Districts by NCDC. In addition to this Government will make efforts to bring Una and Chamba under second phase of ICDP.

Urban
Development.

72. Speaker Sir, the towns in Himachal Pradesh are growing at a fast pace and so is growing the need of citizen services in the urban areas. To improve urban infrastructure

and service delivery mechanism various ambitious centrally sponsored missions/schemes namely '**Smart City Mission**', Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT), Pradhan Mantri Awas Yojna- housing For All(PMAY-HFA), Deen Dayal Antyodya-National Urban Livelihood Mission (DAY-NULM) and Swachh Bharat Mission (SBM) will be implemented in the State.

Speaker Sir, It is a matter of great pleasure that Government of India selected Dharmshala in May, 2016 and Shimla in 2017 under Smart City Mission. Government of India has approved projects worth ₹ 2,110 crore for Dharamshala Smart City Mission out of which first installment of ₹ 190 crore has been received by the State. Facilities like Urban Water Supply, Smart Street lights, Sewerage Management etc. will be provided under the mission. Similarly, Government of India has approved projects amounting to ₹ 2,905 crore for Shimla Smart City. State Government has sent the proposal for first installment to Government of India. It is hoped that funds will be received soon.

Speaker Sir, it is important to encourage competition amongst Urban Local Bodies for cleanliness and prompt services to the public. I therefore, propose that Municipal Council which is rated best in cleanliness and public service delivery will be given an award of ₹ 1 crore and best Nagar Panchayat will be given 75 lakh under a new scheme, "**Shresth Shahar Yojna**".

We will set up cluster based Solid Waste Management Plants in Baddi, Mandi, Dharamshala, Kangra and Manali towns.

To improve urban Governance, we will operationalize client friendly online Building Planning Approval System in all the 54 Urban Local Bodies in the State to facilitate common citizens in obtaining building permissions.

Parks are necessary for healthy growth of citizens in urban areas. I announce that 60 percent grant would be provided to the urban local bodies for development of parks in the Municipal areas. I propose a budget provision of ₹10 crore for this purpose.

In order to ease congestion of vehicles, work for construction of Parkings will be taken up on PPP mode. We will also provide 50 percent grant to Urban Local Bodies who intend to construct parking. I propose a budget provision of ₹10 crore for this purpose.

State Government will devolve ₹122 crore to ULBs in 2018-19 as per recommendations of 5th State Financial Commission in 2018-19.

73. Considering the diverse nature of responsibilities of the elected representatives of Urban Local Bodies, I announce to increase the honourarium for the Chairperson of Nagar Panchayat from ₹ 3,500 to ₹ 5,000 for Vice Chairperson from ₹ 2,800 to ₹ 3,500 and the members from

₹ 1,500 to ₹ 2,000 per month. Four Municipal Councils, the honourarium of the Chairperson will be increased from ₹ 4,000 to ₹ 6,000 Vice Chairperson from ₹ 3,500 to ₹ 5,000 and for the members from ₹ 1,700 to ₹ 2,200 per month. For the Municipal Corporation Shimla and Dharamshala, I announce to increase the honourarium of the Mayor from ₹ 8,000 to ₹ 11,000 for the Deputy Mayor from ₹ 6,000 to ₹ 8,000 and the councilors from ₹ 4,000 to ₹ 5,000.

I propose a total budget outlay of ₹ 487 crore to the department of Urban Development for 2018-19.

74. Speaker Sir, The State Government will encourage land pooling for developing housing colonies, industrial areas and commercial developments by making necessary amendment in the Town and Country Planning Act.

Town & Country
Planning.

Under land pooling systems, landowners voluntarily sign ownership rights over to a single agency. This agency develops the land by building roads and electricity connections. Once this is done, it returns the land to the original owners. But since the plot now has more amenities, its price has certainly risen compared the market value of the owners' original landholding. This way the development can take place in the State without need of land acquisition.

We will prepare and display on departmental website directory of professionals like Engineers and Architects etc. for facilitating general public for preparing maps from qualified Engineers and Architects.

Land Administration.

75. Speaker Sir, the revenue record in the State has been digitized. Now, it is time to move further to provide additional services. The Revenue Department will rollout “National Generic Document Registration System” for online registration of documents wherein any property within the state can be registered in any revenue office of the state.

Our Government will launch new module called “**Sarkari Bhoomi**”. To provide the land quickly for various public uses, an inventory of Government land in all Districts of the State shall be prepared.

76. Disaster Management is an area of vital concern in our State. Himachal Pradesh is vulnerable to large number of natural and human induced disasters. In case the drought like situation continues in the State, we will be providing adequate budget from SDRF for provision of drinking water, fodder and input subsidy to farmers. I propose a budget provision of ₹ 273 crore for Disaster Management for 2018-19.

Water Supply.

77. Speaker Sir, the State Government is committed to provide safe drinking water to 100 percent households of the State. As per census of 2011, in Himachal Pradesh 89.5 percent households have access to safe drinking water as against 43.5 percent at national level.

Speaker Sir, at present departmental water supply schemes provide water at designated time during the day.

We will take steps to provide water 24X7 on pilot basis. Department is running 3448 Drinking Water and Irrigation schemes, for running these efficiently, they shall be automated in a phased manner. I propose a budget provision of ₹ 275 crore for 2018-19 for drinking water.

Water facility for all left out partially covered habitations in rural areas of State have been presented to the Ministry of Finance, Government of India. The Government of India has recommended it for funding by the New Development Bank (BRICS) amounting to 100 million U.S. Dollars in first phase. We have submitted DPRs of 31 water supply projects covering 3,150 habitations amounting to 100 million U.S. Dollars to the bank.

221 ongoing rural water supply schemes where more than 75 percent work has been executed till date shall be completed and commissioned during the year by allocating addition funds from State to the tune of 33 crore. About 2.76 lakh population of 2040 habitations shall be benefitted from these schemes.

78. Members of this August House are aware that it was the BJP Government in the early 1990's which popularized the concept of hand pumps for water supply in Himachal Pradesh. A total of 36,901 hand pumps are now installed. I propose a budget provision of ₹ 20 crore in 2018-19. I also announce that hand pumps to individual beneficiaries will be installed on 75 percent cost.

79. To ensure that people of Himachal Pradesh continue to get drinking water and irrigation facilities at an affordable cost, I propose to provide ₹ 500 crore to IPH Department for meeting out the energy charges for water supply and irrigation schemes.

I propose a total budget outlay of ₹ 2,572 crore for Department of Irrigation and Public Health.

Promotion of
Investment.

80. Speaker Sir, the State Government is committed to boost investment in industries, hydro power and tourism as these sectors are engines of growth as well as provide employment. However, at present the investor has to move from pillar to post for various clearances. Our Government will take following steps to make Himachal Pradesh investor friendly;

1. **Lease of land:-** Speaker Sir, for increasing investment and employment in the State, vacant Government land should be put for productive use. Present Himachal Pradesh Lease Rules are very cumbersome and makes it difficult to lease out land for investment purposes. A committee headed by Chief Secretary will examine these rules and suggest suitable amendments to make them investment friendly.

2. **Clearances under FCA and FRA:** It has been observed that it takes a long time to get FCA and FRA clearances for hydro projects and tourism projects. The State Government will streamline the processes under these two

Acts and also regularly monitor the clearances. We will also pursue with the Government of India to delegate power upto 5 hectare under FCA Act to the State Government.

3. **No Objection Certificates:** Most of the investors have intimated that they require NOCs from various departments which delay investment and employment. We will reduce the requirements of NOCs to the bare minimum and also make them deemed, if not given in a stipulated time.

4. **Him Pragati:** Speaker Sir, Hon'ble Prime Minister has fast tracked project worth ₹ 9.46 lakh crore at national level by regularly monitoring infrastructure project on, online monitoring system "**PRAGTI**". Learning from this initiative, Himachal Pradesh Government will also launch "**Him Pragti**", online monitoring system where power projects, industrial projects, tourism projects and other infrastructure projects will be monitored by me to ensure faster clearances and approvals from all the Departments.

Speaker Sir, May I say here;

“एक छुपी हुई पहचान रखता हूँ,
बाहर शांत हूँ, भीतर तूफान रखता हूँ।”

81. Speaker Sir, Our Government is determined to accord top priority to all round, eco-friendly sustainable industrialization in the State. The State Government will endeavour to promote industries based on local resources especially in the interior areas.

Industries.

82. Speaker Sir, the Industries have demanded that AGT on industrial products should be withdrawn/reduced to make the industries competitive with other State as this levy is not there in other States. I have considered the demand of Industries and announce that the AGT on Iron and Steel, Yarn and Plastic Goods will be reduced by 25 percent, from existing rates.

I am also happy to announce that the State Government will come out with a policy of partial reimbursement of net State Good and Services Tax paid by the new industries for certain years as well as for existing industries for remaining period of earlier VAT incentives.

83. Cement plants provide large direct and indirect employment. I therefore announce that bidding of cement plant based on Broh Shind deposits in District Chamba and white cement plant at Nohradhar in District Sirmour will be done during 2018-19.

84. Speaker Sir, Creation and maintenance of industrial infrastructure is pre-requisite for industrial development. The industrial area at Kandrori and Pandoga will be completed on top priority. The lease of land will be given for 90 years for industrial plots, in place of existing provision of 30 years. I propose a budget provision of ₹ 35 crore for BBND. I also propose to provide a budget of ₹ 4 crore for widening of road between Barotiwala-Mandhala-Parwanoo and Barotiwala-Gunnai- Parwanoo.

85. The State Government has already announced to end the Mining Mafia in the State. To ensure this, all the mining sites will be allotted through a transparent online competitive bidding in 2018-19.

86. Speaker Sir, the major employment in industries is the small and medium industries. I propose that the electricity duty on existing small industries will be reduced from 4 percent to 2 percent and in case of medium industrial units it will be reduced from 10 percent to 7 percent. I am also happy to announce that any new small and medium industrial unit will not be charged electricity duty for first five years.

I am also pleased to announce that new Small Scale Industries, except those in negative list, will get electricity at the rate of ₹ 4.50 per unit for first five years.

I am happy to inform that HPSEBL will file a petition in HPERC for providing electricity at subsidized cost to new industries and for additional electricity requirements for substantial expansion of existing industries.

May I say here;

“निकलता है हर सुबह एक नया सूरज,
यह बताने के लिए कि,
उजाले बांट देने से,
उजाले कम नहीं होते ।।”

87. Speaker Sir, the financial prosperity of Himachal Pradesh lies in the speedy harnessing of its Hydro Power

MPP & Power.

potential. Hydro Power development is the key engine to the economic growth of the State. Out of the total potential of about 27,000 MW a potential to the tune of 20,912 MW already stands allotted under various sectors. Capacity addition of 182 MW from Hydro Electric Projects will be added next year.

88. Under the grid connected solar power projects 15 MW capacity is proposed to be added. The State Government will launch awareness campaign to popularize the roof top grid connected power plants in order to reduce the burden of energy bills of the consumers. I propose to provide additional 10 percent per kWp assistance to the beneficiaries subject to maximum of ₹ 4,000 per kWp to boost this initiative.

89. The execution of Power Projects have slowed down in the State. The State Government intends to expedite the execution of the projects in right earnest. The State government will carry out amendments in the Hydro Power Policy by making it more Independent Power Producer friendly. Necessary changes in the policy framework will be carried out in view of rising cost of hydro power projects, undue delay in obtaining clearances and difficulties being faced with regard to evacuation of power. The proposed changes in the hydro power policy will be made by the Government in next three months after consulting all the stakeholders.

90. The HPSEBL plays an important role in providing electricity to every household in the remotest corners of the State. I propose an equity contribution of ₹ 50 crore to HPSEBL for improving the voltage in rural areas.

Hon'ble members have raised the issue of low voltage in rural areas. HPSEBL will undertake the State Wide Systems Strengthening to solve this problem.

I am also happy to provide ₹ 475 crore in 2018-19 for subsidizing electricity to the domestic and Agriculture consumers of the State.

I propose a total budget of ₹ 1,219 crore for the MPP and Power Department.

91. Our Government is committed for a sustainable development of tourism. We have received nearly 2 crore tourists in 2017 in State. Our strategy would be nudging tourism towards greater quality rather than being satisfied with the increasing number every year.

Expansion in
Tourism Sector.

We will make special improvement in basic infrastructure at important tourist destinations of natural and cultural heritage. Our Government will send special proposal to Government of India for development of basic infrastructure in virgin tourist destinations for second phase under ADB project.

We will lay special emphasis on diversification of tourists to unexplored areas for creating job opportunities

amongst local youth. I propose to create a new scheme "नई राहें, नई मंजिलें". Under this scheme, improvement of road infrastructure, Transport, Parkings and other basic amenities in the identified virgin destinations will be undertaken. I propose ₹ 50 crore under this fund for 2018-19. State Government will encourage setting up of big tourist leisure/recreation resorts, ski/adventure activities, eco-tourism parks, ropeways at these locations. Single window clearance will be used for such projects to expedite approvals.

Speaker Sir, may quote here respected Atal Ji, our beloved former Prime Minister,

“टूटे हुए तारों से फूटे वासन्ती स्वर,
पत्थर की छाती में उग आया नव अंकुर,
झरे सब पीले पात, कोयल की कुहुक रात,
प्राची में अरुणिमा की रेख देख पाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ, गीत नया गाता हूँ ।”

92. We will improve connectivity, particularly air connectivity to attract high end tourists. Heli taxi routes will be identified for the operation of heli taxi services. We will take steps to start heli taxi services from Chandigarh to Shimla and from Shimla to other parts of the State. More helipads will be made operational under “UDAAN-II” scheme.

93. Speaker Sir, Religious tourism will be promoted in a big way in the state since there is a vast potential in this sector. Himachal is a truly unifying hub for all religions. We will provide parking facilities, clean toilets, cafeterias and yatri niwas in religious tourist destinations. A project worth ₹ 100 crore for infrastructure development at religious circuit will be submitted to Government of India under “**Swadesh Darshan**” scheme.

94. Speaker Sir, Our Government will promote and concentrate on nature and adventure tourism. With 26 wildlife sanctuaries, three conservation reserves, unique National Parks, more than 400 forest rest houses, the State has unmatched potential for trekking, rafting, bird watching, mountaineering, allied and water sports. Eco tourism and home stays are the way forward.

State Government will develop Pong, Kol and Bhakra reservoirs as tourist destinations where water sports and adventure tourism activities will be developed. The State Government will frame scheme for identifying and developing new water bodies and starting water sports in the State. We will develop Tattapani by reviving its old traditional sulphur springs, beautification of the area, construction of ghats and development of water sports.

95. We will lay emphasis on installation of Ropeways so that flow of vehicles is minimized in pristine areas. Our Government proposed ropeway from Anandpur Sahib to

Naina Devi ji by signing agreement with Government of Punjab. But previous Congress Government cancelled/ annulled that agreement in 2013 saying that ropeway will be installed by them very soon. However nothing was done in this matter in last five years. We will again try to install this ropeway in partnership with Punjab Government. We will also explore possibilities of installation of ropeways from Dharmkot to Triund, Janjehli to Shikari Mata and other tourist places.

96. We will develop and update website of department and also launch a mobile app for tourists containing all information in 2018-19.

We will provide training to youth on Home Stay, Cooking, Communication and marketing, behavioural, Cultural and spiritual heritage of State, Environmental protection etc. We will develop training module for trekking guides, tourist guides and taxi drivers. We will create more recreational activities in the tourist destinations to retain tourists for more days.

Employment and
Skill Development.

97. Providing livelihood and encouraging entrepreneurship amongst the unemployed youth of Himachal Pradesh is the main thrust of the present Government. In order to encourage local entrepreneurship and to provide self employment opportunities. I propose to start a new scheme named “**Mukhya Mantri Swavlamban**

Yojna". Under this scheme youth of Himachal Pradesh between the age of 18 to 35 will be provided following benefits:

1. 25 percent capital subsidy on plant and machinery upto an investment of ₹ 40 lakh in industries. Subsidy will be 30 percent in case of women entrepreneurs.

2. Interest subsidy of 5 percent for three years for a loan upto ₹ 40 lakh.

3. Government land will be given at concessional lease rate of 1 percent. The procedure of providing land at lease will be simplified.

4. If a youth intends to buy private land then the stamp duty will be charged at the rate of 3 percent instead of existing 6 percent.

Speaker Sir, may I say;

“सोचने से कहां मिलते हैं, तमन्ना के शहर।

चलने की जिद भी जरूरी है मंजिलों के लिए।।”

I propose a budget provision of ₹ 80 crore for this scheme.

Speaker Sir, There are many schemes to encourage to industries in the State but there is scheme to encourage trade and service sector which provide lot of employment opportunities. Therefore, in order to encourage this sector

I propose a new ‘**Mukhya Mantri Yuva Ajivika Yojna**’ under which trade/shop, restaurants, tour operators, adventure tourism, traditional handicrafts will be covered. I propose the following incentives under this scheme to Himachali youth between the age of 18 to 35;

1. 25 percent subsidy will be provided on the loan taken from the bank upto ₹ 30 lakh excluding land and building. The subsidy will be 30 percent in case of women entrepreneurs.

2. Interest subsidy at the rate of 5 percent for three years upto a loan of ₹ 30 lakh for three years.

3. The stamp duty on purchase of land or building for starting trade or service will be charged at the rate of 3 percent instead of existing 6 percent.

I propose a budget provision of ₹ 75 crore for this scheme in 2018-19.

Speaker Sir, may I say here;

“वही हकदार हैं किनारों के,
जो बदल दें बहाव धारों के।”

Speaker Sir, there is a need to instill entrepreneurship in unemployed youth of Himachal Pradesh so that they could feel confident in setting up their own ventures. The State Government will conduct entrepreneurship development programmes in order to

Stimulate Entrepreneurship among them. State Government will also tie up with banks to conduct such courses in Rural Self Employment Training Institutes.

98. Speaker Sir, the State Government attaches a lot of importance to Skill Development as it is gateway for gainful employment. The State Government will implement “**Deen Dayal Upadhyay Gramin Kaushalya Yojna**” under which I propose a budget provision of ₹ 77 crore for 2018-19. The State Government is also implementing Asian Development Bank assisted Skill Development Programme under which 65 thousand youth will be provided skilling linked with placement. I am also happy to inform that the State Government has received first installment of ₹ 21.56 crore under “**Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojna**” under which 49,500 unemployed youth of Himachal Pradesh will be provided job related skilling.

May I say here;

“वो खुद ही तय करते है मंजिल आसमानों की,
परिन्दों को नहीं दी जाती तालीम उड़ानों की।।”

99. The State Government will continue to implement the Skill Development Allowance Scheme to facilitate skilling of Himachalli youth. Speaker Sir, one of the reason for unemployment of Himachali youth is their lack of fluency in English speaking. The State Government will facilitate training in spoken English to unemployed youth by empanelling good institutes.

I am happy to announce that the State Government will also extend Skill Development Allowance for two years to all new employees employed in industries after attaining skills under Skill Development Allowance. I propose a budget provision of ₹ 100 crore for this scheme.

100. We will provide skill training to SC, OBC, Minority, Specially abled single women, widows and deserted women for increasing their employability. We will be providing training and free coaching assistance through Himachal Pradesh University Shimla for students belonging to SC, ST, OBC and Minority whose family annual income is not more than ₹ 3 lakh. We will formulate a comprehensive action plan for providing job and training opportunities to Persons with Disabilities in the private sector.

Un-employment
Allowance.

101. Speaker Sir, the previous Government in their election manifesto announced that they will provide unemployment allowance to all the unemployed youth in Himachal Pradesh. However, they failed miserably in fulfilling their main announcement, and gave this allowance to only 21,000 youth for just last three months.

Labour &
Employment.

102. Speaker Sir, the process of registration/ renewal of establishments under Labour Laws has been made online. I propose to convert all Employment Exchanges as 'Skill Identification Centres' and 'Model Carrier Guidance Centres.' The counselling of unemployed youth will enhance employment and placement avenues. The Job fairs and

campus interviews play an important role to increase placement opportunities to skilled workforce. We propose to organize more such job fairs and campus interviews in every district and block.

103. Speaker Sir, Himachal Pradesh has minimum expansion of rail, air and water transport services. Therefore, Road Transport is the main mode of transportation in the State. The HRTC is providing transport facilities in the remotest corners of the State. I propose to provide ₹ 300 crore as grant and equity to HRTC in 2018-19 as against ₹ 265 crore during the last budget.

Transport.

104. Speaker Sir, Transport Department will launch online system for the welfare of the people to implement various public services. We will install PoS machines at RTO and RLA offices so that various taxes and fees are paid through cashless facility. HRTC will introduce swipe/tap machines in buses in which payment could be made through electronic cash cards to reduce the hassle of passengers for payment. HRTC will also issue electronic cards to the exempted categories of passengers so that State Government could release the grant-in-aid as per the usage of the buses by the pass holders/exempted categories.

Speaker Sir, the commuters by road, especially in the rural areas have to wait for a bus for long hours without even knowing the approximate time of arrival of the next bus

they wish to board. I propose to install electronic display boards at all the bus stands and selected bus stops of the State displaying the probable time of arrival of next bus on a particular route.

105. Speaker Sir, many State Governments have implemented scheme of registration of new vehicles at dealer point itself without customers having to visit Transport Department. The State Government will roll out a software for Online Registration of vehicles at dealer point itself. The Token Tax, Registration fee, Green Tax, etc. shall be collected by the dealers online through cyber treasury and complete file shall be sent to Registering Authority for assigning number.

Further, the e-Auction/Bidding of choice number shall also be rolled out by fixing the reserve price of selected choice numbers.

The department will also implement Online Check post solution for the barriers like e-Way Bill for the tourist vehicles entering into the state in order to avoid stopping the vehicles at the entry barriers for payment of composite fee.

106. Speaker Sir, the transport sector, especially the road transport has a vast potential of creating employment opportunities to the local youth living in the rural areas of the State. I propose to provide 1,500 new bus permits to unemployed youth of the State during 2018-19.

We also aim at providing best possible facilities in all the bus stands. I propose an additional outlay of ₹ 17 crore to the Bus Stand Management and Development Authority.

I also propose an allocation of ₹ 3 crore for construction of toilets blocks at the bus stands. The operation of these toilet blocks at bus stands will be given to reputed organizations.

107. Our Government accords high priority to the development of National Highways. The Government of India has sanctioned 69 National Highways in the State for which people of State express their gratitude to the Central Government. Although the Government of India had declared National Highways way back in 2016, nothing much was done to engage the consultants for preparation of the DPRs. Till December 2017, consultants had been engaged only for 8 roads. Our Government will Endeavour that consultants for all roads are engaged by the end of this month so that the DPR preparation work is completed expeditiously.

Bridging the
infrastructure gaps

108. Speaker Sir, Four laning of two National Highways from Parwanoo to Shimla and Kiratpur to Manali is in progress involving a cost of ₹ 9,040 crore. Recently, Government of India had also entrusted three more National Highways that is Baddi to Nalagarh, Pathankot to Mandi, Shimla to Matour to NHAI. Bids have already been invited for four laning from Baddi to Nalagarh, from Chakki to Sihuni and from Jawalamukhi to Kangra.

109. Under the dynamic leadership of our former Prime Minister Sh. Atal Bihari Vajpayee, the “**Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna**” was started in the year, 2000-2001 to provide all weather connectivity to rural habitations. Himachal Pradesh has greatly benefitted under this scheme and till date 2,238 roads have been completed with an expenditure of ₹ 2,919 crore.

110. Speaker Sir, most of the MLAs in the Plan Budget Meeting highlighted the poor conditions of roads. I agree with them. I propose that a mechanism of third party inspection will be started to ensure the quality of the roads. In addition to this an independent Quality Check Squad will be established under Chief Minister Office. This squad will carry out surprise inspections of construction works and submit report directly to the Chief Minister Office. I hope that this step will ensure quality in construction activities in the State.

Moreover, I propose to enhance the target of tarring of existing State roads from 1,785 kilometers to 2,500 Kilometers for the year 2018-19, which is an enhancement of nearly 40 percent. A provision of additional ₹ 100 crore has been made during the financial year 2017-18 and ₹ 100 crore is proposed to be provided in the budget during 2018-19 for maintenance of the existing roads. I also propose to create a dedicated fund for maintenance of roads.

To improve the riding quality, the State Government undertook a pilot project under OPBMC (Output and

Performance-Based Maintenance Contract). Currently 347 kilometers are under this maintenance arrangement. I propose to bring another 350 kilometers under this arrangement in the next financial year.

The conditions of roads deteriorate in the absence of cross drainage and side drainage. I propose to start a new Scheme “**Himachal Road Improvement Scheme**” to fill the gaps in cross drainage of the existing roads. I propose a budget provision of ₹ 50 crore for 2018-19.

111. To shorten distances, there is a great need to construct tunnels. Our Government has taken up the matter with Government of India for construction of a Tunnel under Jalori Pass on Sainj-Luhari-Aut road on NH-305. Its tentative length is 4.2 Kilometers.

Speaker Sir, in many European countries, more snow fall takes place than Himachal Pradesh. Roads remain open by continuous clearing of snow through machines. The State Government will invite international bidding for keeping the Sachh Pass, Jalori Pass, Khara Pathar and Rohtang Pass with permission of BRO, open during winters.

112. Government of Himachal Pradesh has submitted a proposal (HP State Road Project-II-), to the Government of India for funding from the World Bank. Under HPSRP-II, 650 Kilometers of Major District Roads will be upgraded and 1,350 Kilometer road length will be provided periodic

maintenance besides other institutional development activities. The State Government has also obtained the approval of Ministry of Finance, Government of India for Tranche-I of Phase II amounting to around ₹ 720 crore. The World Bank has also approved an advance of ₹ 22 crore for the project preparatory activities.

113. Our Government accords utmost priority to road safety. Our Government has decided to undertake safety audit of major bridges through 3rd party consultancy across the State.

The State Government has received a report from the agency running 108 Ambulance service intimating that there are 697 black spots in the State which are prone to accidents. I propose a budget provision of ₹ 50 crore for 2018-19 for improving the road alignment, sign boards, parapets etc. at the identified black spots.

I am happy to provide ₹ 50 crore under “**Mukhya Mantri Sadak Yojna**” to accelerate road connectivity to villages/habitations.

During 2018-19, we propose construction of 600 kilometers of motorable roads and 35 bridges. The metalling and tarring of 1,100 kilometers new roads would also be carried out, besides carrying out the cross drainage of 750 kilometers.

I propose a budget outlay of ₹ 4,082 crore for the Public Works Department during 2018-19.

114. Speaker Sir, Ministry of Railways has made a provision of ₹ 422 crore in 2018-19 to expand the Rail network in the State. The budget has been provided for construction of four Railway lines, Nangal Dam-Talwara, Chandigarh-Baddi, Bhanupali-Bilaspur and Una-Hamirpur railway lines.

115. Speaker Sir, Public Public Partnership (PPP) is a good mode for building up of infrastructure and public service delivery. We will build parking and commercial complexes at available land in urban areas to increase the income of Urban Local Bodies. We will also build bridges, tunnels and alternate roads through this model. For providing better diagnostic facilities in hospitals, we will take steps for installing high end instruments under PPP mode.

PPP Mode.

116. Speaker Sir, there are a large number of pending cases under VAT and CST for assessments. We will bring "The Himachal Pradesh Settlement of Pending Assessment Cases Bill", 2018 in order to dispose of these cases, for the benefit of the dealers.

Excise &
Taxation.

117. Speaker Sir, the State Government has decided to wind-up Himachal Pradesh Beverages Limited and to restore the old system of wholesale for liquor sale in the State to weed out corruption in wholesale supply of liquor. The unwanted system of L-1D & L-13D licensees have been discontinued. Further, end to end computerization for Excise functions shall be rolled out enabling effective monitoring of entire chain from production to consumption.

118. On heavy demand from traders of the State, we have taken up the matter with the GST Council to increase the threshold limit for registration under GST in Himachal Pradesh from ₹10 lakh to ₹ 20 lakh and we hope that this demand of the traders will be fulfilled soon.

Quality Education. **119.** Speaker Sir, Himachal has large number of educational institutions. Now the main challenge before the Government is to improve the quality of education.

The State Government will provide adequate infrastructure in the educational institutions. 2,137 Government Senior Secondary and High Schools have been equipped with the smart class rooms. The State Government will ensure that the teaching learning activities in these schools take place through multimedia teaching aids. The Government will establish 36 language labs in schools to increase reading/ pronunciation skills. Assessment of elementary students will be done as per the learning outcomes fixed by the Government of India. SCERT and DIET will be made more meaningful to improve quality in education. SCERT will be involved in preparing syllabus for Yoga. The department will also conduct joy of learning classes in the school to increase teaching learning.

I am happy to announce that our Government is endeavoring to set up a robust and transparent transfer and posting mechanism for the teachers.

The Government of India in budget for 2018-19 declared a scheme for establishing “**Ekalavya Model Residential Schools**” in every block with more than 50 percent scheduled tribe population. The State Government will take up the matter with Government of India for opening such schools in the State.

120. Speaker Sir, our Government is committed to provide quality education. Therefore, in order to provide quality education, basic facilities are to be provided in the schools. We will launch a new scheme “मुख्यमंत्री आदर्श विद्या केन्द्र” Under this scheme, one model residential school will be established in each constituency, where Navodya schools and Eklavya Schools do not exist. Education will be free of cost with hostel facilities available at such schools. We will establish 10 such model schools in the first phase and I propose a budget provision of ₹ 25 crore for 2018-19.

121. Speaker Sir, the students spend a lot of money on purchase of new text books. At the same time the students once pass a class throw the books and buy the new books for next year. Now, I propose that in all Government Schools in Himachal Pradesh, next day immediately after the completion of the exams will be held as a “**Book Donation Day**”. That day students of higher class will hand over books to lower class, helping the students to reduce their cost of purchase of books.

122. Speaker Sir, the BJP Government in 2011 started the '**Atal Vardi Yojna**' under which the students were provided two uniforms in a year. I am now happy to announce that the students of 1st, 3rd, 6th and 9th class will be provided school bags also under this scheme.

123. In order to foster curiosity and creativity in young minds '**Atal Tinkering Labs**' will be set up in selected schools where students work with tools and equipments to understand the concept of STEM (Science, Technology, Engineering and Maths) under '**Atal Innovation Mission**' of Government of India.

The State Government will declare one day in a month as Bag Free Day in every school so that, that day is fully devoted for co-curricular activities in the school.

124. A new programme named "**Akhand Shiksha Jyoti, Mere School se Nikle Moti**" to honour passed out students from the Government Schools who made a mark in life. The local communities and Gram Panchayats will be associated with this scheme.

125. Speaker Sir, it is important to prepare our talented students to prepare for competitive exams. The 10+2 students need coaching to appear in JEE mains and NEET and for other higher educational institutes. The pass out of colleges need to prepare for the job related competitive exams like civil services. For this purpose, I propose a new

scheme called “मेधा प्रोत्साहन योजना” to provide stipend / coaching assistance to take coaching in and outside State. I propose a budget provision of ₹ 5 crore for this purpose. May I say here;

“नन्हीं सी चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है,
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।।”

126. I am happy to announce that the State Government will provide ₹ 110 crore to Himachal Pradesh University as grant-in-aid. This is the highest per student grant to any State University in the Country.

I propose a total budget outlay of ₹ 7,044 crore for Department of Education for 2018-19.

127. Speaker Sir, Technical Education and Vocational Industrial Training play a vital role in enhancing the employability skills of the youth of Himachal Pradesh. Himachal has 124 Government and 148 private ITIs with intake capacity 25,449 and 22,335 students respectively. State has 696 seats per lakh population in ITIs compared to 212 student seats at the national level.

Technical
Education.

To meet the skill need of the industry this sector requires close coordination with the private sector. To bridge the skill gaps our Government shall prepare District wise plans. Based upon such plans, the technical courses will be suitably re-oriented so that the students get training in

accordance with the needs of the Labour markets. The work of new polytechnics at Rehan with cost of ₹ 25 crore will be started in next few months.

128. Speaker Sir, our Government is committed to preserve and promote the rich cultural heritage of our State. We will introduce Miniaturized Cultural Souvenirs of Himachal Pradesh to boost awareness of rich Himachali Heritage. We will organize Shilp Gram Melas in various parts of the State for the sale/demonstration of various artefacts prepared by talented artists.

In order to preserve vanishing Manuscripts and rare books, the department will carry out their digitization and create a digital library for the benefit of researchers and students

Speaker Sir, I announce a new Scheme “आज पुरानी राहों से”. Under this scheme, heritage guides will tell about dignitaries, folk core, historic events, unexplored cultural heritage etc. This will boost cultural tourism and help in preserving cultural identity of the State.

I propose a budget provision of ₹ 25 crore for construction of indoor auditorium at District Headquarters where such facility does not exists. Famous litterateur and artists of the State participate in the preservation of literature and culture of the State. The daily allowance and remuneration to Senior and Junior Poets/Writers/Litterateur

at District, State and National level programmes shall be increased by 50 percent.

I am happy to announce a new scheme “देव भूमि दर्शन” to provide transport facility for senior citizens of the State to visit different religious places in the State.

129. Speaker Sir, the State Government is committed to provide National level sports infrastructure in the State with a view to organize high end sports competitions in the State and to harness potential of budding sports persons. I propose ₹ 15 crore for construction of multipurpose indoor complexes in the District where such facility is not available.

Youth Services
& Sports.

Under “मुख्यमन्त्री खेल विकास योजना.” one big play field will be developed in each Vidhan Sabha Constituency. I am making a provision of ₹ 6.80 crore for this purpose.

I also propose a budget provision of ₹ 2 crore for renovation of existing sports facilities in the State.

130. Speaker Sir, Journalists play a very useful role for the society. I propose that financial assistance to the serving and retired accredited Journalists for medical emergency will be increased from existing ₹ 50 thousand to ₹ 2.5 lakh under the “Himachal Pradesh Patrakar Kalyan Yojna” in 2018-19. I propose to withdraw present annual income of ₹ 1.8 lakh so that all accredited journalists benefits from this scheme.

Information &
Public Relations.

131. Speaker Sir, I am happy to inform that Government of India has sanctioned ₹ 1,351 crore for establishment of All India Institute of Medical Sciences at Kothipura in District Bilaspur. This will be one of the biggest Medical Institute in the North India to be constructed under “**Prime Minister Health Protection Programme**” in Himachal Pradesh.

132. Speaker Sir, the State Government would like to encourage private hospital facilities in rural area of Himachal Pradesh. I am happy to announce a new “स्वास्थ्य में सहभागिता योजना”. Under this scheme, if any person/doctor establishes a private allopathic hospital in identified rural areas, then he will be provided an investment subsidy of 25 percent for establishment of hospital up to an investment of ₹ 1 crore and 5 percent interest subsidy for three years on the loan taken from the bank.

133. Under “**Rashtriya Swasthya Bima Yojna**” 4,83,693 families are registered under the Scheme, which get cashless treatment to the tune of ₹ 30,000 under Basic Package and ₹ 1,75,000 under Critical and ₹ 2,25,000 for cancer patient. Similarly, “**Mukhya Mantri State Health Care Scheme**” is being implemented to provide health care facilities on the lines of RSBY. Further, these benefits are extended to other families under the “**Himachal Pradesh Universal Health Protection Scheme**” with a premium of ₹ 365 a year.

Speaker Sir, Government of India in Union budget announcement to launch on ambitious National Health Protection Scheme providing coverage of upto 5 lakh per family per year for secondary and tertiary care hospitalization. This will be the biggest health care scheme in the world.

I am happy to announce that the State Government will implement this scheme for the beneficiaries covered under the “**Mukhya Mantri State Health Care Scheme**”. Further, the scheme will also be extended to beneficiaries under the Himachal Pradesh Universal Health Protection Scheme” with a suitable premium

134. Speaker sir, our Government aims to make the State as one of the healthiest States in India. To achieve this goal, a new Scheme called, “मुख्यमन्त्री निरोग योजना” will be implemented by the Department. Basic health checkup shall include Random Blood sugar checkup, Blood pressure measurement, Eye checkup and other tests requiring lab tests will be done. This will enable spotting of potential problems in their early stages, prevent long term illness through early diagnosis and treatment.

135. Speaker Sir, earlier we were providing 66 drugs under the free drug policy which has now been increased to 330 drugs. I announce to provide a budget outlay of ₹ 50 crore for this purpose. We will provide free treatment for Haemophilia and free insulin for children upto 18 years.

Immunization campaign of last year for Measles and Rubella was a remarkable success. At present immunization rate is 95 percent. We will try to achieve 100 percent immunization in next year.

136. Speaker Sir, Children are our future and their health is of paramount importance. At present a cash incentive of ₹ 700 is given to mother for every institutional delivery. I am happy to announce that a new scheme called “**Mukhya Mantri Aashirwad Scheme**” will be launched in the State under which all new born will be provided a baby kit worth ₹ 1,500. This will benefit nearly 1 lakh new borns in every year. I propose a budget provision of ₹ 15 crore for 2018-19.

Speaker Sir, I may say here;

“तुम अपने पास रखो, अपनी रोशनी का हिसाब।
मुझे तो आखिरी घर तक दीया जलाना है।।”

Sanitary napkins are essential for personal hygiene for adolescent girls. I am happy to announce that all the girls studying in schools upto 10+2 will be provided packet of sanitary napkins at a cost of ₹ 1 per packet instead of ₹ 5 per packet at present. These packets will be distributed by the ASHA workers. I propose a budget provision of ₹ 4 crore for this purpose.

137. Speaker Sir, IGMC is the premium medical institution of the State but facility of kidney transplant is not available here. Due to this, patients have to outside the state for this and have to spend a lot of money. I am happy to

announce that from this year kidney transplant facility will be created in the IGMC. I propose a budget outlay of ₹ 4 crore for this purpose in 2018-19.

Speaker Sir, 108 Ambulances Service is playing a important role for conveyance of patients. I propose to levy a cess of ₹1 per bottle of liquor in order to provide for operational expenditure of this ambulance service. This will fetch around ₹ 8 crore per annum.

The health care facilities to residents in remote and far flung areas of the State can be provided in a cost effective way through telemedicine. I propose that 50 Health Sub-Centres in the State will be brought under telemedicine system.

At present telemedicine programme is running in Keylong, Kaza and Pooh. I proposed to cover Pangi under this scheme.

138. Speaker Sir, I propose constitution of a new “मुख्यमन्त्री चिकित्सा सहायता कोष” to provide assistance to needy poor people of the State who are having serious ailments. I propose a budget provision of ₹10 crore in 2018-19 for this fund. Rules for seeking help from fund will be framed soon.

139. Speaker Sir, consumption of tobacco is the major cause of cancer. We will launch awareness campaigns under “**Tobacco Free Institutions Campaign**” in Himachal

Pradesh. The campus of Himachal Pradesh university and Himachal Pradesh Secretariat will be made “**Tobacco free**” by counseling and other measures to become model for other public institutions.

I propose a budget outlay of ₹ 2,302 crore for Health and Medical Education Department. I wish to inform that Himachal Pradesh budget on health is the highest per capita budget in the country amongst all the States.

Ayurvedic.

140. Ayurvedic medicinal herbs are in great demand in the health sector and the commercialization of the farming of such herbs has promising potential to raise income of farmers. The department will facilitate the tie up of farmers with major pharmacies in the country for marketing of herbs.

Department will also start pilot project for prevention of anaemia in three identified blocks Karsog, Kasauli and Theog. We will implement National Nutrition Mission in Chamba, Hamirpur, Solan and Shimla in 2018-19.

I propose a budget allocation of ₹ 263 crore for Ayurveda during 2018-19.

Women & Child Development.

141. Speaker Sir, yesterday we celebrated International Women’s Day. I take this opportunity to extend my warm greetings and good wishes to all women in the State.

I am happy to announce a new comprehensive “सशक्त महिला योजना”. The objective of this scheme is to

provide an interface for rural women by empowering them through Awareness Generation, Training and Capacity Building. This scheme will be implemented at Mahila Mandals by establishing सशक्त स्त्री केन्द्र. This kendra will focus on increasing awareness among rural women about their rights and to empower them through training. These centres will also focus on menstrual hygiene of adolescent girls and to build their self-esteem.

Our Government is committed to reduce sex discrimination. For this I propose to enhance critical care package from existing ₹ 1,75,000 to ₹ 2,50,000 for families having one or two girl child. Additional assistance of ₹ 75,000 will be payable to the girls for their medical care. Girls will get more health care facilities.

142. Speaker Sir, the State Government is providing an assistance of ₹ 4,000 per annum per child to destitute/ widow women upto two children under “Mother Teresa Matri Ashray Sambal Yojna”. I am happy to raise it to ₹ 5,000 per annum with a budget provision of ₹ 10 crore.

The State government is providing ₹ 10,000 on birth of girl child to the BPL families under the “**Beti Hai Anmol Yojna**”. I propose to enhance it to ₹ 12,000. I propose a budget provision of ₹ 12 crore for this scheme.

Speaker Sir, may I say;

“शर्त लगी थी खुशियों को एक लफ्ज़ में लिखने की वो किताब ढूँढते रह गए, मैंने “बेटी” लिख दिया ।”

143. Speaker Sir, the BJP believes in development of all sections of our society, especially the disadvantaged groups. Our Government took a historic decision to earmark Plan Budget in proportion to the scheduled caste population in the State and introduced Scheduled Caste Sub-Plan in our previous regime. I propose an allocation of ₹ 1,583 crore under Scheduled Caste Sub-Plan for 2018-19.

144. State Government is providing social security pension to more than four lakh persons of different categories under various pension schemes. I am pleased to enhance the rate of pension to ₹ 750 per month. I am also happy to enhance the pension of persons having disabilities 70 percent and above and persons aged 70 years and above to ₹ 1,300 per month.

I propose a budget provision of ₹ 600 crore for Social Security Pension Scheme.

Speaker Sir,

“ज्यादा खाहिशें नहीं हैं जिन्दगी तुझ से,
बस मेरा हर कदम, पिछले से बेहतर हो।।”

145. To encourage specially abled students to continue their studies, Department proposes to enhance the rate of scholarship per month for specially abled students by 25 percent from existing rates.

146. As an honour to the Senior Citizens, I am happy to announce the opening of “**Varishth Naagrik Suvidha**

Kendra” with nursing facilities in few places in Himachal Pradesh to provide care to the elderlies. These Kendras shall be managed by the NGOs and State Government will provide grant to them.

Speaker Sir, may I say;

“देखना कभी नम न हों घर के बुजुर्गों की आँखें,
छत से पानी टपके तो दीवारें कमजोर होती हैं।”

147. Development of Scheduled Tribes in the State is a high priority of our Government. Accordingly, I propose an outlay of ₹ 567 crore for the next financial year under the Tribal Sub-Plan which constitutes 9 percent of the total State Plan. This amount will be spent in areas such as of irrigation, horticulture and vegetable cultivation, roads, education, health, drinking water supply etc. as per the priorities identified on a decentralized basis for each of the five tribal regions of Kinnaur, Lahaul, Spiti, Pangi and Bharmour.

Tribal
Development.

I propose a total budget allocation for tribal areas to be ₹ 1,620 crore including the Non-Plan.

148. Speaker Sir, welfare of Ex-Servicemen, Serving Soldiers, War Widows and Gallantry Award Winners is prime concern of the present Government.

Welfare of Ex-
Servicemen &
Freedom
Fighters.

The previous Government had decided to discontinue the financial benefits of approved Military services to Ex-Servicemen. Our Government has decided to restore these benefits to the Ex-Servicemen.

The State Government was providing Compassionate employment to the kin of the martyrs of the Armed Forces. Now, we have decided that this benefit will be provided to the Himachali martyrs of the paramilitary Forces, as well.

Home/Law &
Order.

149. Speaker Sir, the image of the police had taken a beating due to infamous Gudia case. This incident was a matter of great shame. Therefore our focus areas would be addressing crimes against women promptly, crackdown heavily on forests and mining mafia, drug mafia and reducing traffic accidents. Our Government will take effective steps for safety and security of women. To empower girls and to instil confidence in them while dealing with eve-teasers and anti social elements, we will achieve the target of 100 percent in self defence training programme in Government Schools.

150. I propose to establish three new all women police stations one each in Solan, Hamirpur and Chamba Districts during 2018-19.

151. Recently the Finger Print Bureau has been shifted to FSL for bringing scientific acumen to the task and also to run it more efficiently and professionally State will acquire own Automated Finger Print Identification System(AFIS) and live scanners. This will help in maintaining a data bank of criminals. I propose a budget provision of ₹ 2 crore for this purpose.

e-challan system will also be launched on pilot basis to compound traffic violations on the spot.

₹ 40 crore will be provided for police housing in 2018-19.

I propose a total budget outlay of ₹ 1,430 crore for the Department of Home i.e. Police, Home Guards, Fire Services and Prisons.

152. The State Government is implementing World Bank aided “**Public Financial Management Capacity Building Project**” with an outlay of ₹ 240 crore. In order to increase capacities at least two officials of all DDOs in the state will be imparted training in running e-Bill system. We will integrate with HPSEBL, IPH and BSNL for direct online payment of electricity, Water and Telephone bills of DDOs directly into the accounts of these entities. We will also AADHAR seed e-Salary database of employees, which will enable error free payments into bank accounts of employees through National Payments Corporation of India.

Treasuries

153. Our Government will make effort to ensure pension to everybody of unorganized sector under ‘Atal Pension Yojna’ in the State. All the subscribers registered under APY till 31.3.2019 shall be provided co-contribution of ₹ 2, 000 or 50 percent of their contribution whichever is less from State side. I propose budget provision of ₹ 10 crore for this scheme for 2018-19.

Social Security
for Unorganized
Sectors.

154. Speaker Sir, employees are backbone of the State Government. The State Government has increased maternity leave in case of contractual women employees from 135 to 180 days. The State Government has released 3 percent Dearness Allowance with effect from 1st July, 2017. We have also released 8 percent Interim Relief to the Regular Employees and Pensioners with effect from 1st January, 2016 giving an additional benefit of ₹ 700 crore. No Government in the past has given such big benefits to the employees in first two months in office.

I am happy to announce an additional Interim Relief of 4 percent on basic pay/basic pension to regular State Government Employees/ Pensioners from 1st July, 2017. This benefit will be due to the tune of ₹ 260 crore. This Interim Relief will be absorbed in future pay/pension revision. I am sure that this decision will make the employees and pensioners happy. The contract employees are getting emoluments equal to basic plus grade pay and 75 percent of grade pay. I am happy to announce that in 2018-19, the contact employees will be given emoluments equal to basic pay plus double of the grade pay.

Speaker Sir, I propose to increase honorarium of Part Time Water Carrier from ₹ 1,900 to ₹ 2,200 per month. Mid-day Meal Workers are paid ₹ 1,000 per month by the Government of India. State Government is providing additional ₹ 500 to them. I propose to increase it to ₹ 800

per month. I also announce to enhance remuneration of SMC Teachers by 20 percent per month.

ASHA Workers are paid incentive based on the activities performed by them. I propose to raise incentive being paid to them by State Government to ₹ 1,250 from existing ₹ 1,000. Anganwari workers and helpers are paid honorarium by Government of India under ICDS. I propose to provide ₹ 1,750 as additional honorarium to Anganwari Workers by State Government, with this their total honorarium will be ₹ 4,750 per month. Anganwari helpers will be provided ₹ 900 as additional honorarium by the State Government. With this increase they will get ₹ 2,400 per month as total honorarium. I propose to increase honorarium of Water Guards from ₹ 1,700 to ₹ 2,100 per month.

The Daily wagers are getting ₹ 210 per day. I am happy to raise it to ₹ 225 per day, giving benefit of ₹ 450 per month to such workers.

I also propose to provide ₹ 65 crore for construction of new residences of the Government Employees and ₹ 25 crore for repair of Government residences.

Our Government in every cabinet is taking decision to fill up functional posts. I want to inform this August House that the State Government will fill up the functional posts in all Government departments.

155. Speaker Sir, now I come to the Macro Budget Estimation for 2018-19 and Revised Estimates for 2017-18. As per the Revised Estimates for 2017-18, the revenue Deficit will be 1.93 percent and Fiscal Deficit will be 5.46 percent of GSDP. In 2018-19, the revenue Deficit will be 2.09 percent and Fiscal deficit will be 5.16 percent of GSDP. As required by the FRBM Act, I am separately presenting the Medium Term Fiscal Plan of the State Government for the period 2018-19 to 2021-22. The full details of the next year's budget are available in the comprehensive budget documents being tabled in this August House.

156. The Total Budget Expenditure estimated for 2018-19 is ₹ 41,440 crore, out of which Estimated Expenditure on Salaries is ₹ 11,263 crore, on Pensions it would be ₹ 5,893 crore, Estimated Interest Payments would be ₹ 4,260 crore, and Loan Repayments are expected to be ₹ 3,184 crore apart from ₹ 448 crore on other Loans and ₹ 2,741 crore on Maintenance.

157. As per Budget Estimates for 2018-19, the total Revenue Receipts are estimated at ₹ 30,400 crore and the total Revenue Expenditure is estimated to be ₹ 33,568 crore with a revenue Deficit of ₹ 3,168 crore. the expected Receipts in capital Account of the Government are ₹ 6,540 crore apart from ₹ 1,225 crore in Public Account including Provident Fund, etc. Capital Expenditure including Loan Repayments is estimated to be ₹ 7,872 crore. The fiscal deficit for 2018-19 is likely to be ₹ 7,821 crore.

158. Thus, as per the Budget Estimates, against an expenditure of every 100 rupees, the State will have 73.36 as the Total Receipt including Transfers from the Central government excluding Loans. The gap of 26.64 will be met by borrowings. Out of every 100 rupees of State Revenue Receipts 27.13 will accrue from Own Tax revenues, 6.52 from Non-Tax Revenues 21.01 from Share in Central Taxes and 45.34 from Central Grants. out of every 100 rupees spent, salaries will account for 27.18, Pensions for 14.22, Interest Payments for 10.28, Loan Repayments for 8.76 and the remaining 39.56 will be spent on Developmental works.

159. Speaker Sir, I would like to summaries the highlights of the Budget.

Highlights.

- Adoption of BJP '**Drishtipatra**' as the policy document to guide the development policies of the present Government.
- Lowering the age from 80 years to 70 years for providing old age pension to all, without any income limit.
- Gudia & Hoshiar Singh helplines and '**Shakti App**' launched.
- New "मुख्यमन्त्री लोक भवन" Scheme launched for constructing Community Bhawan with an outlay of ₹ 30 lakh in every constituency.
- Grant under "**Vidhayak Khsetra Vikaas Nidhi Yojana**" raised to ₹ 1.25 crore.
- Discretionary grant raised to ₹ 7 lakh.

- Public Works and IPH will roll out Works Management Information System.
- New e-stamping system will be launched.
- All the tenders above ₹ 5 lakh will be carried out online using e-Procurement portal.
- Budget provision of ₹ 220 crore under state food subsidy scheme.
- New “हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना” will be launched for women empowerment and environment conservation.
- Under the World Bank funded Horticulture Development Project of ₹ 1,134 crore, nearly ₹ 100 crore to be spent in 2018-19.
- ₹ 500 crore to be spent for Command Area Development in five years. A budget provision of ₹ 130 crore in 2018-19.
- ₹ 277 crore for Minor Irrigation Schemes.
- ₹ 85 crore for Medium Irrigation schemes.
- New Scheme, “जल से कृषि को बल” with a budget of ₹ 250 crore for five years launched.
- New “**Flow Irrigation Scheme**” with an outlay of ₹ 150 crore for next five years launched.
- New scheme “**Solar Irrigation Scheme**” launched with a budget outlay of ₹ 200 crore for next five years.
- Electricity to farmers for irrigation purpose to be provided at 75 paise per unit in place of existing ₹ 1 per unit.

- Levy of Certain Goods Carried by Roads(CGCR) on apple, other fruits and vegetables withdrawn from 2018-19.
- New scheme “**Prakritik Kheti Khushhal Kisan**” with an allocation of ₹ 25 crore will be launched.
- Investment subsidy of 50 percent for bio-pesticides plants.
- Subsidy of 40 percent on machinery for setting up of “**Agriculture Equipment Hiring Centres**”.
- ₹ 32 crore for subsidy to farmers/horticulturists on power weeders and power tillers etc.
- Budget provision for anti hail nets increased from ₹ 2.27 crore to ₹ 10 crore.
- 60 percent subsidy under new “**बागवानी सुरक्षा योजना**” for anti hail-guns with budget of ₹ 10 crore.
- Subsidy of 85 percent for installing solar fencing by three or more farmers with a budget provision of ₹ 35 crore under “**Mukhya Mantri Khet Sanrakshan Yojna**”.
- ₹ 1,000 crore phase-II project under JICA to cover all the Districts for crop diversification.
- New scheme, “**Himachal Pushp Utpadan Yojna**” with an allocation of ₹ 10 crore launched.
- ₹ 29 crore for “**Pradhan Mantri Fasal Bima Yojna**” and for “**Weather Based Insurance Scheme**”.
- ₹ 150 crore proposed for upgradation and opening of new Mandis under world bank project.

- Freight subsidy of ₹ 1 per litre to dairy cooperatives to compensate for collection and distribution of milk.
- Enhancement of milk procurement price by ₹ 1 per liter.
- 10 and 20 percent Additional subsidy under '**Dairy Udhyaami Vikas Yojna**'
- 50 percent subsidy to the BPL farmers of general category for rearing Desi cows.
- New "मुख्यमन्त्री मधु विकास योजना" launched with a budget of ₹ 10 crore for providing 80 percent subsidy.
- Exemption on stamp duty and investment subsidy of 50 percent on plant and machinery for establishing of fish feed unit.
- Setting up of Gau-Sewa Aayog announced.
- Amendment in H.P. Religious Endowments and Temple Trust Act to ear mark at least 15 percent of offerings in the temples towards construction, maintenance and running of Gau-Sadans announced.
- Gau Vansh Vikas cess on every bottle of liquor sold in the State collecting ₹8 crore per annum.
- Government land on token lease of ₹ 1 for setting up of Gau-Sadans.
- Award of ₹ 10 lakh to Panchayat free of abandoned cattle.
- Houses destroyed due to natural calamities to be provided funds under "Mukhya Mantri Awas Yojna" for reconstruction.
- 33 percent subsidy on pick-up van to encourage waste collectors in rural areas

- Gram Gaurav Patt in every panchayat.
- No. of days for providing employment under MGNREGA increase from 100 to 120 in view of drought for 2018-19.
- “**Moksh Dhaam**” in each panchayat will be constructed in a phased manner.
- ₹ 45 crore for members of Zila Parishads and Panchayat Samities for undertaking development activities in their areas.
- ₹ 194 crore to the PRIs as per the recommendations of 5th State Finance Commission.
- Honourarium of representatives of PRIs and ULBs enhanced.
- New scheme “**Van Samridhi Jan Samridhi**” will be launched to provide livelihood.
- ₹ 125 crore for Forest Department under externally aided projects.
- New scheme “**Samudayik Van Samvardhan Yojna**” will be launched.
- New scheme “**Vidyarthi Van Mitra**” launched.
- New “**युवा विज्ञान पुरस्कार**” scheme to encourage young students towards science launched.
- New, “**Shresth Shahar Yojna**” launched.
- “National Generic Document Registration System” for online registration of documents for anywhere registration proposed.
- Hand pumps to individual beneficiaries on 75 percent cost.

- ₹ 500 crore to IPH for meeting energy charges for water supply and irrigation schemes.
- Simplification of various procedures for increasing investments.
- **Him Pragti**” online monitoring system to monitor investment and infrastructure progress to be started.
- Policy of partial reimbursement of net SGST paid to be formulated.
- Bidding of cement plant at Broh Shind in Chamba District and Nohradhar in Sirmour District.
- Budget provision of ₹ 35 crore for BBNDA.
- ₹ 4 crore for widening of road between Barotiwala-Mandhala-Parwanoo and Barotiwala-Gunnai- Parwanoo.
- Electricity Duty reduced from 4 percent to 2 percent on Small industries and 10 percent to 7 percent on medium industries.
- Lease of land for industrial plots to be given for 90 years instead of 30 years at present.
- No electricity duty on new small and medium industries for first five years.
- Necessary changes in the Hydro Power Policy to be carried out.
- Equity contribution of ₹ 50 crore to HPSEBL for improving the voltage in rural areas.
- ₹ 475 crore for subsidizing electricity to the domestic and Agriculture consumers.

- New scheme “नई राहें, नई मंजिलें”. announced for development of virgin destinations with a budget provision of ₹ 50 crore.
- Proposal for development of basic infrastructure for second phase under ADB project to Government of India.
- Heli taxi services to be started and more helipads to be constructed.
- A project of ₹ 100 crore for infrastructure development at religious circuit to be submitted to Government of India under “**Swadesh Darshan**” scheme.
- Religious and adventure tourism to be promoted in a big way.
- Pong, Kol and Bhakra reservoirs to be developed for water sports and adventure tourism.
- Water Sports, beautification of the area, construction of ghats and reviving of sulphur springs at Tattapani.
- Efforts will be made to install ropeway from Sri Anandpur Sahib to Sri Naini Deviji in partnership with Punjab Government.
- Exploration of possibilities of installation of ropeways from Dharmkot to Triund, Janjehli to Shikari Mata and other tourist places.
- Develop training module for people connected with tourism activities.
- New “**Mukhya Mantri Swavlamban Yojna**” to encourage local entrepreneurship with an outlay of ₹ 80 crore launched.
- New ‘**Mukhya Mantri Yuva Ajivika Yojna**’ for providing self employment to Himachali youth in age group of 18-35 years in trade and services launched with an outlay of ₹ 75 crore.

- Entrepreneurship development programmes to be organized to stimulate entrepreneurship among youth.
- **“Deen Dayal Upadhyay Gramin Kaushalya Yojna”** will be implemented with an outlay of ₹ 77 crore.
- ₹ 100 crore for Skill Development Allowance.
- ₹ 300 crore as grant and equity to HRTC.
- Installation of electronic display boards at all the bus stands and selected bus stops to display bus timings.
- Additional outlay of ₹ 20 crore for construction of Bus Stands and toilets blocks.
- Mechanism of third party inspection and Independent Quality Check Squad under Chief Minister Office for ensuring quality of Government construction.
- Target of tarring of 2,500 Kilometers of road length. Additional ₹100 crore in 2018-19 for maintenance of roads.
- A new **“Himachal Road Improvement Scheme”** started with an outlay of 50 crore for cross drainage.
- Invitation of international bidding for keeping the Sachh Pass, Jalori Pass, Khada Pathar and Rohtang Pass open during winters.
- ₹ 50 crore for improving the road alignment, sign boards, parapets etc. at the identified black spots.
- ₹ 50 crore for Mukhya Mantri sadak yojna.
- **“The Himachal Pradesh Settlement of Pending Assessment Cases Bill”**, 2018 to be laid for the benefit of the dealers.

- Setting up of a robust and transparent transfer and posting mechanism for the teachers.
- New “मुख्यमन्त्री आदर्श विद्या केन्द्र” Scheme will be launched with an allocation of ₹ 25 crore for under which 10 residential schools will be constructed.
- School bags to be provided to the students of 1st, 3rd, 6th and 9th class under ‘Atal Vardi Yojna’.
- Atal Tinkering Labs will be set up in selected schools.
- A new programme “**Akhand Shiksha Jyoti, Mere School se Nikle Moti**” to be launched.
- New “मेधा प्रोत्साहन योजना” to be launched for preparing students for competitive exams.
- Grant-in-aid of ₹ 110 crore to Himachal Pradesh University.
- Vanishing Manuscripts and rare books to be digitized.
- New Scheme “आज पुरानी राहों से” launched.
- ₹ 25 crore for construction of indoor auditorium.
- Daily allowance to Poets/Writers/Litterateur increased by 50 percent.
- New scheme “देव भूमि दर्शन” to provide transport facility for senior citizens for pilgrimage within the State.
- ₹ 15 crore for construction of multipurpose indoor complexes.
- ₹ 6.80 crore under “मुख्यमन्त्री खेल विकास योजना”
- Medical emergency assistance increased from existing ₹ 50 thousand to ₹ 2.5 lakh under the “**Himachal Pradesh Patrakar Kalyan Yojna**”. Withdrawal of present annual income limit announced.

- New “स्वास्थ्य में सहभागिता योजना” to encourage establishment of private allopathic hospital in rural areas launched.
- New “मुख्यमंत्री निरोग योजना” launched for basic health checkup.
- Increase in number of drugs under the free drug policy in all health institutions.
- 100 percent immunization target for prevention of Measles and Rubella.
- Baby kit worth ₹ 1,500 will be provided to all new born under new “**Mukhya Mantri Aashirwad Scheme**”.
- Kidney transplant facility will be created in the IGMC.
- New “मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष” for assistance to needy poor people of the State having serious ailments constituted.
- Assistance under “Mother Teresa Matri Ashray Sambal Yojna” raised to ₹ 5,000 per annum.
- Assistance to BPL families under “**Beti Hai Anmol Yojna**” enhanced to ₹ 12,000.
- New comprehensive “सशक्त महिला योजना” announced.
- Critical care package under “Swasthya Bima Yojna” enhanced from ₹ 1,75,000 to ₹ 2,50,000 for families having one or two girl child. Additional assistance of ₹ 75,000 will be payable to the girls for their medical care.
- Social Security pension enhanced to ₹ 750 per month. Pension to persons having 70 percent and above disabilities and persons aged 70 years and above

enhanced to ₹ 1,300 per month. Budget provision of ₹ 600 crore for Social Security Pension Schemes.

- Establishment of three new women police stations in Solan, Hamirpur and Chamba Districts proposed.
- An additional Interim Relief of 4 percent on basic pay/basic pension to regular State Government Employees/Pensioners from 1st July, 2017.
- Contact employees to get emoluments equal to basic pay plus double of the grade pay.
- Daily wages increased to ₹ 225 per day.
- Honorarium of part time Water Carriers, Mid-day-Meal Workers, SMC Teachers, ASHA Workers, Anganwari Workers/Helpers and Water Guards enhanced.
- ₹ 65 crore for construction of new residences and ₹ 25 crore for repair of Government residences.
- All functional posts in the Departments will be filled up.
- Budget provision of ₹ 41,440 crore for 2018-19.

160. Speaker Sir, from the day that our BJP Government has assumed office we have demonstrated our commitment to provide a transparent and efficient Government. We have set an ambitious agenda for ourselves and surely not an easy one. This is a small beginning on the road of long journey and as famous Urdu Poet Nida Fazli quoted;

Conclusion.

“सफर में धूप तो होगी चल सको तो चलो ।
सभी हैं भीड़ में तुम भी निकल सको तो चलो ।।

This budget embraces all sections of society and makes them equal stakeholders in the progress of the State. It is a blue print of reforms and transformation. It is an embodiment of the hopes of the youth because many schemes for generation of employment. This budget provides a strategy for improve the economy of farmers and horticulturists. This budget demonstrates strengthening of measures to increase investments in the State.

This budget not only shows the direction towards which our developmental agenda would move, but is also reflection of the results of our endeavors. All around development of all sections of the society, their participation in the process of overall development. This document is also a reflection of the aspirations of people of Himachal Pradesh.

With the following lines from a poem by respected Atalji. I commend this Budget to this August House;

“हम पड़ाव को समझें मंजिल,
लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल,
वर्तमान के मोह जाल में,
आने वाला कल न भुलाएं,
आओ फिर से दीया जलाएं,
आओ फिर से दीया जलाएं।।

“Jai Hind

Jai Himachal”.